रांची, मंगलवार | 05 अगस्त 2025 | वर्ष-26, अंक-184, पृष्ठ-12 | श्रावण शुक्ल पक्ष 11, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

जन्म- 11 जनवरी 1944

मृत्यु- 04 अगस्त 2025

विनम्र श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु शिबू सोरेन

समस्त राज्यवासियों की तरफ से

हूल जोहार

प्रात: 9.00 बजे विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी

अंतिम संस्कार - पैतृक गाँव नेमरा, रामगढ़ में

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 358880 (IPRD) 2025-26

अंतिम जोहार

शिबू सोरेन से जुड़ी 15 तस्वीरें...

रामगढ़ जिले के नेमरा में 11 जनवरी 1944 शिबू सोरेन का जन्म हुआ था। ये उनकी युवा अवस्था की फोटो है।

शिबू सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो और एके राय के साथ मिलकर 4 फरवरी 1973 को झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की थी।

पुराने सहयोगी निर्मल महतो (शिबू सोरेन की दाईं ओर) के साथ गुरुजी की पुरानी फोटो। निर्मल महतो झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष भी बने थे।

अलग झारखंड राज्य के लिए शिबू सोरेन (एकदम बाएं) ने लंबी लड़ाई लड़ी थी। ये आंदोलन के दौरान की तस्वीर है।

एके राय के साथ शिबू सोरेन। राय, शिबू से जुड़ने से पहले कम्युनिस्ट पार्टी के नेता थे।

महाजन और झारखंड आंदोलन के दौरान शिबू सोरेन और उनके साथी।

शिबू सोरेन ने गोला से धनकटनी आंदोलन शुरु किया यह धीरे-धीरे बोकारो से होते हुए टुंडी तक जा पहुंचा। यह तस्वीर उसी दौर की है।

तस्वीर 29 जनवरी 2006 की है, जब तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने शिबू सोरेन को केंद्रीय मंत्री पद की शपथ दिलाई थी।

शिबू सोरेन की पहचान जमीनी नेता के तौर पर होती थी। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहते हुए भी उनकी जीवनशैली साधारण ही थी।

पक्ष से लेकर विपक्ष तक ने गुरुजी के निधन को अपूरणीय क्षति बताया

राजनेताओं ने गुरुजी को कहा, अंतिम जोहार

रांची। आदिवासियों के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से हर ओर शोक की लहर है। झारखंड की राजनीति में भी आज सन्नाटा है। सभी पार्टियों के नेता शोक संतप्त हैं। शिबू सोरेन के निधन की खबर के बाद विधानसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा पहुंचे विधायकों और मंत्रियों ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक प्रकट किया।

गुरुजी हमारे लिए पिता तुल्य थे : इरफान अंसारी

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड के निर्माता, आदिवासी समाज के पुरोधा और गरीबों के मसीहा गुरुजी अब हमारे बीच नहीं रहे। झारखंड का सूरज सोमवार की सुबह उगने से पहले ही हमेशा के लिए डूब गया। गुरुजी ने आदिवासियों को अन्धकार से निकला कर अधिकार और आत्मसम्मान के रौशनी में लाया। झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाया। गुरुजी हमारे लिए पिता तुल्य थे। उनका यूं अचानक चले जाना, न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

शिबू सोरेन के निधन से राज्य में शोक की लहर : दीपिका

झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि पूरे राज्य में शोक व्याप्त हो गया है। उन्होंने कहा 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक आंदोलन हैं। उनकी विरासत हमारे विचारों और हमारे काम के जरिए हमेशा जिंदा रहेगी। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। आप उनके नाम के बिना झारखंड की कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन हम समझ सकते हैं कि एक पिता को खोने का क्या मतलब होता है।

आपका आदर्श और विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करेंगे : चंपाई सोरेन

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन की दुखद सूचना से शोक में हूं। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। यह एक युग का अंत है। झारखंड आंदोलन के दौरान पहाड़ों, जंगलों एवं सुदूरवर्ती गांवों से लेकर विधानसभा तक, आपके साथ बिताये पल याद आ रहे हैं। चंपाई ने आगे लिखा कि महाजनी प्रथा एवं नशे के खिलाफ आदिवासियों, मूलवासियों तथा शोषित-पीड़ित जनता के संघर्ष को जिस प्रकार आपने दिशा दी, उसे आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी। आप हमेशा हमारे दिल में रहेंगे। आपके आदर्श एवं विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। झारखंड की आम जनता के हितों को लेकर जो संघर्ष आपने शुरू किया था, वह जीवनपर्यंत जारी रहेगा।

दिशोम गुरु का जाना बड़ी क्षति है : सुप्रियो भट्टाचार्य

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने एक शोक संदेश जारी कर इसे "पार्टी, झारखंड राज्य एवं देश के आदिवासी-मूलवासी, शोषित-दलित, मजदूर-किसान, महिला एवं जनसमुदाय के लिए हिमालय के स्खलन समान क्षति" बताया है। भट्टाचार्य ने कहा कि गुरुजी ने अपने जीवन में सदैव धारा के विपरीत जाकर संघर्ष किया और कभी पराजित नहीं हुए। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर दबे-कुचले समाज ने अपनी पहचान, सम्मान और अधिकार प्राप्त किया।

दिशोम गुरु का जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति : रघुवर

पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा सोशल मीडिया में शिबे सोरेन के साथ फोटो पोस्ट कर लिखा कि झारखंड आंदोलन के अगुआ, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से मर्माहत हूं, स्तब्ध हूं। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वह मेरे पितातुल्य रहे हैं। सदैव उनका सानिध्य मुझे मिला। उनके मार्गदर्शन में मुझे उपमुख्यमंत्री के पद पर रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मरांग बूरू पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मेरे जैसे उनके लाखों प्रशंसकों, उनके समर्थकों, उनके परिजनों को यह पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।

दिशोम गुरु को सीता सोरेन ने दी श्रद्धांजलि कहा- हमने अपना जीवनदाता खोया

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहु सह पूर्व विधायक सीता सोरेन ने कहा है कि बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे। हमारे जीवन के प्रकाश थे। हमारे अपने, हमारे मार्गदर्शक और हमारे सबसे बड़े सहारे। आज जब वो हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लग रहा है जैसे एक पूरा युग समाप्त हो गया हो। उनके बिना ये घर वैसा नहीं रहेगा, उनकी हंसी, उनका स्नेह, उनकी डांट तक, सब कुछ अब यादों में रह गया है। झारखंड ने एक महान सपूत खोया है, लेकिन हमने अपना गुरू, अपना पिता, अपना जीवनदाता खोया है।

दिशोम गुरु जमीन से जुड़े नेता थे, उनका जाना गहरा आघात : शशिभूषण मेहता

भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता ने कहा कि दिशोम गुरु जमीन से जुड़े हुए एक संघर्षशील नेता थे। उनका जाना झारखंड के लिए गहरा आघात है। यह क्षति निकट भविष्य में पूरी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनके परिवार को ईश्वर शक्ति प्रदान करें।

गुरुजी ने झारखंड की आवाज को सदैव बुलंदी से रखा : कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह

कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने सोशल मिडिया में लिखा कि आदरणीय शिबू सोरेन हमारे अभिभावक तुल्य थे। झारखंड की आवाज को उन्होंने सदैव बुलंदी से रखा। उनका जाना हम सभी के लिए बेहद दुखद है। हम इस दुख की घड़ी में हेमंत सोरेन और उनके परिवार के साथ हैं।

गुरुजी ने जीवन भर वंचितों के लिए लड़ाई लड़ी : सत्येंद्र तिवारी

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गुरूजी का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने राजनीति में जो मिशाल कायम की, उसे भर पाना मुश्किल है। गुरुजी ने जीवनभर गरीबों और वंचितों के हक के लिए लड़ाई लड़ी।

गुरुजी एक व्यक्ति नहीं, विचार और सिद्धांत थे : राजेश कच्छप

कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि गुरुजी का निधन एक युग का अंत है। वह एक व्यक्ति नहीं बल्कि विचार और सिद्धांत थे। उन्होंने जल, जंगल, जमीन के अधिकार के लिए तपस्या की और वंचितों की आवाज बने। उन्हें युगों तक याद किया जाएगा।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्षों का परिणाम झारखंड : प्रदीप यादव

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वीर शिबू' एक नाम नहीं, संघर्ष का पर्याय हैं। उनकी आवाज जंगल से उठती थी और महलों तक गूंजती थी। उन्होंने आदिवासी, दलित और पिछड़ों के हक की लड़ाई लड़ी। झारखंड उन्हीं के संघर्ष का परिणाम है। उनके दिखाए रास्ते पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सबसे बड़े आंदोलनकारी थे गुरुजी : जयराम

विधायक जयराम महतो ने शिबू सोरेन का चले जाना झारखंड के लिए क्षति है। उन्होंने कहा कहा कि गुरुजी के बारे में बचपन से सुनता आया हूं। वह 1970 के बाद से सबसे बड़े आंदोलनकारी थे। इस घटना से झारखंड की जनता को मर्माहत करनेवाली है।

गुरुजी का जाना अस्वीकार्य है : नीरा यादव

विधायक नीरा यादव ने कहा दिशोम गुरु के निधन की सूचना मिलने से मर्माहत हूं। वे राज्य की जनता की आवाज थे। भगवान उन्हें अपने श्रीचरणों में जगह दें। उन्होंने कहा दिशोम गुरु की तबियत पहले से ही ख़राब थी हालांकि वो इस हाल में चले जायेंगे स्वीकारना मुश्किल है।

राजद ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

राज्य निर्माण के अगुआ संघर्ष व आंदोलन के जीवंत प्रतीक झारखंड शब्द का नामांकरण करने वाले महानायक गुरुजी शिबू सोरेन का निधन होने से झारखंड अनाथ हुआ शून्य हुआ शोकाकुल गमगीन माहौल हुआ। प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने गुरुजी के साथ एक पुराना तस्वीर साझा कर राजद की ओर से श्रद्धेय शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया हैं।

दिशोम गुरु को भाकपा ने दी श्रद्धांजलि

भाकपा ने गुरू जी को श्रद्धांजलि दी है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी ने इसे झारखंड की अपूरणीय क्षति करार देते हुए कहा कि गुरुजी का जाना शोषितों, दलितों और आदिवासियों की एक मजबूत आवाज का खामोश हो जाना है। मौके पर राज्य सचिव महेंद्र पाठक, राष्ट्रीय परिषद सदस्य पीके पांडे, जिला सचिव अजय कुमार सिंह समेत कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झारखंड की अस्मिता के लिए समर्पित रहा गुरुजी का जीवन : चंद्र प्रकाश

रांची। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, आदिवासी उत्थान और झारखंड की अस्मिता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने संघर्षों से राष्ट्र और राज्य को जो दिशा दी, वह हमेशा प्रेरणा देती रहेगी। खासकर महाजनी प्रथा और नशा के विरुद्ध उनके आंदोलन से सामाजिक चेतना आई। उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है। यह झारखंड और देश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिशोम गुरु को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

दिशोम गुरु : एक युग की मौन गाथा

डॉ. सूरज मंडल

पूर्व सांसद, पूर्व जैक उपाध्यक्ष, झारखण्ड मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष, अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता.

समय के साथ-साथ कुछ यादें धुंधली हो जाती हैं, तो कुछ और भी ज्यादा चमकने लगती हैं — जैसे किसी चिरपरिचित चेहरे की झलक, जो जीवन के कठिन मोड़ों पर साया बनकर साथ चलता है। मेरे लिए वह चेहरा है — दिशोम गुरु शिबू सोरेन का।

उनसे जुड़ी स्मृतियाँ किसी एक रंग की नहीं हैं। इनमें उजली मुस्कानें हैं, तो धुंधली नाराज़गियाँ भी। कहीं आत्मीयता है, तो कहीं तल्ख़ टकराव। और इन्हीं तमाम रंगों से बनी है वह तस्वीर, जिसे मैं जीवन भर अपने भीतर संजोए हूँ।

करीब पचास साल पहले की बात है। संथाल परगना की मिट्टी में तब हलचल थी। सामाजिक अन्याय, शोषण और सत्ता की कठोरताओं के विरुद्ध जनभावना उबाल पर थी। मेरी सक्रियता कुछ स्थानीय शक्तियों को खटकने लगी थी। महाजनों ने मुझे "रुकावट" करार देकर शिबू सोरेन

तक अपनी शिकायतें पहुँचाईं — और उनके समर्थन में चावल, दाल, तेल और नकदी भी। शायद इसी प्रलोभन का असर था कि एक जनसभा में गुरुजी ने एलान कर दिया — "मुझे सूरज मंडल का सिर चाहिए।

जब ये बात मेरे कानों तक पहुँची, तो मैं ठिठका नहीं। सीधा नंदलाल सोरेन के घर जा पहुँचा, जहाँ गुरुजी ठहरे हुए थे। बताया गया कि वे नदी में स्नान कर रहे हैं। जब वे लौटे, तो मैंने मुस्कुराकर कहा — "आपको मेरा सिर चाहिए था, तो लीजिए, मैं स्वयं आ गया हूँ।" इस पर उन्होंने अपने कपड़े एक ओर फेंके और मुझे गले से लगा लिया।

आज झारखंड का हिमालय पहाड़ टूट कर गिर गया: मुस्ताक

रांची। जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा कि आज झारखंड का हिमालय पहाड़ टूटकर गिर गया है। इस हिमालय पहाड़ के टूटकर गिरने से जो क्षति हुई है इसका अंदाजा लगाना असंभव है। यह अपूर्णीय क्षति है इसकी भरपाई वर्षों वर्ष तक नहीं हो पाएगी। एक योद्धा जो अपनी जवानी के दिन संघर्ष करते हुए गुजारे, जब उनके पिता की हत्या हो गई थी तो उन्होंने महाजनी आंदोलन चलाया और जंगल चले गए, महाजनी आंदोलन में सफल रहे।

शिबू सोरेन के निधन पर रास में दी गई श्रद्धांजलि

रांची। नई दिल्ली

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वे राज्यसभा के मौजूदा सदस्य थे। उनके निधन पर राज्यसभा में सभी सांसदों ने शोक जताया और दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही उपसभापति हरिवंश नारायण ने सदन को राज्यसभा के मौजूदा सदस्य की मृत्यु का समाचार दिया। उपसभापति ने कहा कि गहरे दुख के साथ यह सूचित करना है कि मौजूदा राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन का निधन हो गया है। उपसभापति ने कहा, शिबू सोरेन आम लोगों के बीच में गुरुजी के नाम से लोकप्रिय थे। उनका जन्म झारखंड के हजारीबाग जिले के एक गांव में 11 मई 1944 को हुआ था। वह मैट्रिक पास थे और पेशे से एक किसान थे। उन्होंने आदिवासी समुदाय के अधिकारों और उनके उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। झारखंड राज्य के निर्माण के आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने आजीवन वंचितों के अधिकार की लड़ाई लड़ी व उनके लिए सेवा भाव से कार्य किया। वह एक वरिष्ठ और विशिष्ट आदिवासी नेता थे।

स्मृति शेष : अंतिम जोहार, गुरुजी आपसा नेता नहीं देखा!

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

गुरुजी को समझने के लिए झारखंड को समझना पड़ेगा जो कभी हीरानागपुर के नाम से जाना जाता था और यहां के राजा दुर्जन साल अपनी हीरों की पहचान की अनूठी कला के कारण अपने साथ अनेक राजाओं को मुगलों की कैद से आजाद कराया था जिसके बाद यहां के इतिहास ने एक करवट बदली । इनसे पहले एक आदिवासी राजा मदरा मुंडा ने अपने गैर आदिवासी पोष्यपुत्र फणीमुकुट राय को झारखंड के सही ढंग से संचालन के लिए राजपाट सौंप दिया था जिनके वंशज दुर्जन साल थे । यहां के घरों में ताले नहीं लगते थे और राजा के पास कोई सेना नहीं हुआ करती थी पर यहां की खनिज संपदा से लेकर वनोत्पाद की लूट और सस्ते और ईमानदार मजदूरों के आर्थिक तथा शारीरिक शोषण का लंबा इतिहास है जिसका क्रम आज भी जारी है । गुरूजी ने 13 वर्ष की आयु में अपने पिता की हत्या इन्हीं शोषक तत्वों के हाथों देखी थी जिस कारण उनका स्वभाव थोड़ा उग्र थोड़ा अपनापन भरा भी था जैसा आंदोलनकारियों का आम तौर पर होता है । पढ़ता था तभी गुरूजी की चर्चा सुनी थी जो अछूत समझे जाने वाले जय झारखंड का जयघोष निडर होकर करते थे, देखा भी था । पहली बार सामना हुआ युवा पत्रकार था और उत्साह में कुछ चुभने वाले सवाल पूछे जिससे गुरूजी नाराज हो गए और जाने को कहा जब जाने लगा तब बुलाया और ऐसे बात की जैसे कोई अभिभावक जिद्दी बच्चे से बात करता हो दोनों का यह अनूठा परिचय था । अखबार,रेडियो,टीवी पत्रिकाओं के लिए कई बार इंटरव्यू लिया पर उनका तेवर वही था निडर और बेबाक । करनडीह जमशेदपुर में अंतरराष्ट्रीय संताली भाषा सम्मलेन के कवरेज लिए आकाशवाणी की ओर से विशेष रूप से गया था वहां भी गुरूजी से भिडंत हो गई गुरूजी पहले नाराज हुए फिर याद किया नाम पूछकर कंफर्म हुए फिर हंसते हुए कहा न आप बदलेंगे और न हम ! मुख्यमंत्री थे तब भी मिलना आसान था और कोयला मंत्री थे तब भी उन्होंने पहचान लिया था कि मैं धरातल से जुड़े गरीबों और मजबूर लोगों से संबंधित सवाल पूछता था पर न मेरे सवाल बदले न गुरूजी के तेवर ! झारखंड के लोगों के लिए उनके मन में दर्द और सहानुभूति कूट-कूट कर भरी थी जिसके दीवाने लाखों –करोड़ों लोग थे और शायद मैं भी जिसे आज व्यक्त कर पा रहा हूं जब वे हमारे बीच नहीं हैं अन्यथा मेरे पेशे में ऐसी भावना बेईमानी समझी जाती ।

अपने दोनों बेटों हेमंत सोरेन (दाई ओर) और बसंत सोरेन के साथ शिबू सोरेन की पुरानी तस्वीर।

अपने परिवार के साथ शिबू सोरेन की पुरानी तस्वीर। दाएं से - छोटा बेटा बसंत, पत्नी रूपी, बगल में बड़ा बेटा हेमंत, साथ में उनकी पत्नी कल्पना और पोते-पोतियां।

पत्नी रूपी सोरेन और पोते-पोतियों के साथ अपने जन्मदिन के मौके पर केक काटते शिबू सोरेन।

तस्वीर 6 मई 2024 की है। 96 दिन बाद जेल से कुछ घंटे के लिए बाहर आए हेमंत सोरेन, पिता शिबू से मिलने पहुंचे थे।

तस्वीर 9 सितंबर 2022 की है। उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए वोट देते शिबू सोरेन।

26 जून को शिबू सोरेन की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रांची, मंगलवार | 05 अगस्त 2025 | वर्ष-26, अंक-184, पृष्ठ-12 | श्रावण शुक्ल पक्ष 11, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

3 बार झारखंड के **सीएम** रहे **दिशोम गुरु**

₹2.00

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

गुरुजी
2014 लोकसभा चुनाव जीते
2020 से राज्यसभा सांसद थे

1957 में 13 साल की उम्र में पिता की हत्या के बाद पढ़ाई छोड़ी
1969 पहला विस चुनाव सीपीआई के टिकट पर रामगढ़ से लड़े, लेकिन हार गए
1970 के दशक में सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया
1972 में अलग राज्य की मांग के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा बनाया
1980 में दुमका से लोस चुनाव लड़े, पहली बार सांसद बने
1985 में जामा सीट से विधायक बने और 1989 में दुमका से फिर सांसद बने
2005 मार्च मे पहली बार सीएम बने दस दिन में इस्तीफा दिया
2008 अगस्त को दूसरी बार झारखंड के सीएम बने, पांच महीने बाद इस्तीफा

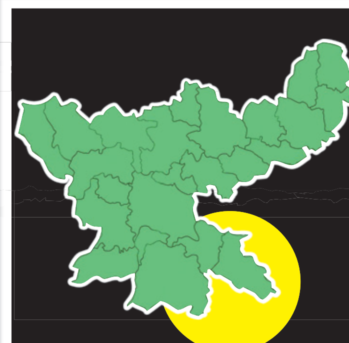

झारखंड की राजनीति में एक युग का अवसान

अंतिम जोहार गुरुजी

81 साल के थे, कई दिनों से अस्पताल में थे वेंटिलेटर पर

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासियों मूलवासियों की आवाज शांत हो गई। झारखंड की राजनीति में एक युग का अवसान हो गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संरक्षक शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 81 साल के थे। वे पिछले कई दिनों से अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनकी तबीयत लंबे समय से खराब चल रही थी और उन्हें किडनी से जुड़ी गंभीर समस्याओं के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनके निधन की पुष्टि की।

कभी सूदखोरों और शोषकों के खिलाफ तीर धनुष लेकर निडरता से आंदोलन चलाने वाले गुरुजी एक विचारधारा के रूप में सर्वव्यापी हैं। उन्होंने तब झारखंड अलग प्रांत की बुलंद आवाज जन-जन तक पहुंचाई, जब झारखंड शब्द से बहुत से लोग परहेज करते थे। वे झारखंड की राजनीति के एक मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने झामुमो के बैनर तले आदिवासियों के हक और अधिकार के लिए कड़ा संघर्ष किया। उनके निधन की खबर मिलते ही राज्यभर में शोक की लहर दौड़ गई है। इस बीच, सर गंगा राम अस्पताल की ओर से बताया गया कि शिबू सोरेन को सुबह 8:56 बजे मृत घोषित कर दिया गया। वे किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। पिछले एक महीने से वे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। 81 वर्षीय शिबू सोरेन लंबे समय से अस्पताल में नियमित रूप से इलाज करा रहे थे।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 24 जून को अपने पिता के अस्पताल में भर्ती होने पर कहा था, 'उन्हें हाल ही में यहां भर्ती कराया गया था, इसलिए हम उनसे मिलने आए थे। उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की जा रही है।' ज्ञात हो कि शिबू सोरेन पिछले 38 वर्षों से झामुमो के नेता थे और उन्हें पार्टी के संस्थापक संरक्षक के रूप में जाना जाता है।

दिशोम गुरु ने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में ली अंतिम सांस

विनम्र श्रद्धांजलि

जन्म : 11 जनवरी 1944
मृत्यु : 04 अगस्त 2025

2009
दिसंबर में तीसरी बार झारखंड के सीएम बने

विशेष पेज 2-3

सूदखोर महाजनों ने करवा दी थी पिता की हत्या

शिबू ने छोड़ दी पढ़ाई, महाजनों के खिलाफ उतर पड़े संघर्ष में

» शिबू सोरेन को भी मारने की कोशिश की सूदखोरों ने

» बराकर नदी में कूदकर बच निकले और दिशोम गुरु कहलाए

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन महज 13 साल की उम्र के थे, जब उनके पिता की हत्या महाजनों ने कर दी। इसके बाद शिबू सोरेन ने पढ़ाई छोड़ दी और महाजनों के खिलाफ संघर्ष का फैसला किया। पिता की हत्या के बाद उन्हें लगा कि पढ़ाई से ज्यादा जरूरी है महाजनों के खिलाफ आदिवासी समाज को इकट्ठा करना। इसके बाद उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ कार्य करना शुरू किया। वर्ष 1970 में वे महाजनों के खिलाफ खुल कर सामने आए और धानकटनी आंदोलन की शुरुआत की। सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाकर शिबू सोरेन चर्चा में आए, लेकिन महाजन उनके दुश्मन बन गए। शिबू सोरेन को रास्ते से हटाने के लिए महाजनों ने भाड़े के लोग जुटाए। उन दिनों आदिवासियों को जागरूक करने के लिए शिबू सोरेन बाइक से गांव-गांव जाते थे। इसी दौरान एक बार उन्हें महाजनों के गुंडों ने घेर लिया। बारिश का मौसम था। बराकर नदी उफान पर थी। शिबू सोरेन समझ गए कि अब बचना मुश्किल है। अपनी रफ्तार बढ़ाई और बाइक समेत नदी में छलांग लगा दी। सभी को लगा उनका मरना तय है, लेकिन थोड़ी देर बाद शिबू तैरते हुए नदी के दूसरे छोर पहुंच गए। लोगों ने इसे दैवीय चमत्कार माना। आदिवासियों ने शिबू को 'दिशोम गुरु' कहना शुरू कर दिया। संथाली में 'दिशोम गुरु' का अर्थ होता है 'देश का गुरु।

बचपन की कठिनाई से दिशोम गुरु तक का सफर

झारखंड के तीन बार के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में शिबू सोरेन को 10 महीना 10 दिन ही राज्य की कमान संभालने का मौका मिला। शिबू सोरेन पहली बार सिर्फ 10 दिनों के लिए मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद शिबू सोरेन दूसरी बार 28 अगस्त 2008 को झारखंड के मुख्यमंत्री बने। **शेष पेज 09 पर**

झारखंड के पूर्व सीएम एवं झामुमो के संरक्षक शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका जाना झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को ये दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं। **- बाबूलाल मरांडी, झारखंड विस में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष।**

दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन जी के निधन से हृदय बहुत व्यथित है। उनके निधन से झारखंड के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में जो शून्यता आई है, उसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। दिशोम गुरु जी का निधन संपूर्ण झारखंड के हर जनमानस की क्षति है। ईश्वर से उनके लिए मोक्ष की कामना करता हूं। उनके परिवारजनों, समर्थकों और सभी राज्यवासियों को प्रभु श्रीराम दुख की इस घड़ी से उबरने की हिम्मत दें। ॐ शांति। **- संजय सेठ, रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार।**

सब वीरान सा हो गया है... अंतिम जोहार आदरणीय बाबा... आपका संघर्ष, आपका स्नेह, आपका दृढ़ विश्वास, आपकी यह बेटी कभी नहीं भूलेगी। **- कल्पना सोरेन, गांडेय विधायक, शिबू सोरेन की बहू।**

हेमंत सोरेन ने कहा, आज मैं शून्य हो गया : *शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुजी के निधन पर 'एक्स' पर लिखा, 'आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं...।' वहीं, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के दुखद समाचार से उनके करोड़ों प्रशंसक भी निस्तेज हो गए।*

पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन अत्यंत दुखद व पीड़ादायक है। वे जनजातीय अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे। राजनीतिक-सामाजिक जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। **- संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल।**

गुरुजी का पार्थिव शरीर रांची पहुंचा आज नेमरा में होगा **अंतिम संस्कार**

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिवंगत शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में मंगलवार को अपराह्न में किया जाएगा। गुरुजी का पार्थिव शरीर सोमवार की शाम को विमान से रांची पहुंचा। इसके बाद मोरहाबादी स्थित **शेष पेज 09 पर**

रामगढ़ के नेमरा में हुआ था शिबू सोरेन का जन्म

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में हुआ था। बचपन से ही उन्होंने आदिवासी समुदाय की समस्याओं, शोषण और अन्याय को करीब से देखा। 1960 के दशक में उन्होंने आदिवासी अधिकारों और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष शुरू किया। 1970 के दशक में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। उनका मुख्य उद्देश्य अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर आंदोलन चलाना था।

शेष पेज 09 पर

झारखंड में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संरक्षक 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन के निधन पर राज्य सरकार ने तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। राज्य में 4 से 6 अगस्त तक राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राज्य में किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह आयोजित नहीं किए जाएंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से बताया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं रास सदस्य **शेष पेज 09 पर**

पीएम मोदी पहुंचे गंगाराम अस्पताल दी श्रद्धांजलि, भावुक हुए हेमंत सोरेन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री **शेष पेज 09 पर**

दिशोम गुरु शिबू सोरेन : पलामू से झारखंड तक संघर्ष की धधकती मशाल

झारखंड की आत्मा आज भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की गूंज से स्पंदित है। वे अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका जीवन संघर्ष, विचार और आंदोलन की वह ज्योति है, जो आने वाली पीढ़ियों को मार्ग दिखाती रहेगी। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंडी अस्मिता के प्रतीक थे। जिनके नेतृत्व में एक पूरी कौम ने अपनी पहचान, अधिकार और अस्तित्व की लड़ाई लड़ी और जीती।

शिबू सोरेन का संघर्ष झारखंड राज्य के निर्माण से कहीं पहले शुरू हो चुका था। 1970 के दशक में जब उन्होंने पहली बार पलामू की भूमि पर कदम रखा, तब यह क्षेत्र सामाजिक शोषण, भूमि हड़प और महाजनी प्रथा की आग में झुलस रहा था। पलामू की वह पीड़ा, जहां खेत आदिवासियों के थे, पर फसलें जमींदारों की झोली में जाती थीं। शिबू सोरेन ने इस अन्याय को केवल देखा नहीं, बल्कि महसूस किया और इसके खिलाफ बिगुल फूंक दिया। यहीं से उपजा था वह ऐतिहासिक नारा - 'जमीन हमारी, फसल हमारी, हक भी हमारा होगा।' इस नारे ने आदिवासियों में चेतना की चिंगारी जलाई, जो बाद में धधकती आग बन गई। धानकटनी आंदोलन के रूप में यह विरोध अपने चरम पर पहुंचा। जहां महिलाएं हंसिया लेकर खेतों में उतरीं और पुरुष तीर-कमान से पहरा देने लगे। यह आंदोलन केवल भूमि का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की पुनः प्राप्ति का संग्राम था।

सुरेश बजाज, प्रधान संपादक, राष्ट्रीय नवीन मेल

शिबू सोरेन ने संघर्ष को केवल क्रांति के रूप में नहीं देखा, बल्कि उसमें नैतिक अनुशासन और जनसंगठन की शक्ति को जोड़ा। उन्होंने गांव-गांव जाकर चौपालों में जनता को जागरूक किया। महाजनी प्रथा के खिलाफ सामूहिक प्रतिरोध खड़ा किया और इस बात का विशेष ध्यान रखा कि संघर्ष किसी निर्दोष के खिलाफ न हो। उनकी यही नैतिकता उन्हें एक जननेता से बढ़कर दिशोम गुरु बनाती है।

आपातकाल के दौरान जब सरकारें दमनकारी हो उठीं, शिबू सोरेन अज्ञातवास में चले गए। पारसनाथ के जंगलों में उन्होंने शरण ली, लेकिन जैसे ही जनता ने उन्हें पुकारा, उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। यह था उनका लोकतांत्रिक विश्वास कि आंदोलन जनता का होता है, और नेता को जनता के साथ रहना चाहिए, चाहे वह जेल हो या चौपाल। शिबू सोरेन ने जल्द ही यह महसूस कर लिया था कि लड़ाई केवल महाजनी प्रथा तक सीमित नहीं रह सकती। इसे राजनीतिक मंच पर ले जाना होगा। इसीलिए उन्होंने 1972 में 'झारखंड मुक्ति मोर्चा' की स्थापना की, जिसने झारखंड के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और मजदूरों को एक स्वर दिया। 'हम झारखंडी हैं, झारखंड हमारा है' का उद्घोष गांव-गांव गूंजने लगा। यह आंदोलन केवल विरोध नहीं, बल्कि एक सकारात्मक मांग थी। अलग राज्य के निर्माण की।

पलामू, टुंडी, दुमका, गिरिडीह से लेकर चाईबासा तक शिबू सोरेन लगातार गांवों का दौरा करते रहे। संसद में भी उन्होंने झारखंड के भूगोल, संस्कृति, भाषा और अस्मिता को मुखरता से रखा। यह आंदोलन आखिरकार 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य के निर्माण के साथ सफल हुआ।

यहां यह उल्लेख जरूरी है कि झारखंड की नींव जिन हाथों ने रखी, उनमें पलामू के वे खेतिहर भी शामिल थे, जिन्होंने सबसे पहले धानकटनी आंदोलन में हिस्सा लिया था। यही वह कड़ी है, जो पलामू को झारखंड आंदोलन के केंद्र में ला खड़ा करती है। शिबू सोरेन तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने और केंद्र सरकार में कोयला मंत्री भी रहे। उनके जीवन में आरोप भी आए, लेकिन अंततः न्यायालय से मुक्त होकर वे पुनः जनता के बीच सम्मानित हुए। यह इस बात का प्रमाण है कि सत्य देर से सही, पर विजयी होता है।

4 अगस्त 2025 को उनका निधन केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं था, बल्कि एक युग का अवसान था। लेकिन, साथ ही यह वह क्षण भी था, जब झारखंड की मिट्टी में उनके विचारों के बीज और गहरे रोपित हो गए। आज जब हम दिशोम गुरु को याद करते हैं, तो यह केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उनके विचारों को आगे ले जाने का संकल्प भी है। संघर्ष यदि न्यायपूर्ण हो, और उसमें लोकहित की भावना हो, तो कोई भी शक्ति उसे दबा नहीं सकती।

आप चले गए दिशोम गुरु, लेकिन आपके विचार, आपकी विरासत और आपका साहस, झारखंड की आत्मा में जीवित है। आने वाली पीढ़ियां इन्हीं विचारों की छांव में नई दिशाएं पाएंगी।

विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए किया गया स्थगित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। सदन में विधानसभा अध्यक्ष ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, आज का यह दिन हम सभी के लिए अत्यत दुःख और शोक का दिन है। हमें यह बताते हुए गहरा दुःख हो रहा है कि झारखंड के महान नेता, समाज के मार्गदर्शक, अलग झारखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा और देश के वरिष्ठ राजनेता झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री, वर्तमान राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का आज प्रातः 04 अगस्त, 2025 को स्वर्गवास हो गया। उन्होंने कहा, झारखंड के वंचित समाज को अंधकार से निकालकर हक और हुकूक के प्रकाश से उज्ज्वल करने वाले शिबू सोरेन हमारे बीच नहीं रहे। उनका जाना केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष के लिए अपूरणीय क्षति है, राजनैतिक जगत में, सामाजिक जगत में और अन्याय के खिलाफ अनवरत प्रतिवाद के लिए। हम बहुत दखी हैं, बाबा नहीं रहे। **शेष पेज 09 पर**

सदन में विस अध्यक्ष ने कहा बाबा हमेशा हमलोगों के बीच रहेंगे

शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन को उमड़े लोग

नवीन मेल संवाददाता। रांची। झारखंड आंदोलन के जननायक, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संरक्षक और तीन बार मुख्यमंत्री रहे शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रविवार शाम दिल्ली से विशेष विमान से रांची लाया गया। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय मंत्री जोएल ओराम, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, झामुमो कार्यकर्ता, विपक्ष के कई नेता और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। गगनभेदी नारों और आंसुओं के साथ पार्थिव शरीर को एयरपोर्ट से फूलों से सजे विशेष वाहन में मोरहाबादी स्थित उनके आवास लाया गया। पूरे रास्ते उनके अंतिम दर्शन के लिए लोग सड़कों के किनारे खड़े रहे। पार्थिव शरीर को आमजनों के दर्शनार्थ मोरहाबादी स्थित आवास पर रखा गया है। सोमवार सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा परिसर में रखा जाएगा। इसके बाद अंतिम यात्रा उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) के लिए रवाना होगी, जहां दोपहर बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राज्य सरकार ने शिबू सोरेन के सम्मान में तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया है। 4 और 5 अगस्त को राज्य के सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। इस दौरान कोई राजकीय समारोह आयोजित नहीं किया जाएगा। विधानसभा का मानसून सत्र भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। पुलिस-प्रशासन की ओर से मोरहाबादी, विधानसभा और अंतिम यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जबकि यातायात को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, कांग्रेस की दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, सुदिव्य कुमार, राजेश ठाकुर और झामुमो, कांग्रेस व भाजपा के अन्य कई नेताओं ने मोरहाबादी पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि 81 वर्षीय शिबू सोरेन का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

झारखंड निर्माता दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि : लहू बोलेगा

रांची। लहू बोलेगा संगठन के सदस्यों ने शिबू सोरेन "दिशोम गुरु" के देहांत पर "लहू बोलेगा" रक्तदान संगठन रांची ने श्रद्धांजलि दी । वहीं, संगठन के सदस्य नदीम खान ने कहा कि झारखंड के निर्माता और दिशा दिखाने वाले दिशोम गुरु के जाने से पूरे राज्य में दुख की लहर है।

झारखंड ने अपना महान सपूत खो दिया : अंकित कुमार

रांची। शिबू सोरेन के निधन पर युवा नेता अंकित कुमार ने कहा कि झारखंड ने अपना महान सपूत खो दिया है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड को एक अपना पहचान दिया था। उनकी विरासत हमारे विचारों, आंदोलनों और आत्मा में हमेशा जीवित रहेगी। विनम्र श्रद्धांजलि उस महापुरुष को, जिनके बिना झारखंड की कल्पना अधूरी थी ।

शिबू सोरेन ने झारखंड को नई दिशा दी : पंकज

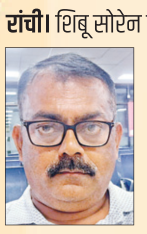

रांची। शिबू सोरेन के निधन पर राजधानीवासी पंकज प्रसून ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड को नई दिशा दी। झारखंड की अपनी पहचान दिलाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके जाने से हम सभी आहत हैं। ऐसे युग पुरुष को भगवान अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शिबू सोरेन युवाओं के लिए प्रेरणा रहे हैं : गीतिका

रांची। गीतिका प्रसून ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन युवाओं के लिए प्रेरणा रहे हैं। उनका संघर्ष युवाओं को नई दिशा दिखाता है। बिल्कुल वैसे ही जैसे झारखंड को नई दिशा मिली थी। शिबू सोरेन के जाने से युवाओं में भी दुख का माहौल है।

दिशोम गुरु के निधन से लोगों में शोक : डेनिश एक्का

रांची। डेनिश एक्का ने कहा कि झारखंड राज्य के आदिवासियों को नई दिशा देने वाले दिशोम गुरु के जाने से पूरे आदिवासी समाज में शोक की लहर है। उनके रहने से प्रतीत होता था हमारे साथ मेरे परिवार के मुखिया हैं।

गुरुजी के रहने से अलग महसूस होता था : संदीप मुंडा

रांची। सन माइका डिलीवरी मैन संदीप मुंडा ने कहा कि राज्य की बागडोर दिशोम गुरु ने लंबे अरसे तक संभाला। आगे की जिम्मेदारी उनके पुत्र हेमंत सोरेन पर हैं। लेकिन गुरुजी के रहने से अलग महसूस होता था। उनके जाने से मन आहत है।

रांची नगर निगम ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रांची नगर निगम के सभागार में आयोजित शोक सभा में निगम परिवार द्वारा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। राज्य सरकार के निर्णय के आलोक में निगम कार्यालय दो दिनों के लिए बंद रहेगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

अलग राज्य आंदोलन के साथ शिबू सोरेन बने गुरुजी : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री,पूर्व केंद्रीय मंत्री,राज्य सभा सांसद स्व शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की। श्री मरांडी ने स्व शिबू सोरेन की आत्मा की शांति केलिए ईश्वर से प्रार्थना की। कहा कि भगवान दिवंगत आत्मा को श्री चरणों में स्थान दें,उनके परिजनों, प्रियजनों को दुःख की बेला में धैर्य एवं साहस प्रदान करें। श्री मरांडी ने शिबू सोरेन से दिसुम गुरु बनने की यात्रा पर कहा कि यह यात्रा कठिन संघर्ष और आंदोलन की यात्रा है।

गुरुजी के निधन से राजनीति में बड़ा शून्य उत्पन्न हुआ: सरयू राय

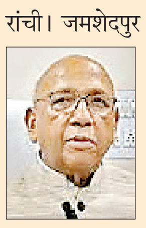

रांची। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा के सांसद शिबू सोरेन के निधन को मर्माहत करने वाला बताया है। यहां जारी शोक संदेश में सरयू राय ने कहा कि स्वर्गीय शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति के प्रतीक पुरुष के रूप में स्थापित हुए थे।

उन्होंने झारखंड की राजनीति को नई दिशा दी और प्रयास किया था कि झारखंड अपने विशेषताओं के साथ उतरोत्तर विकास करे। श्री राय ने कहा कि वर्ष 2000 में जब एकीकृत बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में अल्पकालीन सरकार बनी थी तो शिबू सोरेन और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने उसका समर्थन किया था। उस समय वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बिहार प्रदेश संयोजक थे।

दिशोम गुरु को समाहरणालय कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर समाहरणालय के पदाधिकारियों व कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनके परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति मिले, ऐसी कामना किया। मौके पर उपस्थित लोगों ने कहा कि झारखंड ने एक महान नेता और आदिवासी समाज की प्रेरणादायक आवाज खो दी।शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया और आदिवासी हितों, जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया।

4 का प्रभाव हमेशा रहा अंतिम सांसें भी 4 को ली

शिबू सोरेन ने 4 फरवरी 1973 को धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में एक विशाल रैली के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। "शिवाजी समाज के संस्थापक विनोद बिहारी महतो और कम्युनिस्ट नेता ए.के. राय भी शामिल थे। विनोद बिहारी महतो को पार्टी का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि शिबू सोरेन ने पहले महासचिव का पद संभाला।" झामुमो का गठन झारखंड आंदोलन की वैचारिक नींव पर हुआ था, जिसका प्राथमिक उद्देश्य अविभाजित बिहार से अलग होकर बंगाल और ओडिशा को मिलाकर एक अलग वृहद झारखंड राज्य के लिए संघर्ष को तेज करना था।" "झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना विविध सामाजिक और वैचारिक शक्तियों के रणनीतिक मेल का परिणाम थी। इसमें आदिवासी, कुरमी, मार्क्सवादी और अन्य हाशिए के समुदाय एक अलग राज्य और सामाजिक-आर्थिक न्याय के सामान्य उद्देश्य के तहत एकजुट हुए । 'धान काटो आंदोलन' जैसे जमीनी स्तर का आंदोलन किया।" "आदिवासी और कुरमी समाज में अपनी गहरी पैठ बनाई और धीरे-धीरे मुस्लिम, दलित, यादव और अन्य समुदायों के लोगों में भी इसकी पकड़ मजबूत होती गई। 1980 में, पार्टी को भारत निर्वाचन आयोग से मान्यता मिली। "झारखंड राज्य के आंदोलन ने अभूतपूर्व गति पकड़ी। उन्होंने संताल परगना से लेकर कोयलांचल और कोल्हान तक के क्षेत्रों की व्यापक यात्राएं कीं, कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संघर्ष किया और आंदोलन के लिए हर घर से एक मुट्ठी चावल मांगा।"इसके साथ लोगों ने चवन्नी और अठन्नी जैसे छोटे दान भी दिए ताकि झारखंड राज्य की लड़ाई में उनका उपयोग हो सके। शिबू सोरेन झारखंड मामलों की समिति में शामिल रहे और झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद (जैक) के 180 सदस्यों में से एक थे, जिसके वे बाद में अध्यक्ष भी बने। "14 मई 1989 को शिबू सोरेन ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया और 30 मई तक अलग झारखंड राज्य देने का अल्टीमेटम दिया। इसके बाद, 31 मई 1989 को तत्कालीन बिहार सरकार के साथ झारखंडी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक भी कराई गई। जेएमएम का उद्देश्य महाजनी प्रथा को खत्म करना, विस्थापितों का पुनर्वास सुनिश्चित करना और अलग राज्य के लिए आंदोलन को तेज करना था।

गुरुजी का निधन राजनीति के एक युग का अंत : अवधेश

रांची। वोकेशनल टीचर्स एसोसिएशन के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष ने झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अवधेश ठाकुर ने अपने शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन का संपूर्ण जीवन झारखंड के आदिवासी समाज, गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित रहा। उन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण के आंदोलन में जो ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उसे युगों-युगों तक याद किया जाएगा। उन्होंने राजनीतिक जीवन में संघर्ष, नेतृत्व और जनसेवा की एक मिसाल कायम की। अवधेश ठाकुर ने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत है। ईश्वर पुण्यात्मा को चिरशांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति दें।

चैंबर भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा चैम्बर भवन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उपस्थित सदस्यों ने बारी-बारी से पुष्प अर्पित कर पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को भावपूर्ण शब्दों में स्मरण किया।इस अवसर पर चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी एवं महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि दिशोम गुरु के निधन से प्रदेश का संपूर्ण व्यापारी एवं उद्यमी समाज शोकाकुल है। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। हम उनकी स्मृतियों और योगदान को सदैव नमन करते हैं। मौके पर चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, आस्था किरण, अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल, उप समिति चेयरमैन प्रमोद सारस्वत, मनोज मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

गुरुजी गरीबों व वंचितों के आवाज थे : संजय सर्राफ

रांची। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन के निधन से हम सभी स्तब्ध और शोकाकुल हैं। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि शिबू सोरेन एक सशक्त जमीनी नेतृत्व थे जो सच्चे अर्थ में आदिवासी अधिकारों, जल जंगल जमीन के लिए संघर्षरत रहे उनका सारा जीवन समाज के उत्थान से जुड़ा रहा ।उनका पूरा जीवन संघर्ष, आदिवासी अस्मिता, सामाजिक न्याय और झारखंड राज्य की स्थापना को समर्पित रहा। वे न केवल एक राजनेता, बल्कि जनभावनाओं के प्रतीक, गरीबों-वंचितों की आवाज और झारखंड की आत्मा थे।

सीसीएल परिवार ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड राज्य और पूरे देश के लिए एक अत्यंत दुःखद क्षण में, केंद्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) परिवार ने आदिवासी समाज के मसीहा, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उनके निधन को राज्य की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना के लिए अपूर्णीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में /अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, तथा निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्रशेखर तिवारी सहित क्षेत्रीय महाप्रबंधकगण ,मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

शिबू सोरेन का संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा : डॉ भूपेश

आईएचएम के प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध, उन्होंने अपने जीवन को झारखंड की मिट्टी, आदिवासी समाज और वंचितों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष, नेतृत्व और दूरदर्शिता हमेशा याद रखा जाएगा। झारखंड राज्य और देश के लिए यह अपूरणीय क्षति है। प्रभु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

शिबू सोरेन का निधन राज्य के लिए बड़ा नुकसान : मनोज

रांची। रिक्शा चालक मनोज ने कहा पार्टी पॉलिटिक्स की समझ नहीं है हमे लेकिन हमारे राज्य को अलग पहचान दिलाने वाला नेता और क्रांतिकारी का जाना हमारे राज्य के लिए बड़ा नुकसान है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें : डॉ अमित

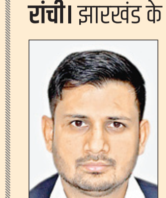

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के कुल सचिव डॉ अमित कुमार पांडेय ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड के विकास और आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति और उनके परिवार को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करें।

गुरु जी को अंतिम जोहार : अबुआ अधिकार मंच

रांची। अबुआ अधिकार मंच के रांची विश्वविद्यालय संयोजक अभिषेक शुक्ला ने झारखंड के दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि "गुरु जी झारखंड की धड़कन, आदिवासी समाज के गौरव और हक-अधिकार की बुलंद आवाज थे। उनका जाना केवल एक राजनेता का क्षरण नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की राजनीतिक आकांक्षाओं, अस्मिता और संघर्ष की एक अमिट गाथा का अंत है। उन्होंने कहा कि गुरु जी ने अपने जीवनकाल में निहित आदिवासी अधिकारों, भूमि न्याय और सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनकी सादगी, जनसंवाद और लोककल्याणकारी राजनीति ने लाखों लोगों को प्रेरित किया।

गुरुजी ने झारखंड के लिए काफी संघर्ष किया : प्रमोद

रांची। समाजसेवी सह व्यवसाई प्रमोद कुमार सारस्वत ने शिबू सोरेन के निधन दुख जताया है। उन्होंने कहा कि अपने सहज व्यक्तित्व से जाने जाने वाले गुरु जी ने दशक पूर्व काफी संघर्ष झारखंड के लिए किया। पूरे आदिवासी समाज की आवाज बने लोगों के अधिकार को समर्पित करवाने में अपना जीवन पूर्ण समर्पण किया। आपके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता आप जनभावनाओं के प्रति हमेशा बने। हम गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

सृजन संसार की काव्य गोष्ठी में बरसी सावन की फुहार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सृजन संसार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मंच द्वारा जवाहरलाल नेहरू कला केंद्र मेकॉन कॉलोनी, श्यामली में सावन मास की काव्य-गोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर सुरिन्दर कौर "नीलम" तथा मंच संचालन डॉक्टर रजनी शर्मा "चंदा" ने किया।अतिथि के रूप में डॉक्टर अंजेश कुमार, अमरेश कुमार, कला केंद्र की प्राचार्या लिली मुखर्जी, सीमा सिन्हा "मैत्री" थीं। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर तथा सृजन संसार के अध्यक्ष सदानंद सिंह यादव द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। कवि- कवयित्रियों के कविता, गीत एवं गजल की प्रस्तुतियों ने कला केंद्र के प्रांगण में सावन को साकार कर दिया। मंच के अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सावन केवल एक ऋतु नहीं बल्कि भारतीय जीवन, साहित्य और संस्कृति में एक गहरी आत्मिक अनुभूति है। साहित्यकारों ने अपनी रचना में कभी श्रृंगार, कभी विरह तो कभी प्रकृति के प्रतीक रूप में अपनी प्रस्तुति दी। इस गोष्ठी में डाल्टेनगंज से आए अमित कुमार, रेनू झा, संगीता सहाय अनुभूति, मीनाक्षी प्रकाश, रंजना वर्मा , मधुमिता साहा, सुनीता अग्रवाल , अमरेश कुमार, कविता रानी सिंह, कामेश्वर सिंह कामेश, सुकुमार झा, बिम्मी प्रसाद, सचिन शर्मा ,दीपक राम, रंगोली सिन्हा, पुष्पा सहाय ,बिंदु प्रसाद , नरेश बंका,प्रणव प्रियदर्शी, सुखेंद्र यादव, संगीता यादव तथा चंचल झा आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में दर्जनों साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

ब्रैस्ट फीडिंग वीक का हुआ आयोजन

मांडर। प्रखंड स्थित सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग में ब्रैस्ट फीडिंग वीक 2025 के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान की अध्यक्ष महोदया छवि सिन्हा, सचिव नितिन पराशर तथा शैक्षणिक सचिव डॉ. दीपाली पराशर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसमें स्तनपान के महत्व, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव तथा सही तरीके से स्तनपान कराने की विधियों पर जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रसव पूर्व जागरूकता, शिशु को स्तनपान कराने के प्रारंभिक घंटे, एवं कार्यशील माताओं के लिए स्तनपान विकल्प पर व्याख्यान दिए गए।

न्यूज बॉक्स

अयोध्यापुरी चुटिया में विशाल भंडारा का आयोजन

रांची। सावन के अंतिम सोमवारी के संध्या आरती के बाद मां भद्रकाली शिव मंदिर चुटिया में भंडारा का आयोजन किया गया। पूरी खीर का भंडारे में वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष विजेंद्र प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष गजेंद्र सिंह, सचिव अरविंद सिंह, सुमित पांडे विकेश कुमार टुनटुन राणा शशि भूषण उमेश कुमार सिंह, शैलेश अभिषेक उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिव भक्त भंडारा में सम्मिलित हुए।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से चान्हो में शोक की लहर

चान्हो। दिशोम गुरु व राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर सोमवार को चान्हो में शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में कांग्रेस के पीसीसी डेलीगेट दिलीप सिंह, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो इश्तियाक, ईरशाद खान, मो जावेद सहित अन्य लोगों ने उन्हें दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि "दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन झारखंड राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वह एक महान राजनेता थे। झारखंड अलग राज्य के लिए उनके संघर्ष और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से राज्य ने एक

सावन महोत्सव पर महिलाओं ने बांधा समा जमकर थिरकीं

रांची। बहु बाजार स्थित सफायर रेसीडेंसी अपार्टमेंट में सावन महोत्सव मिलन समारोह बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। सावन महोत्सव मे रंगारंग नृत्य संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने सावन के मनमोहक गीत गाए तथा गीतों पर जमकर ठुमके लगाते हुए डांस किया। सभी महिलाएं आकर्षक रंग-बिरंगे परिधान एवं साजो श्रृंगार एवं हाथों में मेहंदी रचाए हुए सावन मिलन में आई थी। सबों ने झूला झूलकर खूब मस्ती की। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के रोचक गेम्स खेलते हुए लजीज व्यंजनों का भी खूब आनंद लिया। इस अवसर पर-अध्यक्ष प्रियंका कुमारी, सचिव अनु कुमारी, सरिका ठाकुर,जूली शंकर,संतोषी मुरारका, किरण सिंह, उमा, नूतन, पुष्पा भगत, सोनी,नीतू दास, चंदा, रितु, लिली ठाकुर, ममता ठाकुर, अनुपमा, काजल, रेणुका, आशा, संगीता, सुमित्रा, वीणा, मीना के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

कोरियाई सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की हिन्दी भाषा की ट्रेनिंग शुरु

नवीन मेल संवाददाता

- उन्होंने कुलपति क्षिति भूषण दास को झारखंड को विश्व पटल पर रखने के लिए साधुवाद दिया और विश्वविद्यालय को जल के क्षेत्र में कार्य करने के लिए अनुरोध किया

रांची। सीयूजे में 8 दिवसीय भारतीय भाषा और कल्चर ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन सोमवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन जलयोद्धा पद्मश्री उमा शंकर पांडेय, पत्रकार हर्ष वर्धन त्रिपाठी, कोरिया के प्रो. यि यूंग ली एवं प्रो. कोह ते जिन और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास की मौजूदगी में हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल योद्धा पद्मश्री उमा शंकर पांडेय ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कोरियन इंजीनियरों की ट्रेनिंग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कुलपति क्षिति भूषण दास को झारखंड को विश्व पटल पर रखने के लिए साधुवाद दिया और विश्वविद्यालय को जल के क्षेत्र में कार्य करने के लिए अनुरोध किया। उन्होंने अपने विशेष उद्बोधन में जल के संरक्षण की बात रखी और मानव जीवन में उसकी अहमियत पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पत्रकार और विश्लेषक हर्ष वर्धन त्रिपाठी ने भी इस एक्सचेंज प्रोग्राम की सराहना की। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया के सैमसंग का झारखंड राज्य के केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ ये सांस्कृतिक संवाद असली भारत के साथ जोड़ता है और यह सचमुच में एक सराहनीय पहल है दो देशों के बीच भाषायीय और सांस्कृतिक संबंध जोड़ने का। उन्होंने अपने विशेष उद्बोधन में भारत को सही मायने में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में सबकी भूमिका पर अपना जोरदार विचार रखा जिसमें उन्होंने महान विभूतियों के जीवन से बातें लेकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच जुड़ाव के लिए इस तरह के कार्यक्रम की महत्ता को बताया। साथ ही दक्षिण कोरिया जैसे मित्र देश के साथ इस प्रगाढ़ता और दोनों देशों की संस्कृति और भाषा के आदान - प्रदान में सीयूजे की भूमिका के बारे में सभी अतिथियों को बताया। उन्होंने सीयूजे को अंतरराष्ट्रीय पटल पर ले जाने के अपने संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में हांकुक विश्वविद्यालय के प्रो. यि यूंग ली एवं प्रो. कोह ते जिन ने अपनी हिंदी भाषा के विस्तृत ज्ञान को सबके समक्ष रखा तथा धाराप्रवाह शुद्ध उच्चारण के साथ हिंदी में बोलकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्तिक उरांव फुटबॉल प्रतियोगिता 20 सिंतबर को

रांची। 20 सितंबर को हेहल स्पोर्टिंग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्तिक उरांव फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच ओटीसी मैदान में खेला जाएगा। राज्य की 16 बेहतरीन टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। विजेता को 2 लाख रुपए एवं उपविजेता को 1.5 लाख का पुरस्कार राशि दिया जाएगा। तीसरे और चौथे स्थान प्राप्त करनेवाली टीम को क्रमशः 25 एवं 20 हजार दिया जाएगा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच सह पुरस्कार वितरण समारोह 28 सितंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। हेहल स्पोर्टिंग की बैठक में लिए गए निर्णय लेने में क्लब के वरीय सदस्य डॉ प्रकाश, कैलाश सिंहदेव, नवेंदु भारती, रविन्द्र, पंकज , शक्ति, नागेंद्र सहित अन्य शामिल थे ।

हरिनारायण सिंह के निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने शोक संवेदना व्यक्त की

रांची। झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार, निर्भीक कलमकार और लोकप्रिय संपादक हरिनारायण सिंह के आकस्मिक निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है। वहीं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उनके निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हरिनारायण सिंह न केवल एक पत्रकार थे, बल्कि झारखंड आंदोलन के सशक्त स्वर भी थे। उन्होंने अपनी निर्भीक एवं सटीक लेखनी के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से उठाया। वे समाचारों को केवल प्रस्तुत नहीं करते थे, बल्कि उनके माध्यम से जनमानस को जागरूक करते थे। उनके लेखों ने कई बार नीतियों को दिशा देने का कार्य किया है। उनके पत्रकारिता में गहराई, सच्चाई और संवेदनशीलता का अद्वितीय समन्वय था। उन्होंने अनेक वर्षों तक पत्रकारिता के उच्च मानकों को कायम रखा और नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है, बल्कि झारखंड के सामाजिक और बौद्धिक जगत के लिए भी एक गहरा आघात है। उन्होंने जिन विषयों को अपनी कलम से उठाया, वे आज भी प्रासंगिक हैं। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में- वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, पवन पोद्दार, राजेंद्र केडिया, अनिल कुमार अग्रवाल, प्रमोद सारस्वत, सुरेश सोंथालिया, सुभाष पटवारी, सज्जन पाड़िया,निर्मल बुधिया, कमलेश संचेती आदि शामिल हैं।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष उपकरण जांच शिविर का होगा आयोजन

मुरी। सिल्ली प्रखण्ड मे निशुल्क सहायक उपकरण जांच एवं वितरण शिविर कार्यक्रम 12 अगस्त को आयोजित की गई है, जिसमे 3 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चे भाग लेंगे। शिविर मे जो बच्चे सुन नही पाते, श्रवण बाधित, जो बच्चे चल नही सकते, शारीरिक दिव्यांग, जिन बच्चों की बुद्धि कम है, बौध्दिक अक्षमता जो बच्चे बिल्कुल भी देख नही सकते, दृष्टिहीन हैं इस शिविर में आ सकते है। शिविर मे आने के लिए आधार कार्ड, यूडीआईडी ,दिव्यांग प्रमाण पत्र, मुखिया द्वारा बना आय प्रमाण पत्र लेकर आ सकते है साथ ही दिव्यांग बच्चों के साथ अभिभावक को भी आने के लिए अपील किया गया है।

बीआईटी मेसरा में प्रबंधन व छात्रों का किया गया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

- एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से बीआईटी मेसरा की आधारभूत संरचना, सुविधाएं और शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाया गया।

रांची। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने एमबीए, आईएमबीए और बीएचएमसीटी पाठ्यक्रमों में नवप्रवेशित 2025–26 बैच के छात्रों के लिए उदगम'25 नामक एक व्यापक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत, दीप प्रज्वलन और BIT प्रार्थना के वीडियो प्रस्तुतीकरण से हुई। डॉ. श्रध्दा शिवानी (डीन, एलुमनी एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध, और विभागाध्यक्ष) ने स्वागत भाषण में बीआईटी मेसरा की गौरवशाली विरासत, आज की दुनिया में प्रबंधन शिक्षा की प्रासंगिकता, और वैश्विक एलुमनी नेटवर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. एसएस सोलंकी (डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन) ने शैक्षणिक कठोरता और बौद्धिक प्रतिबद्धता की बात की। वहीं डॉ. भास्कर कर्ण (डीन, छात्र कल्याण) ने छात्रों को शैक्षणिक व व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात संकाय सदस्यों का परिचय कराया गया ताकि छात्र अपने मार्गदर्शकों से परिचित हो सकें। डॉ. एस. पी. डैश (सहायक प्राध्यापक) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के पीछे लगे समर्पित प्रयासों को सराहा। सुबह का सत्र राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। दोपहर के सत्र में संस्थान की व्यापक झलक प्रस्तुत की गई। एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से बीआईटी मेसरा की आधारभूत संरचना, सुविधाएं और शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाया गया। डॉ. आनंद प. सिन्हा ने संस्थान के मिशन व दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला जिसमें नवाचार, नैतिकता और नेतृत्व की भावना शामिल थी। डॉ. डी. के. चंद ने प्लेसमेंट सेल का परिचय दिया, जिसमें उद्योग भागीदारी, करियर विकास और प्लेसमेंट सहयोग की जानकारी दी गई। श्री अमरीक कुंडू ने शैक्षणिक ढांचे, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धति पर विस्तार से बताया। इसके बाद डॉ. एस. पी. डैश ने आंतरिक शिकायत समिति के बारे में बताया, जिससे संस्थान के समावेशी और सुरक्षित वातावरण की प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई।

पुत्रदा एकादशी सभी मनोवांछित फलों को प्रदान करने वाली है

रांची। दिव्यदेशम श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में श्रावण शुक्ल पक्ष की पुत्रदा एकादशी का व्रत मंगलवार को विधि - विधान के साथ मनाया जाएगा। सुबह 6:00 बजे भगवान का विश्वरूप दर्शन आदि के बाद तिरू -आराधना होगी । फिर नैवेद्य महाभोग , महाआरती , महास्तुति , तिरूप्पावै , पल्लाण्डु आदि के पश्चात पुष्प-अर्चना , कुंकुम - अर्चना कराकर आम श्रद्धालु भक्तों के लिये प्रातः 7:00 बजे मंदिर गोपुरम के फाटक को खोल दिया जायेगा । श्रद्धालु भक्त प्रातः 7:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं संध्या 4:00 बजे से 7:00 बजे तक दर्शन पूजा का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। पुराणों में सुना जाता है कि प्रायश्चित रूप पुण्य से पाप नष्ट होता है और पाप को नाश करने वाली और पुण्यों को बढ़ाने वाली एकादशी का व्रत ही सर्वोत्तम माना गया है। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में जो एकादशी होती है , वह पुत्रदा के नाम से विख्यात है। वह मनोवांछित फल प्रदान करने वाली है। इसीलिए विधिपूर्वक जागरण करके पुत्रदा एकादशी व्रत का अनुष्ठान करना चाहिये । भगवान श्रीमन्नारायण का दर्शन पूजा -अर्चना और प्रदक्षिणा अवश्य करना चाहिये।

देलबेड़ा शिव मंदिर में भंडारा का हुआ आयोजन

सिल्ली/मुरी। प्रखंड के देलबेड़ा शिव मंदिर में सोमवार को सावन भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारे में पुरुष,महिलाएं,बच्चों और बुजुर्गों ने भी भंडारा सेवा में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस आयोजन ने समाज में भाईचारे और सद्भावना का संदेश दिया। भंडारे में सभी धर्म,जाति और वर्ग के लोग एक साथ जुटे और भगवान शिव की आराधना में लीन रहे। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक था बल्कि यह गांव के हर व्यक्ति के लिए एक सामूहिक त्यौहार बन गया जिसमें सभी लोग मिलकर अपनी श्रद्धा व्यक्त किए। मौके पर कुमार ट्रेडर्स के संचालक उदित कुमार,सुमित महतो,अजय महतो,राहुल महतो एवं सूरज प्रसाद समेत सैकड़ो श्रद्धालु शामिल रहे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए पंजीकरण अभियान 15 अगस्त तक बढ़ाया

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से अब तक 4.05 करोड़ महिलाओं को मिला लाभ

रांची। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के लिए विशेष पंजीकरण अभियान की अवधि 15 अगस्त, 2025 तक बढ़ा दी है। आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में घर-घर जाकर जागरूकता एवं नामांकन अभियान का उद्देश्य सभी पात्र गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं तक पहुंचना और योजना के तहत उनका समय पर पंजीकरण सुनिश्चित करना है। पीएमएमवीवाई गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं (पीडब्लूएंडएलएम) के बीच पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है और बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है। पीएमएमवीवाई वेतन में कमी होने की स्थिति में आंशिक मुआवजे के रूप में नकद प्रोत्साहन प्रदान करती है ताकि माताएं पहले बच्चे के जन्म से पहले और बाद में आराम कर सकें। इस योजना की शुरुआत से लेकर 31 जुलाई, 2025 तक 4.05 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को उनके बैंक/डाकघर खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 19,028 करोड़ रूपये की राशि का मातृत्व लाभ (कम से कम एक किस्त) का भुगतान किया जा चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन शक्ति की उप-योजना 'सामर्थ्य' के अंतर्गत एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करती है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत, मिशन शक्ति योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, पहली संतान के लिए दो किस्तों में 5,000 रूपये और दूसरी बालिका के जन्म के बाद एक किस्त में 6,000 रूपये की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाना और देश भर में बेहतर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करना है।

श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति ने नए पदाधिकारियों को दी बधाई

रांची। श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के संयोजक गोपाल मुरारका के श्री श्याम मित्र मंडल रांची के अध्यक्ष, समिति के सहसंयोजक अशोक कुमार लाडिया मंडल के उपाध्यक्ष, समिति के सहसंयोजक मनोज कुमार खेतान मंडल के कोषाध्यक्ष एवं समिति के सदस्य रोहित कुमार अग्रवाल मंडल के प्रचार मंत्री, समिति के सदस्य राजेश कुमार ढांढनिया मंडल के कार्यकारिणी सदस्य चुने जाने पर श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने सबों को बधाई देते हुए कहा है कि श्री श्याम प्रभु की अनुपम कृपा से रांची की प्रमुख धार्मिक संस्था श्री श्याम मित्र मंडल के प्रमुख पदों पर सुशोभित होना बहुत से खुशी की बात है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि मंडल के नये अध्यक्ष श्री गोपाल मुरारका के नेतृत्व में श्री श्याम मित्र मंडल और अधिक ऊंचाइयों को छूएगा तथा श्री श्याम प्रभु की सेवा, सामाजिक कार्य और भक्तिमय आयोजनों में नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगी, तथा वे सामूहिक सहभागिता के साथ धार्मिक और सामाजिक समरसता को और अधिक मजबूत करेंगे। बधाई देने वालों में- हरिशंकर परशुरामपुरिया, ललित कुमार पोद्दार, रवि चौधरी, संजय परशुरामपुरिया, प्रवीण सिंघानिया, विष्णु चौधरी, हेमंत जोशी, आनंद चौधरी, प्रदीप अग्रवाल, प्रमोद परशुरामपुरिया, अमित शर्मा, संजय सर्राफ, नवीन डोकानियां, निकुंज पोद्दार, सूरज लोधा, सहित अन्य सदस्यगण शामिल है।

साथी, डॉन, आशा और जागृति योजना पर दिया गया जोर

निराश्रित बच्चों की सहायता करेगा डालसा : शिवानी सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में विधिक जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को माण्डर, बुढ़मू, खेलारी एवं चान्हो प्रखंड में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माण्डर प्रखंड में जागरूकता कार्यक्रम में एलएडीसी सहायक सुश्री शिवानी सिंह, सुमन ठाकुर, सोनी कुमारी, तालिब अंसारी एवं कालिन्दर गोप उपस्थित थे। आज आयोजित होनेवाली कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को साथी, जागृति, आशा एवं डॉन योजना से अवगत करना था। आज ही के दिन बुढ़मू, चान्हो, माण्डर एवं खेलारी में संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा किया गया। एलएडीसी अधिवक्ता शिवानी सिंह ने लोगों को साथी, डॉन, आशा और जागृति योजना के बारे में बतायीं। उन्होंने कहा कि माननीय नालसा द्वारा संचालित साथी अभियान के तहत निराश्रित बच्चों को मदद पहुंचाने में जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची प्रयासरत है। आपके ईद-गिर्द अगर कोई असहाय निराश्रित बच्चा दिखें तो अविलम्ब डालसा कार्यालय में सूचित करें ताकि उन्हें मदद पहुंचाया जा सके। शिवानी सिंह ने नालसा स्कीम 'डॉन' पर फोकस करते हुए कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को नशा के सेवन से दूर रखें, नशा से तन-मन-धन की हानि होती है तथा युवक अपराध की ओर बढ़ते है। पीएलवी सुमन ठाकुर एवं सोनी कुमारी ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या आदि में न्याय प्राप्त करने के बारे में जानकारी दी। नालसा 10 स्कीम यथा तृप्ती, चेतना, आत्मनिर्भरता, निरोगी भव, शक्ति, चेतना, मानवता, वात्सल्य सहयोग के बारे जानकारी दी। आगामी 13 सितम्बर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी गयी।

रजरप्पा मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के साथ पहुंचे सांसद

सेवा भाव से जरूरतमंदों की सेवा करना हमारी संस्कृति की पहचान है : चन्द्रप्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

● सांसद का रजरप्पा मंदिर धार्मिक न्यास समिति एवं रजरप्पा मंदिर परिसर सर्वांगीण विकास ट्रस्ट के द्वारा चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया

रामगढ़। पवित्र श्रावण माह की अंतिम सोमवारी के के शुभ अवसर पर सोमवार को माता छिन्नमस्तिके मंदिर रजरप्पा में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने माता छिन्नमस्तिके का दर्शन कर सभी के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली स्थापित रखने के लिए पूजा-अर्चना कर प्रार्थना की। इससे पूर्व सांसद श्री चौधरी ने विधिवत रूप से फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पद मंदिर में बड़ी संखता में पहुंचे श्रद्धालुओं एवं जलयात्रियों के बीच सांसद ने फल व प्रसाद का वितरण किया। उन्होंने कहा कि भक्ति भाव से भरी थाली और सेवा भाव से भरा मन यही हमारी संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि जो भी लोग जरूरतमंद हैं उसकी सेवा करें उससे बढ़कर कोई भी सेवा नहीं है।साथ ही उन्होंने कामना कि की भोलेनाथ सभी की मनोकामना पूर्ण करें। यहां पहुंचे सांसद का रजरप्पा मंदिर धार्मिक न्यास समिति एवं रजरप्पा मंदिर परिसर सर्वांगीण विकास ट्रस्ट के द्वारा चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया. मौके पर जगदीश महतो, मुखिया कुलदीप साव सहित पूजारी छोटू पण्डा, सुभाशीष पण्डा, लोकेश पण्डा, सुबोध पंडा, गुड्डू पंडा के अलावा गणेश महतो आदि मौजूद थे. इधर, रजरप्पा कोयलांचल सहित चितरपुर आसपास के क्षेत्रों में भोलेनाथ के जयकारे लगाकर गाजे बाजे के साथ निकाली यात्रा-निकाली गईं। जल यात्रा में हज़ारों महिला पुरुष नाचते गाते भोलेनाथ के जयकारे लगाते शामिल हुए। इसके उपरांत शिवभक्तों ने विभिन्न शिव मंदिरों- में पूजा अर्चना करके सुख समृद्धि की भगवान भोलेनाथ से कामना की।

सावन मिलन व फ्रेंडशिप डे का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। इनरव्हील क्लब रामगढ़ द्वारा 4 अगस्त को शहर के शिवम इन होटल में सावन मिलन एवं फ्रेंडशिप डे का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर सभी सदस्यों ने हरे परिधान पहन कर सावन के मौसम की छटा बिखेरी, जिससे वातावरण में हरियाली और उत्सव का रंग छा गया। कार्यक्रम की शुरुआत सावन के गीतों की मधुर प्रस्तुतियों से हुई। जिसके बाद सभी सदस्यों ने मिलकर गीतों पर नृत्य कर सावन का स्वागत किया। इस समारोह में कई प्रकार के खेल खेले गएऔर जीतने वालों को पुरस्कार दिया गया। क्लब के सदस्यों ने एक दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर मित्रता का संदेश दिया और आपसी स्नेह को मजबूत किया। इस मिलन समारोह में स्वादिष्ट नाश्ते का भी आनंद लिया गया जिससे माहौल और भी खुशनुमा हो गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी प्रेम, सौहार्द्र एवं उत्सव धर्मिता को बढ़ावा देना था। सावन की हरियाली और मित्रता की मिठास ने इस दिन को अविस्मरणीय बना दिया यह आयोजन न केवल मनोरंजन पूर्ण रहा बल्कि आपसी भाईचारे एवं सौहार्द का भी प्रतीक बन गया। इस मौके पर नमिता श्रॉफ,जेनिशा वडेरा,मेघा बगड़िया निधि चौधरी नीरू साहनी रेनू मेवाड़ शर्मिष्ठा दत्ता अनुराधा श्रॉफ दीपा वडेरा मनबीर कौर, रंजू अग्रवाल, पिंकी पोद्दार, पिंकी गांधी, विजयलक्ष्मी आयंगर, नीति अरोड़ा,रंजू अरोड़ा,बलविंदर कौर, जसविंदर कौर,मीणा वडेरा, हिना कोटेचा,चंद्रिका कोटेचा,श्वेता जैन आदि उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

अंतिम सोमवारी को लेकर कांवरियों के लिए सेवा शिविर का हुआ आयोजन

रामगढ़। सामाजिक संगठन "रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति द्वारा सावन माह की अंतिम सोमवारी पर 4 अगस्त को रामगढ़ समाहरणालय के समीप, राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर श्रद्धालु कांवरियों के लिए विशेष सेवा शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं की सेवा और उनकी यात्रा को सरल एवं सुखद बनाने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में फल, शरबत, ठंडा पानी, गुड़ और चना का निःशुल्क वितरण किया गया। हजारों श्रद्धालु कांवरियों ने सेवा शिविर का लाभ उठाया और समिति के इस पुनीत कार्य की सराहना की।समिति के केंद्रीय अध्यक्ष और सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने बताया कि सावन माह में बढ़ती भीड़ और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह सेवा शिविर लगाया गया था। उन्होंने कहा कि "समाज सेवा और धार्मिक आस्था का संगम ही समिति का मूल मंत्र है। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा कुमारी,सुरेंद्र राम,सिकंदर सोनी,पिंटू मालाकार, पवन कुमार,राम कुशवाहा,अजय राम,अमर कुमार बोदरा, रवि कुमार महतो,कैलाश महतो,चंदन सिंह,पीयूष सोनकर,शुभम गुप्ता का योगदान रहा।

छह वर्षीय बच्चे का शव कुंए से बरामद गांव में पसरा मातम

बरकट्ठा। गोरहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंडासिंगा से एक छह वर्षीय बच्चे का शव कुआं से बरामद हुई है। शव की शिनाख्त प्रेम राज 6 वर्ष, पिता बिरेंद्र साव ग्राम बंडासिंगा निवासी के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार, प्रेम राज दोपहर से लापता था। काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला तो इसकी सूचना गोरहर पुलिस को दी गई। पुलिस तुरंत पहुंच कर छानबीन शुरू की। वहीं आसपास के लोगों ने समीप वर्ती जंगल व अन्य स्थानों में खोजबीन किया।तत्पश्चात पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से रात्रि लगभग 10:30 बजे झग्गर की मदद से बच्चे का शव कुएं से निकाला गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मुखिया ललिता देवी, मुखिया प्रतिनिधि धीरेन्द्र पांडेय, पूर्व मुखिया गुड्डी देवी, समाजसेवी अर्जुन राणा, समाजसेवी किशोर साव, किशोर मोदी, राजेश पांडेय, रामनरेश पांडेय समेत कई ग्रामीणों ने शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया।

बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने गुरूजी के निधन पर शोक व्यक्त किया

रामगढ़। दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश सह मीडिया चेयरमेन व जिला प्रवक्ता, कांग्रेस ने झारखंड आंदोलन के महानायक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुरुजी के निधन का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। यह केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। शिबू सोरेन झारखंड की आत्मा, आत्मगौरव और अस्मिता के प्रतीक थे। उन्होंने पूरी जिंदगी झारखंड के शोषित, वंचित, आदिवासी और पिछड़े समाज के अधिकारों की लड़ाई में लगा दी। उनका हर एक कदम इस धरती के लोगों के लिए था। उन्होंने वह सपना देखा जो कभी असंभव लगता था एक पृथक झारखंड राज्य। और फिर उसे संघर्ष, जेल, त्याग और जनांदोलन के माध्यम से साकार किया। वे झारखंडी जनमानस की आवाज़ थे, जिन्होंने संसद से लेकर सड़कों तक आदिवासी समाज का मस्तक ऊँचा किया। उनकी सोच में न्याय, संघर्ष और समर्पण की त्रिवेणी बहती थी। उनका जाना झारखंड के हर उस नागरिक के लिए व्यक्तिगत क्षति है जिसने राज्य निर्माण की लड़ाई को कभी महसूस किया है। उनका जीवन दर्शन आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा।

रुद्राभिषेक अनुष्ठान में प्रदेश के कई विधायक और नेता हुए शामिल

रामगढ़। भाजपा नेता रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू के आवास पर सोमवार को पिछले वर्ष के भांति इस वर्ष भी रुद्राभिषेक और भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश के कई विधायक, नेता और श्रद्धालु शामिल हुए। भव्यता पूर्वक आयोजित इस अनुष्ठान में आचार्यों के मंत्रोच्चारण से माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। अनुष्ठान संपन्न होने के उपरांत प्रसाद वितरण एवं भंडारे की व्यवस्था की गई।इस अवसर पर आरएसएस प्रचारक डॉ सुमन कुमार,विनोद कुमार यादव, बरही विधायक मनोज यादव,खिजरी विधायक रामकुमार पाहन सहित भाजपा रामगढ़ जिला के सैकड़ों नेता एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थित हुए ।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर बरही अनुमंडल कार्यालय में शोक सभा आयोजित

बरही। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन के निधन पर बरही अनुमंडल कार्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोकसभा में अनुमंडल पदाधिकारी जोहान टुडू समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। शोकसभा में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर देशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर एसडीओ जोहान टुडू ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और सामाजिक न्याय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनके निधन से झारखंड को अपूरणीय क्षति हुई है।

लगातार हो रही बारिश से रास्ता हुआ कीचड़मय परेशानी बढ़ी

बरही । लगातार हो रहे वारिस के कारण गौरियाकरमा पंचायत के दलित बस्ती निचितपुर गांव के शिव मंदिर से मोती पासवान के घर तक करीब दो किमी का रास्ता पूरी तरह कीचड़ मय हो गया है. जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है. कीचड़ के कारण लोगो का आना जाना मुश्किल हो गया है. स्थानीय युवक नीतीश पासवान ने बताया कि यह मार्ग आज तक नहीं बना है. ग्रामीण लोग किसी तरह मिट्टी इत्यादि डालकर रास्ते को आवागमन के लायक बनाए थे. परंतु बीते कई दिनों से हो रहे वर्षा से रास्ता पूरी तरह कीचड़ मय हो गया है. मुहल्लेवालों का आना जाना दुर्लभ हो गया है. रास्ता निर्माण को लेकर मुहल्लेवालों ने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई है. पर अब तक कोई सार्थक पहल नही हुआ है. मुहल्ले वालों ने स्थानीय विधायक को ग्रामीणों के आवागमन की समस्या को देखते हुए तत्काल मरम्मती कर स्थाई समाधान की मांग किया है. मांग करनेवालों में धर्मपाली पासवान, दिनेश्वर यादव, प्रिंस सिंह, प्रकाश पासवान, भूलन पासवान, अभय पासवान, रोशन पासवान, अजय पासवान, रंजीत पासवान, विनोद पासवान, महेश पासवान, सूरज पासवान, संदीप पासवान, अरुण पासवान आदि शामिल हैं.

हरवे हथियार से हमला कर भाई को किया गंभीर आईसीयू में भर्ती

थाने में नौ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

● दीपक ने बताया कि जब उन्होंने अपने भाई को बचाने की कोशिश की तो हमलावरों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी

बरही। बीते रात्रि पड़ीरमा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां हरवे-हथियार से लैस लोगों ने जानलेवा हमला कर एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित दीपक यादव, पिता नान्ह महतो ने बरही थाना में नौ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना बीते शनिवार रात लगभग 9 बजे की है जब दीपक अपने बड़े भाई महेश यादव के साथ बरही बाईपास स्थित अपनी पार्ट्स की दुकान बंद कर वापस घर लौट रहे थे। दीपक यादव के अनुसार जब वे कोनरा तुरी टोला के पास पहुंचे, तभी पहले से घात लगाकर बैठे 10-12 हमलावरों ने अचानक उनकी कार को घेर लिया और शीशा तोड़कर महेश यादव को घसीटते हुए बाहर निकाला। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें 100 फीट दूर झाड़ियों में ले जाकर लोहे की रॉड, फरसा, चाकू और तलवार जैसे घातक हथियारों से ताबड़तोड़ हमला किया। इस हमले में महेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। दीपक ने बताया कि जब उन्होंने अपने भाई को बचाने की कोशिश की तो हमलावरों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी। कार को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया और उसमें रखे लगभग 5 लाख रुपये नकद और गले की चेन भी लूट ली गई। घायल महेश को ग्रामीणों की मदद से पहले बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, फिर हजारीबाग सदर अस्पताल और अंततः रांची स्थित मेडिका अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। दीपक यादव ने जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है, उनमें कैलाश यादव, विनोद यादव, मनोज यादव, अजय यादव (सभी पिता स्व. नुनु महतो, राजेश यादव, विकास यादव दोनों पिता वासुदेव यादव, अरविंद यादव, विवेक यादव पिता स्व. मुरती यादव, और दीपक यादव पिता इंद्रदेव यादव, निवासी पोडैया शामिल हैं। बरही थाना में कांड संख्या 287/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस संबंध में इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही बरही विधायक मनोज यादव रांची स्थित अस्पताल में जाकर घायल महेश यादव से मिले। वहीं, बरही अनुमंडलीय अस्पताल से घायल को अन्यत्र रेफर कराने में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंख को स्वस्थ रखने के लिए तेज प्रकाश से बचने की जरूरत : डॉ सुनील

रामगढ़। जिला प्रशासन के गाइडलाइन के तहत सोमवार को मांडू प्रखंड के छात्र-छात्राओं के आंख की जांच उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू में अजय कुमार के देखरेख में की गयी। जांच करते हुए अजय कुमार ने बताया कि जांच के उपरांत छात्र-छात्राओं को चश्मा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे मोबाइल और सोशल मीडिया पर अधिक ध्यान देते हैं जिससे आंखों में तेज रोशनी पड़ती है। उन्हें इस रोशनी से बचना चाहिए । जांच में सहयोग सपना कुमारी द्वारा किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉक्टर सुनील कुमार कश्यप उपस्थित रहे और नेत्र जांच प्रक्रिया की पूरी तरह से अच्छे जांच करने की सलाह देते हुए छात्र-छात्राओं को बताया कि खानपान फल फूल आदि समय-समय पर लेते रहें। अपने स्वास्थ्य पर छात्र-छात्राएं विशेष ध्यान दें, स्वच्छ पानी से को आंखों को साफ करें और पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शारदानंद शर्मा, गौतम कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सत्यजीत चौधरी बने हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक

रामगढ़। हिंदुत्व और सामाजिक क्षेत्र के लिए पिछले कई वर्षो से रामगढ़ जिले में कार्यरत सत्यजीत चौधरी को हिंदू जागरण का रामगढ़ जिला संयोजक नियुक्त किया गया है साथ हीं प्रांत के सह संयोजक के रूप में सेवा दे रहे विक्रम शर्मा को हिंदू जागरण झारखंड प्रदेश का संयोजक नियुक्त किया गया जिसकी घोषणा हिन्दू जागरण के राष्ट्रीय सह संगठक कमलेश सिंह ने किया। 2-3 अगस्त को रांची के वनवासी कल्याण केंद्र के सभागार में आयोजित हिंदू जागरण के दो दिवसीय प्रांत स्तरीय बैठक रविवार को संपन्न हुई जिसके अंतर्गत अन्य पदाधिकारियों संग विचार विमर्श के बाद संगठन को मजबूती देने हेतु कई अन्य नए चेहरे को दायित्व देकर संगठन में स्थान दिया गया।

बरही चौराहा का नामकरण दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक किया जाए : जावेद इस्लाम

बरही। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बरही अनुमंडल इकाई ने सोमवार को बरही मे शोक सभा आयोजित किया. दिवंगत आत्मा के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया व श्रद्धांजलि दी. शोक सभा की अध्यक्षता झारखण्ड आंदोलनकारी मोर्चा के बरही अनुमंडल संयोजक जावेद इस्लाम ने की. उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग किया कि शिबू सोरेन के झारखण्ड राज्य के निर्माण मे योगदान की स्मृति को स्थाई बनाने के लिए जीटी रोड व राँची पटना उच्च पथ पर स्थित प्रमुख बरही चौराहा का नामकरण दिशोंम गुरु शिबू सोरेन स्मृति चौक करने की मांग किया जाए. साथ ही शोक सभा के बाद बरही अनुमंडलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया जो झारखण्ड की मुख्यमंत्री को सम्बोधित है. ज्ञापन मे शिबू सोरेन के झारखण्ड राज्य के निर्माण मे योगदान की स्मृति को स्थाई बनाने के लिए जीटी रोड व राँची पटना उच्च पथ पर स्थित प्रमुख बरही चौराहा का नामकरण दिशोंम गुरु शिबू सोरेन स्मृति चौक करने की मांग की गई. इस झारखंडी जन भावना की अभिव्यक्ति बताया गया है.

कॉलेज में शोक सभा का आयोजन

गिद्दी। झारखंड इंटर कॉलेज होसिर में सोमवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड के पूर्व मुख्य मंत्री शिबू सोरेन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया। इसके बाद पूर्व मुख्य मंत्री शिबू सोरेन के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके निधन से झारखंड की अपुरणीय क्षति बताया।
शोक व्यक्त करने वालों में प्रभारी प्रभारी प्राचार्य एके वर्मा, सह प्रभारी प्राचार्य डॉ जगतपाल टुंडवार, शिक्षक प्रतिनिधि दीपचंद महतो, खेमनाथ महतो, महावीर स्वांसी, नरेश पाठक, वरुण कुमार, दानो महतो, कैलाश राणा, कुमार विनोद, कुमारी मुन्नी, पुष्पा कुमारी आदि शामिल थे।

ऊः नमः शिवाय, हर हर महादेव के भक्ति जयकारों से गूंजा भुरकुंडा कोयलांचल

अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

अंतिम सोमवारी पर बाबा भोलेनाथ का हुआ रुद्राभिषेक
प्राचीन शिव मंदिर सयाल में श्रावण माह की अंतिम सोमवारी के अवसर पर बाबा भोलेनाथ का विधिवत रुद्राभिषेक किया गया। यह अनुष्ठान आचार्य अविनाशी मिश्रा के सान्निध्य में पूर्ण श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र और पुष्प अर्पित कर शिवजी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। भक्तों ने इस आयोजन को शिव कृपा की प्राप्ति का उत्तम अवसर बताया और कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में आस्था और भक्ति की भावना मजबूत होती है।

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़ । भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल, पतरातु सयाल-उरीमारी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में श्रावण माह के अंतिम सोमवारी पर पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु महिला-पुरूषों की अपार भीड़ अहले सुबह से ही उमड़ी रही। इस दौरान श्रद्धालुओं ने दूध व जल से शिवलिंग का जलाभिषेक कर, फल-फूल, बेलपत्र व प्रसाद चढ़ाकर पूरे विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान ऊः नमः शिवाय, हर हर महादेव सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के समक्ष मत्था टेक अपने परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि, और हरियाली-खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इधर जवाहर नगर भुरकुंडा स्थित शिव मंदिर, सयाल मोड़ शीतला मंदिर, पटेलनगर शिव मंदिर, गायत्री मंदिर, हॉस्पीटल कॉलोनी स्थित शिव मंदिर, पतरातु, सयाल-उरीमारी स्थित शिव मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु सुबह से ही जुटे रहें। वहीं सावन माह के अंतिम सोमवारी पर भुरकुंडा, रिभर साईड, लपंगा, चैनगडा, सौंदा डी, हॉस्पीटल कॉलोनी, कुरसे, चिकोर, लादी, देवरिया, मतकमा, पाली, निमी, सुद्दी, बलकुदरा, बासल आदि क्षेत्रों के शिवालयों में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-शांति की कामना की। इधर तीन नंबर झोपड़ी स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में भी अंतिम सोमवारी पर विशेष पूजा का आयोजन किया गया।

जेएलकेएम ने श्रद्धालुओं के बीच किया शरबत और फल का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ जिला द्वारा 4 अगस्त को सावन माह की अंतिम सोमवारी पर रजरप्पा के हेसापोड़ा पंचायत के पार्टी पदाधिकारियों द्वारा जेएलकेएम के बैनर तले रजरप्पा मंदिर के पानी टंकी के सामने श्रद्धालुओं के के बीच पानी,चना, गुड़, शरबत तथा फल का वितरण किया गया। जिसमें पार्टी के हेसापोडा पंचायत के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हो पाया ।4 अगस्त को देवों के देव महादेव को समर्पित सावन की अंतिम सोमवारी थी। अंतिम सोमवारी को लेकर रामगढ़ जिला स्थित रजरप्पा मंदिर से लेकर रामगढ़ तक सभी शिवालयों को भव्य रूप से सजाया गया है। मान्यता है कि अंतिम सोमवार को व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस बार यह दिन ब्रह्म योग, इंद्र योग और सर्वार्थ सिद्धि योग जैसे दुर्लभ संयोगों के साथ और भी फलदाई बन गया है। श्रद्धालु पूरे दिन जलाभिषेक वह रुद्राभिषेक करते रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्रीय पदाधिकारी रवि महतो, तपन महतो के अलावा दर्जनों जेएलकेएम पदाधिकारी तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से विष्णु महतो, गुलशन महतो आदि ने योगदान दिया।

तिसरी में कार्डधारियों ने किया हंगामा डीलर पर लगाया मनमानी का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी प्रखंड अंतर्गत चंदौरी पंचायत के मोदीबीघा में संचालित शारदा महिला समिति जन वितरण प्रणाली की दुकान पर कार्डधारियों ने मनमानी करने का आरोप लगाया है. उनका आरोप है कि संबंधित डीलर ने 5-6 दिन पहले ही फिंगर स्कैन कर लिया लेकिन अब तक राशन नहीं दिया गया.सोमवार को दर्जनों कार्डधारी राशन लेने जब डीलर के यहां पहुंचे तो डीलर ने राशन देने से मना कर दिया. मौके पर कार्डधारियों द्वारा जमकर हंगामा और बवाल किए जाने पर राशन का वितरण शुरू किया गया. मौके पर कार्डधारी विमली देवी ने कहा कि आसपास के सभी डीलरों ने राशन का वितरण कर दिया है लेकिन यहां अभी तक राशन नहीं बांटा गया. वे लोग रोजाना आते हैं तो वापस लौट जाते हैं.यशोदा देवी का कहना है कि डीलर द्वारा उनका फिंगर स्कैन कर लिया गया है लेकिन राशन नहीं दिया गया. राशन वितरण करने को कहने पर टालमटोल किया जाता है, तो कभी मशीन खराब होने की बात कही जाती है. कुलदीप ठाकुर ने कहा कि उक्त डीलर ने बीते माह 12 तारीख को ही राशन उठा लिया है लेकिन अबतक वितरण नहीं किया गया. डीलर ने हम सभी का अंगूठा लेकर कार्ड अपने पास जमा कर लिया है. मौके पर यशोदा देवी, बेबी देवी, चंद्रिका रविदास, कौशिला मसोमात , शांति मसोमात, पोखनी देवी,दुर्गा देवी, लक्ष्मी देवी,मीणा देवी, सत्यनारायण साव,कुलदीप ठाकुर समेत कई कार्डधारी मौजूद थे. वहीं इस संबंध में शारदा महिला समिति की सदस्य शकुनवा देवी का कहना है कि राशन वितरण करने वाली मशीन खराब हो गई है, उसे बनाने के लिए दिया गया है. इसलिए राशन

संघर्षशील जुझारू और जमीनी नेता थे गुरुजी : डॉ रविंद्र कुमार राय

रांची। भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने स्व शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा भगवान गुरुजी की आत्मा को शांति प्रदान करें। कहा कि वे संघर्षों से उपजे हुए जमीनी और जुझार नेता थे । उन्होंने लोगों को चुनावों में भी सादा और शराब आदि व्यसनों से दूर जीवन जीने की कला बताते थे। कहा कि वे झारखंड का दर्द पालने वाले नेता नेता। अलग राज्य गठन के बाद वे सभी झारखंड वासियों के साथ मिलकर झारखंड के विकास की बात करते थे। राज्य गठन के बाद वे झारखंड को विवादों से हटकर विकास के रास्ते पर ले जाना चाहते थे।

दिशोम गुरु का निधन अपूरणीय क्षति है : डॉ तनुज

झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय सदस्य डॉ तनुज खत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी का जाना झारखंड, देश और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से संघर्ष, न्याय और अस्मिता के एक युग का अंत हो गया। उन्होंने हाशिए पर खड़े समुदायों को आवाज़ दी, उन्हें सम्मान और पहचान दिलाई। उनका जीवन त्याग, सिद्धांत और जनसेवा की अमिट मिसाल रहेगा।

न्यूज बॉक्स

दिशोम गुरु के निधन पर विधायक ने जताया शोक, कहा - स्तब्ध हूं

बरही । झारखंड आंदोलन के प्रणेता रहे दिशोम गुरु व पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव ने शोक जताया है. उन्होंने बताया कि दिशोम गुरु की निधन के खबर सुनकर वह स्तब्ध हैं. कुछ हीं दिन पूर्व उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने वह दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल गए थे. उनसे मिलकर कुशलक्षेम जाना था. वह स्वस्थ्य हो रहे थे. उनके सकुशल वापसी की पूरी उम्मीद थी. पर नियति को कुछ और मंजूर था. यह काफी मार्मिक घटना है. जो पूरे झारखंड के लिए दारुण है. उन्होंने कहा कि झारखंड की राजनीति में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है. उन्होंने हमेशा गरीबों और आदिवासियों के हक के लिए आवाज़ उठाई थी. आज झारखंड ने अपना एक अभिभावक खो दिया है. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करे.

संघर्ष और बलिदान के एक युग का अंत : प्रतुल शाह देव

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के असामयिक निधन को संघर्ष और बलिदान के एक युग का अंत बताया। प्रतुल ने कहा कि पूरा झारखंड आज शोक में डूबा है। गुरुजी ने अपने सामाजिक जीवन की शुरुवात महाजनी प्रथा और शराब के खिलाफ आंदोलन से की थी। एक गरीब परिवार का बेटा ने अपने संघर्ष के बदौलत अलग राज्य के आंदोलन में महती भूमिका निभाई और मुख्यमंत्री भी बनेगुरुजी आदिवासी अस्मिता के प्रतीक थे। उनका सादगी भरा जीवन अंत तक एक मिसाल रहा।प्रतुल ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां को गुरुजी के जीवन के संघर्ष से प्रेरित होकर अनुसरण करना चाहिए। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुत्रधर्म बहुत अच्छे से निभाया।

गुरुजी का जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव मार्ग दिखाता रहेगा : कमलेश सिंह

रांची। झारखंड के पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कमलेश सिंह ने कहा कि "दिशोम गुरु का जाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है। मुझे उनके साथ सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उनके नेतृत्व में मुझे जनसेवा का वास्तविक अर्थ समझने और झारखंड की जनता के लिए समर्पित भाव से काम करने की प्रेरणा मिली। उनका जीवन, त्याग और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव मार्ग दिखाता रहेगा।

झारखंड और झारखंडी इतिहास के एक अध्याय का अंत : संजय मेहता

रांची। आजसू पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता ने कहा की गुरु जी का जीवन हमें संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। हम जैसे युवा और नई पीढ़ी के नेतृत्वकर्ताओं को उनके जीवन यात्रा को और करीब से अध्ययन करने की जरूरत है। गुरु जी वास्तव झारखंड के पुरोधा थे । उनके जीवन संघर्ष की यात्रा ने हम सबको आंदोलन करने की प्रेरणा दी है। पूरा झारखंड उनके योगदान का ऋणी रहेगा। झारखंड में जब भी झारखंडी अस्मिता और आंदोलन का जिक्र होगा गुरु जी के नाम के बिना अधूरा रहेगा। हम सब मिलकर इनके आंदोलन और नए झारखंड की परिकल्पना को पूर्ण करेंगे। गुरु जी हम सबों के बीच एक विचार के तौर पर हमेशा ज़िंदा रहेंगे। आज झारखंड में एक संघर्षशील युग का अंत हो गया है।

शिबू सोरेन का निधन एक युग के अंत जैसा है : विनोद कुमार पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि झारखंड की आत्मा आज शोकाकुल है। दिशोम गुरु, हमारे पिता तुल्य पथप्रदर्शक, आदिवासी चेतना के प्रतीक शिबू सोरेन का निधन एक युग के अंत जैसा है। उन्होंने न केवल झामुमो की नींव रखी, बल्कि एक समतामूलक और स्वाभिमानी झारखंड की कल्पना को साकार किया। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तो यह केवल एक नेता का जाना नहीं, बल्कि हमारे संघर्ष की जीवित आत्मा का पृथ्वी से विलीन हो जाना है। वे हमारे लिए संगठनकर्ता, विचार पुरुष, मार्गदर्शक और अपनेपन का दूसरा नाम थे। उन्होंने हमें सिखाया कि राजनीति लोगों की सेवा का माध्यम है, और समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उनकी सादगी, सिद्धांतवाद और संघर्ष की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है।

धर्मेंद्र तिवारी ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची। जदयू नेता धर्मेंद्र तिवारी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि दी है। मौके पर उन्होंने कहा क झारखंड के सबसे कदावर नेता जिन्होंने जल, जंगल, जमीन और गरीब वंचित आदिवासी भाइयों सभी राज्य वासियों के लिए हमेशा संघर्ष किया। संघर्ष की देन है झारखंड राज्य। इनके निधन की भरपाई प्रदेश की राजनीति में नहीं हो पाएगी। सभी राजनीतिक दल दलगत भावना से ऊपर उठकर जनता कार्यकर्ता इस घड़ी में सभी दुखी हैं। प्रदेश की गलियां सड़के सब सुनी है सब कुछ ठहर सा गया। उनके द्वारा किए गए संघर्ष को सभी याद कर रहे हैं। बार-बार प्रणाम दिवंगत आत्मा को परमात्मा अपने चरणों में स्थान दें नमन ।

स्कूल में स्वच्छता अभियान चलाया गया

मुरी। सोमवार के दिन संत माईकल +2 स्कूल, मूरी में स्वच्छ विद्यालय स्वच्छ भारत (SVSB) के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में पूरे विद्यालय की सफाई की गयी जिसमें विद्यालय के बच्चें, शिक्षकगण,प्रधानाचार्य एवं निदेशक ने भी बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय में छात्र - छात्राओं ने टोलियों में बंटकर स्वेच्छा से कक्षाओं व विद्यालय मैदान में सफाई अभियान चलाया। कक्षाओं,खिडकियों, मैदान की घास व कूड़ा साफ किया।बच्चों ने पुस्तकालय,कम्प्यूटर लैब, प्रयोगशाला की भी सफाई की। इस मौके पर गंदगी को कूड़ेदान में डालने की शपथ ली। इस अभियान के तहत विद्यालय के सभी विद्यार्थीयों एंव शिक्षकगण ने यह शपथ लिया कि वे बस आज के दिन ही नही बल्कि हमेशा अपने विद्यालय एंव घरो के आस- पास भी साफ सफाई पर विशेष ध्यान देंगें। विद्यालय के निदेशक राकेश कुमार ने शिक्षको एवम् बच्चों का स्वच्छता के प्रति सकारात्मक प्रयास की सराहाना किए तथा कहा कि स्वच्छता का यह अभियान यही तक न रुके बल्कि दिनों दिन हर मोहल्ला,हर समाज एवं हर क्षेत्र में चलते रहे।अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सी. एल. प्रजापति ने विस्तार से बच्चों को साफ-सफाई के फायदों के बारे में बताया गया।

झारखंड की राजनीति में एक युग का अंत : डॉ प्रणव कुमार बब्बू

रांची । वरिष्ठ भाजपा नेता और सामाजिक वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जनमंच के संयोजक डॉ। प्रणव कुमार बब्बू ने कहा है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य और ढिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन का निधन झारखंड में राजनीति के एक युग का अंत है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु के योगदान को झारखंड औ यहाँ के लोग हमेशा याद रखेंगे। डा. बब्बू ने प्रार्थना की कि भगवान श्री सोरेन को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही उनके प्रशंसकों एवं समर्थकों को इस गहरी पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शिबू सोरेन के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए डॉ. बब्बू ने कहा कि विशेष रूप से महाजनी प्रथा के विरुद्ध उनके संघर्ष और गरीबों एवं शोषित लोगों विशेषकर आदिवासियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मसम्मान की भावना जगाने के प्रति शिबू सोरेन द्वारा किये गये योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। डॉ. बब्बू ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सभी मिलकर उनके सपनों, आकांक्षाओं एवं आदर्शों के अनुरूप झारखंड का निर्माण करें जहां अंतिम पंक्ति में खड़े रहें।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति : राजेन्द्र

रांची। झारखंड आंदोलनकारी व पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड आंदोलनकारी सह मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद व आन्दोलनकारी क्षितीश कुमार राय ने गहरी शोक प्रकट किया है। राजेन्द्र ने कहा कि झारखण्ड ने आज एक मुर्धन नेता खो दिया। कहा कि ईश्वर से प्रार्थना करते हैं दिवंगत आत्मा को ईश्वर शान्ति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें। प्रसाद ने कहा कि दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन मृदुभाषी और मिलन सार इंसान थे। दलीय राजनीति से उपर उठकर गुरु जी हमेशा सभी का सुनते थे। प्रसाद ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन को नई धार दिया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रदेश कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी झारखंड के पुरोधा, आदिवासी समाज की आवाज और झारखंड आंदोलन के जननायक ढिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है। उनका देहांत न केवल राजनीतिक क्षति है, बल्कि झारखंड की आत्मा का एक अहम स्तंभ हमारे बीच से चला गया। प्रदेश प्रभारी के। राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अपने संयुक्त शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन का जीवन सामाजिक न्याय, संघर्ष और आत्मसम्मान की एक जीवित मिसाल रहा है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, शोषण, आदिवासी अधिकार, और स्थानीय स्वशासन के लिए दशकों तक अथक संघर्ष किया। झारखंड आंदोलन के दौरान जब राज्य की अस्मिता खतरे में थी, तब शिबू सोरेन ने 'झारखंड मुक्ति मोर्चा' के बैनर तले जन आंदोलन को दिशा दी। उनके नेतृत्व में गरीब, वंचित, आदिवासी, दलित और किसान समुदाय को एक नई पहचान और संघर्ष का रास्ता मिला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन एक आंदोलन है—संघर्ष से सत्ता तक, और फिर भी ज़मीन से जुड़े रहना—यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है। प्रभारी के। राजू ने उन्हें "झारखंड की आत्मा" बताते हुए कहा कि उनका जाना झारखंड राज्य की क्षति है, लेकिन उनके विचार और सिद्धांत हमें सदा प्रेरित करते रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करती है।

एक युग का अवसान : सुदेश महतो

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने गुरुजी के निधन पर कहा है कि एक युग का अवसान हो गया। जयपाल सिंह के बाद बिखर चुके झारखंड आंदोलन को गुरुजी ने एकजुट किया और नई दिशा दी। उन्होंने आदिवासी समाज के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई को जिस संकल्प और संघर्ष के साथ लड़ा, हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। श्री महतो ने कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से गुरुजी को नज़दीक से देखा और जाना है। उनसे संवाद करना और आंदोलन के प्रत्येक मोड़ पर उनके अनुभवों से सीखना मेरे राजनीतिक जीवन की अमूल्य धरोहर है। उनका जाना झारखंड के एक युग का अंत है।

गिरिडीह समाहरणालय में शोक सभा का आयोजन

शिबू सोरेन को दो मिनट का मौन रखकर दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद, आदिवासी समाज की मज़बूत आवाज़ दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर आज गिरिडीह समाहरणालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने शो कसभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त ने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, आदिवासी समाज के अधिकारों एवं सम्मान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आदिवासी समाज के हक़ और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा। उनका निधन संपूर्ण राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

दिशोम गुरु का जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति : डॉ लंबोदर महतो

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुरुजी झारखंड आंदोलन के जनक के रूप में झारखंडी कला संस्कृति को अक्षुण रखने, महाजनी प्रथा के खिलाफ बिगुल फूकने वाले, जनजातीय समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने और शिक्षित समाज का निर्माण करने व झारखंडी अस्मिता की रक्षा करने के लिए सदैव याद किए जाते रहेंगे।

अंतिम सोमवारी को घघारी बाबा धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

टांगरकेला बाजार टांड़ से निकाली गई जलाभिषेक यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। प्रखंड के गलगली बाबा धाम, घघारी बाबा धाम, बाबा वनखंडी धाम, टांगरकेला सहित विभिन्न गांवों के शिवालयों सावन की अंतिम सोमवारी को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। घघारी बाबा धाम में घघारी बाबा धाम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजकमल गोप, सचिव संजय महतो तथा कोषाध्यक्ष सेवक सिंह की देखरेख में हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और भगवान भोलेनाथ से लोगों की खुशहाली की कामना की। वहीं बाबा वनखंडी धाम एवं कातिंगकेला के गलगली बाबा धाम में भव्य जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं टांगरकेला गांव में जलाभिषेक यात्रा का आयोजन किया गया। सभी ग्रामीण बाजार टांड़ से भगवा झंडा दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी चरकु साहु, अनमोल बडाईक, श्यामा प्रसाद सिंह, संदीप साहू संजय साहु, फलिन्द्र हजाम, चमरा साहु, रमेश कुमार साहु, हलकु महतो, कैलाश साहु, लालमोहन साहु, बिरेंद्र साहु, विकास साहु, रामचन्द्र साहु, किश्वर साहू आदि सभी अतिथि को भगवा गमछा और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

शिबू सोरेन के निधन पर डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने शोक व्यक्त किया

रांची। भारतीय जनता पार्टी झारखंड के प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। डॉ. वर्मा ने अपने शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन जी का संपूर्ण जीवन झारखंड के आदिवासी समाज, गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित रहा। उन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण के आंदोलन में जो ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उसे युगों-युगों तक याद किया जाएगा। उन्होंने राजनीतिक जीवन में संघर्ष, नेतृत्व और जनसेवा की एक मिसाल कायम की। डॉ. वर्मा ने कहा कि शिबू सोरेन जी का निधन झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत है। उनके विचार, योगदान और संघर्षों को हमेशा स्मरण किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी शोक की इस घड़ी में सोरेन परिवार एवं उनके शुभचिंतकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है। ईश्वर पुण्यात्मा को चिरशांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति दें।

जनता के प्रति अटूट समर्पण रखने वाले नेता थे शिबू सोरेन :जोबा माझी

नवीन मेल संवाददाता

चक्रधरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड अलग राज्य की लंबी लड़ाई लड़ने वाले आंदोलनकारी नेता शिबू सोरेन के निधन पर सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सांसद ने अपने शोक संदेश में कहा कि झारखण्ड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन जी के निधन से झारखण्ड में मानों एक युग का अंत हो गया। आज हमने गुरुजी के रूप में एक ज़मीनी नेता जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ और आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाले मार्गदर्शक को खो दिया। उनके निधन से मुझे अत्यन्त दुःख हुआ है । मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनुयायियों के साथ हैं। मालूम हो कि शिबू सोरेन के मुख्यमंत्रित्व काल में जोबा माझी मंत्री रही है। वहीं 2014 में जोबा माझी को शिबू सोरेन ने अपने मोरहाबादी आवास में झामुमो की सदस्यता दिलायी थी। शिबू सोरेन कई बार देवेंद्र माझी के श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने गोइलकेरा आये थे।

इसके अलावा वह गोइलकेरा के सेरेंगदा भी कई बार शहीदों को श्रद्धांजलि देने आते रहे है। 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव में शिबू सोरेन ने पार्टी प्रत्याशी जोबा माझी के पक्ष में सेरेंगदा और लोढ़ाई में चुनावी सभा को भी संबोधित किया था।

शिबू सोरेन के संघर्ष की बदौलत अलग राज्य का सपना पूरा हुआ : जगत माझी

चक्रधरपुर : पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन को मनोहरपुर से झामुमो विधायक जगत माझी ने झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। विधायक जगत माझी ने अपनी संवदेना प्रकट करते हुए कहा शिबू सोरेन ने झारखंड अलग राज्य और अन्याय के खिलाफ लंबा संघर्ष किया था। उनके संघर्ष के कारण ही अलग राज्य का सपना पूरा हो सका। कहा कि शिबू सोरेन हमेशा समाज की उन्नति और बेहतरी की सोच रखते थे। उनके योगदान को झारखंड कभी नहीं भूल पाएगा। उन्होंने कहा 2024 के विधानसभा चुनाव के लिए पहली बार दावेदारी पेश करने के दौरान उनसे मिला था, तभी उन्होंने जीत का आशीर्वाद दिया था। कहा हर झारखंडी पर हमेशा बाबा का आशीर्वाद बना रहे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन बेहद दुखद : डॉ. सूरज मंडल

रांची। पूर्व सांसद डॉ. सूरज मंडल ने कहा है कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन झारखंड की वैसी राजनीतिक क्षति है जिसकी भरपायी न केवल बहुत अधिक मुश्किल है बल्कि उनके रिक्त स्थान को भरना असंभव है। झारखंड की राजनीति में एक युग का अंत हो गया है और इस युग को कभी भी बुलाया नहीं जा सकता क्योंकि इसी दौरान न केवल झारखंड में शोषण और उत्पीड़न के विरुद्ध आम लोगों के संघर्ष को एक सशक्त आवाज मिली बल्कि इसी दौरान नये प्रदेश से झारखंड का भी गठन हुआ। डॉ. मंडल ने कहा कि यह बहुत अफसोस की बात है कि आज झारखंड गठन के 25 साल पूरे हो गये लेकिन झारखंड गठन का वह स्वरूप अबतक इस प्रदेश को प्राप्त नहीं हुआ है।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अगर मैं एक दरवाज़े से नहीं निकल पाया, तो मैं दूसरे दरवाज़े से निकल जाऊंगा या फिर एक दरवाज़ा बना लूंगा। चाहे वर्तमान कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, कुछ शानदार ज़रूर होगा। - **रवींद्रनाथ टैगोर जी**

संपादकीय

झारखंड के लिए कठिन राह चुनने वाले गुरुजी

बचपन में पिता सोबरन सोरेन की हत्या सूदखोर महाजनों शोषकों के हाथों देखने के बाद बालक शिबू के सामने दो ही रास्ते थे पहला जैसा पहले से चल रहा चलने दिया जाए या दूसरा उसके विरुद्ध खाद हुआ जाए। उन्होंने दूसरा कठिन रास्ता ही चुना और आदिवासी मूलवासियों के गुरूजी बने। बिहार के शोषण से मुक्ति और ओडिशा और बंगाल के झारखंड से लगे कुछ भूभाग को मिलाकर वृहद् झारखंड बनाना चाहते थे। बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य बनने की लंबी लड़ाई के नायक और झारखंड आंदोलन के प्रतीक पुरुष शिबू सोरेन 'गुरु जी' के निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर है। उन्हें जानने वाले लोग आज उनके जीवन, संघर्ष और झारखंड आंदोलन में उनके योगदान को याद कर भावुक हो रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि गुरु जी झारखंड के आदिवासियों के दिल में बसते थे। उन्होंने जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष किया, वे आज भी झारखंड के विकास से सीधे जुड़े हैं। भाजपा ने इस क्षेत्र को 'वनांचल' कहा और आंदोलन चलाया क्योंकि यहां घने जंगल, आदिवासी बहुल जनसंख्या और अपार खनिज संपदा है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, उद्योग जैसे बुनियादी ढांचों की भारी कमी थी। बाहरी लोग संसाधनों का दोहन कर रहे थे और स्थानीय लोग उपेक्षित थे। इसी शोषण के खिलाफ अलग राज्य की मांग ने जोर पकड़ा और 1970-80 के दशक में इसे एक व्यापक जनांदोलन का स्वरूप मिला। आंदोलन के प्रमुख चेहरे शिबू सोरेन बने, जिन्हें प्यार से 'दिशोम गुरु' कहा गया। उन्होंने 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की और आदिवासी अधिकारों के लिए निर्णायक लड़ाई शुरू की। गुरु जी ने कोयला खदानों में बंधुआ मजदूरी और महजनी प्रथा खत्म कराने के लिए व्यापक आंदोलन किया। श्रमिकों को उनका हक दिलाने के लिए संघर्ष किया और झारखंड की आवाज दिल्ली तक पहुंचाई। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदृष्टि और संघर्ष ने झारखंड आंदोलन को राष्ट्रीय पहचान दिलाई, जिसका परिणाम 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य के गठन के रूप में सामने आया। झामुमो विधायक मथुरा महतो, पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम और कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी का कहना है कि अलग राज्य बनने के बाद झारखंड को कई अहम फायदे हुए। राज्य को अपनी खनिज संपदा पर सीधा अधिकार मिला। कोयला, लोहा, बॉक्साइट और यूरेनियम जैसे खनिजों से मिलने वाली रॉयल्टी अब राज्य सरकार को मिलने लगी, जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा। उनके अनुसार, प्रशासनिक स्तर पर भी झारखंड को स्वतंत्रता मिली। अब राज्य अपनी योजनाएं, बजट और नीतियां स्वयं तय कर सकता है। सड़क, पुल, बिजली परियोजनाएं और शिक्षण संस्थानों की स्थापना में तेजी आई। साथ ही, आदिवासी संस्कृति, भाषाओं और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए विशेष योजनाएं बनीं। खनन, उद्योग और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी गई। झामुमो नेताओं के अनुसार, जब नए राज्य का नाम तय किया जा रहा था, तब केंद्र सरकार की ओर से इसे 'वनांचल' नाम देने का प्रस्ताव था। लेकिन शिबू सोरेन इस नाम के सख्त खिलाफ थे। उनका स्पष्ट कहना था कि यह क्षेत्र सिर्फ जंगल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से समृद्ध है। इसलिए इसका नाम 'झारखंड' ही होना चाहिए। अंततः उनकी दृढ़ता के आगे सभी को झुकना पड़ा और राज्य का नाम झारखंड रखा गया।

झारखंड राज्य बनने की लंबी लड़ाई के नायक और झारखंड आंदोलन के प्रतीक पुरुष 'गुरु जी' के निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है।

पीएम-किसान : किसानों के सशक्तिकरण के रूपांतरण का भारत का वैश्विक खाका

समावेशी विकास और ग्रामीण समृद्धि के सफर में, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, भारत सरकार की एक अग्रणी पहल के रूप में उभर कर सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई, इस पहल ने लाखों छोटे एवं सीमांत किसानों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है और पूरी तरह से डिजिटल, कुशल एवं पारदर्शी प्रणाली के जरिए प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करने के एक वैश्विक मॉडल के रूप में खुद को स्थापित किया है।

प्रत्यक्ष समर्थन के जरिए किसानों का सशक्तिकरण

मूल रूप से, पीएम-किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता प्रदान करती है। यह सहायता राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के जरिए 2,000 रुपये की तीन बराबर किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाती है। इस सुव्यवस्थित एवं तकनीक-संचालित कदम से बिचौलियों की भूमिका, लाभ मिलने में होने वाली देरी और त्रुटि की गुंजाइश खत्म होती है और एक-एक पाई इच्छित लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित होता है। इस योजना की शुरुआत से लेकर अब-तक, कुल 3.69 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को हस्तांतरित की जा चुकी है। इस प्रकार, पीएम-किसान दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल रूप से क्रियान्वित नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों में से एक बन गया है। आंकड़ों से परे, यह कदम सब्सिडी से हटकर सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ने संबंधी एक बदलाव का प्रतीक है। बात चाहे बीज की हो या उपकरण या शिक्षा या फिर स्वास्थ्य की, इस योजना से किसानों को यह तय करने की आजादी मिलती है कि वे इस सहायता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कैसे करें।

भारत के छोटे किसानों के हित में एक परिवर्तनकारी कदम

दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले भारत के 85 प्रतिशत से अधिक किसानों के लिए ये लाभ बुवाई या कटाई के मौसम में एक अहम आर्थिक सेतु का काम करते हैं। ये लाभ अल्पकालिक नकदी प्रवाह के तनाव को कम करते हैं, अनौपचारिक ऋण पर निर्भरता में कमी लाते हैं और संकट के समय एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर, पीएम-किसान योजना समावेशिता, सम्मान और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक भागीदार के रूप में किसान की मान्यता का प्रतीक है।

डिजिटल शासन की श्रेष्ठता

पीएम-किसान की सफलता का श्रेय भारत के मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे को जाता है। जेएएम की तिकड़ी - जन धन बैंक खाते, आधार बायोमेट्रिक पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी - ने बड़े पैमाने पर लाभ के निर्बाध वितरण को संभव बनाया है। स्व-पंजीकरण से लेकर भूमि स्वामित्व के सत्यापन और डीबीटी द्वारा समर्थ भुगतान तक, इस पूरी योजना का जीवनचक्र डिजिटल है।

राज्य सरकारों के सहयोग से, पीएम-किसान डिजिटल रूप से समन्वित तथा एक छोर से दूसरे छोर तक आसानी से पहुंचने वाले शासन के एक बेहतरीन मॉडल के रूप में कार्य करता है। इसने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों, लाभार्थियों के डेटाबेस और भुगतान प्रणालियों को सफलतापूर्वक समन्वित किया है और इससे दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में किसान-केन्द्रित एक उत्तम संरचना का निर्माण हुआ है।

पीएम किसान ने कृषि से जुड़े इकोसिस्टम में किसान ई-मित्र वॉयस-आधारित चैटबॉट और एग्री स्टैक जैसी नवीन परियोजनाओं को भी प्रेरित किया है। एग्रीस्टैक व्यक्तिगत, समय पर और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिससे भारतीय कृषि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सके।

वैश्विक मानकों की स्थापना

दुनिया भर में, प्रत्यक्ष लाभ कार्यक्रमों को गरीबी उन्मूलन के कारगर साधनों के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। फिर भी, पीएम-किसान की कुछ अनूठी विशेषताएं हैं-इसका विशाल आकार, गति और डिजिटल विश्वसनीयता इसे बिखरी हुई कृषि सहायता प्रणालियों में सुधार के लिए प्रयासरत देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाती है। आईएफपीआरआई, एफएओ, आईसीएआर और आईसीआरआईएसएटी जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने छोटे किसानों की आय बढ़ाने, ऋण की सुलभता में सुधार, असमानता को कम करने और आधुनिक कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में पीएम किसान की भूमिका पर प्रकाश डाला है। कई देशों में जारी सशर्त हस्तांतरण के उलट, इसका विश्वास-आधारित व बिना शर्त वाला दृष्टिकोण, सहभागी एवं सम्मान-आधारित कल्याणकारी वितरण की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

ग्रामीण विकास को गति देना

पीएम-किसान का सकारात्मक प्रभाव केवल व्यक्तिगत लाभार्थियों तक ही सीमित नहीं है। इसके तहत होने वाले अनुमानित नकदी प्रवाह ने ग्रामीण बाजारों को पुनर्जीवित किया है, कृषि-उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित किया है और घरेलू उपभोग के पैटर्न को मजबूत किया है। इसने महिलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर उन मामलों में जहां बैंक खाते संयुक्त रूप से खोले जाते हैं। इसके अलावा, यह एक समग्र और परस्पर संबद्ध ग्रामीण विकास इकोसिस्टम का निर्माण करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम फसल बीमा योजना और ई-नाम जैसी अन्य प्रमुख योजनाओं का पूरक है। किसानों के लिए एक पेंशन योजना, पीएम-किसान मानधन योजना के साथ इसका एकीकरण, भारत के कृषि कार्यबल के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

सुनहरे भविष्य का एक दृष्टिकोण : दृढ़ता समानता और स्थिरता

पीएम-किसान एक वित्तीय सहायता तंत्र से कहीं बढ़कर है। यह भारत सरकार के किसानों के नेतृत्व वाले विकास का एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। अधिकार से सशक्तिकरण की ओर, सहायता से स्वायत्तता की ओर स्थानांतरित होकर, यह राज्य और किसान के बीच अनुबंध को नए सिरे से परिभाषित करता है। भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में पीएम-किसान जैसी पहल समावेशी प्रगति की नींव रखती है। उन्नत तकनीकों के निरंतर एकीकरण और जलवायु परिवर्तन के प्रति दृढ़ता, स्थिरता और सटीक कृषि पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यह योजना बदलाव की दिशा में एक बेहद शक्तिशाली कदम के रूप में विकसित होने के लिए तैयार है। पीएम-किसान विश्वास, तकनीक और परिवर्तन की कहानी है। यह दुनिया के लिए भारत का योगदान है। यह योजना एक जीवंत उदाहरण है कि कैसे एक दूरदर्शी नीति, डिजिटल नवाचार और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर, लाखों लोगों को सशक्त बना सकती है और 21वीं सदी के शासन को नए सिरे से परिभाषित कर सकती है।

आज की बात

प्रमोद मेहरदा
अतिरिक्त सचिव
भारत सरकार

अरिंदम मोदक
सलाहकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

सबसे अनसुनी यात्रा-अपने भीतर लौटने की राह

दुनिया ने कई यात्राएँ देखी हैं। किसी ने रेगिस्तानों को पार किया, किसी ने सागर की लहरों से जूझते हुए नए महाद्वीप खोज निकाले, तो किसी ने अंतरिक्ष की ओर छलाँग लगाकर ग्रह-नक्षत्रों को छू लिया। सभ्यता ने हर दिशा में अपने पाँव पसारे हैं-ज़मीन पर, पानी में, आसमान में। लेकिन इन सबमें एक यात्रा ऐसी है, जो सबसे मौन है, सबसे कठिन है और सबसे अनसुनी है-अपने भीतर लौटने की राह। यह यात्रा बाहर की यात्राओं जैसी नहीं है, जहाँ नक्शे, गाइड या मंज़िल का पता हो। यहाँ तो पहला कदम यही है कि हर नक्शा फाड़ देना पड़ता है। क्योंकि बाहर का कोई रास्ता भीतर नहीं ले जा सकता। अपने भीतर लौटना वैसा है, जैसे पुराने, धूल जमे आईने को धीरे-धीरे साफ़ करना। बरसों की मान्यताएँ, रिश्तों की अपेक्षाएँ, समाज की परतें-सब उस आईने पर जमती रही हैं। लेकिन उन परतों के नीचे एक असली 'मैं' है, जो अब भी चुपचाप इंतज़ार कर रहा है। सोचिए, सागर की गहराई को मापना कठिन है, पर संभव है। लेकिन जब आप अपने भीतर उतरते हैं, यह यात्रा एक अंतहीन कुएँ जैसी हो जाती है। हर तल के नीचे एक और तल निकल आता है। हर सवाल के नीचे एक और सवाल। हर खोज के नीचे एक और खोज। अपने भीतर लौटने की यह राह सबसे बड़ी इसलिए है क्योंकि यहाँ कोई ताज नहीं पहनना, कोई विजय पताका नहीं फहराना। यहाँ असली जीत यही है कि आप अंततः अपने ही भीतर लौट आए। सत्य यह है कि हम जीवन भर बाहर तलाश में दौड़ते रहते हैं- खुशी, ईश्वर, शांति की तलाश में। हमें लगता है कि यह सब कहीं बाहर है- किसी और जगह, किसी और व्यक्ति, किसी और समय में। लेकिन जब भीतर की राह पकड़ते हैं, परतें उतरती हैं, तो अचानक एक दिन यह अहसास होता है- "जिसे बाहर खोज रहा था, वह तो हमेशा मेरे भीतर था।" जैसे कोई आदमी घर-भर चाबी ढूँढे और अंत में पता चले कि चाबी तो उसकी जेब में ही थी। यही इस यात्रा का ध्यानसूत्र है-ईश्वर, सत्य, शांति या आनंद कहीं बाहर नहीं हैं; वे हमारे भीतर की गहराई में ही सुप्त हैं। जो इस राह को समझ लेता है, उसकी बाहरी यात्राएँ भी अर्थ बदल देती हैं। उसके लिए एवरेस्ट पर चढ़ना, सागर पार करना, या चाँद पर जाना केवल खेल-सा हो जाता है। संदेश सरल है- पहले भीतर की यात्रा करो। क्योंकि जिसने स्वयं को पा लिया, उसके लिए दुनिया का हर शिखर पहले ही छोटा हो चुका होता है। आख़िरकार यही सच है- सबसे अनसुनी यात्रा कहीं जाने की नहीं, बल्कि अपने भीतर लौट आने की है। **(लेखक आदर्श महाविद्यालय, राजधनवार के विद्यार्थी हैं)**

आपकी **बात**

बोधार्थी रौनक
गिरिडीह, झारखंड

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जाना एक युग का अंत

झारखंड की मिट्टी का वह सपूत, जिसने दलित आदिवासी मूलवासी समाज की आवाज को न केवल बुलंद किया, बल्कि उसे एक नई पहचान दी, दिशोम गुरु शिबू सोरेन अब हमारे बीच नहीं हैं। शिबू सोरेन का जीवन केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे क्रांतिकारी की गाथा है, जिसने अपने लोगों के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। उनके पिता सोबरन मांझी, एक सामाजिक कार्यकर्ता थे, जिन्होंने आदिवासियों के शोषण के खिलाफ आवाज उठाई। 1957 में उनके पिता की हत्या ने 13 वर्षीय शिबू के जीवन को बदल दिया। कम लोग जानते हैं कि शिबू सोरेन ने अपनी युवावस्था में कविताएँ लिखी थीं। ये कविताएँ आदिवासी संस्कृति, प्रकृति, और शोषण के खिलाफ विद्रोह की भावना से भरी थीं। उनकी एक कविता की पंक्तियां थीं: "जंगल हमारा, जमीन हमारी, फिर क्यूं भटके हम बेगाने? हक छीन लो, उठो मेरे भाई, बनो अपने भाग्य के विधाता।" ये पंक्तियां बाद में धनकटनी आंदोलन का आधार बनीं, जिसमें आदिवासी युवाओं ने महाजनों के खेतों से जबरन धान काटकर अपनी जमीन और सम्मान की रक्षा की। इस आंदोलन के दौरान शिबू सोरेन ने गांव-गांव में "सांस्कृतिक जागरण सभाएं" आयोजित कीं, जहां आदिवासी लोकगीत, नृत्य, और कहानियों के माध्यम से युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ा गया। वे मानते थे कि बिना सांस्कृतिक जागरूकता के कोई भी आंदोलन अधूरा है। इन सभाओं में वे खुद ढोल-मांदर बजाते और आदिवासी गीत गाते थे, जिससे युवाओं में जोश और एकता की भावना जागृत होती थी। शिबू सोरेन ने झामुमो के शुरुआती दिनों में एक "पंचायत पत्रिका" शुरू की थी, जो स्थानीय भाषाओं में छपती थी। इस पत्रिका में आदिवासियों के अधिकार, शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर लेख प्रकाशित होते थे। यह पत्रिका गाँवों में मुफ्त बांटी जाती थी, ताकि साक्षरता और जागरूकता बढ़े। इस पहल को उन्होंने अपने निजी खर्च से चलाया, जो उनकी दूरदृष्टि को दर्शाता है।शिबू सोरेन की छवि एक कठोर और दृढ़ नेता की रही, लेकिन उनके करीबी जानते थे कि वे कितने संवेदनशील थे। वे रातों को गाँवों में घूमते, लोगों की समस्याएँ सुनते, और उनके साथ बैठकर चूल्हे पर बनी रोटी खाते। उनकी सादगी ऐसी थी कि केंद्रीय कोयला मंत्री रहते हुए भी वे सादा खाना और साधारण वस्त्र पसंद करते थे। शिबू सोरेन ने गुप्त रूप से कई आदिवासी बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाया। उनके एक सहयोगी ने बताया कि वे अक्सर गाँव के स्कूलों में जाकर शिक्षकों से मुलाकात करते और बच्चों को किताबें वितरित करते थे। वे कहते थे, "शिक्षा ही वह हथियार है, जो हमें शोषण से मुक्ति दिलाएगा।" शिबू सोरेन की पत्नी, रूपी सोरेन, उनकी सबसे बड़ी ताकत थीं। उन्होंने आंदोलनों में शिबू का साथ दिया, लेकिन हमेशा पर्दे के पीछे रहीं। उनके बच्चों, विशेष रूप से हेमंत सोरेन, को उन्होंने हमेशा सिखाया कि सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण जनसेवा है। उनके बड़े बेटे, दुर्गा सोरेन, की मृत्यु (2009) ने उन्हें गहरा आघात पहुँचाया, लेकिन उन्होंने इस दुख को सार्वजनिक रूप से कभी व्यक्त नहीं किया। उनके करीबी बताते हैं कि वे अक्सर रात में अकेले बैठकर अपने बेटे की तस्वीर देखते और चुपके से आँसू बहाते थे। यह उनकी निजी जिंदगी का वह पहलू था, जो जनता से हमेशा छिपा रहा।विवादों के दौरान शिबू सोरेन ने एक डायरी लिखी, जिसमें उन्होंने अपने विचार और दुख व्यक्त किए। इस डायरी में उन्होंने लिखा, "सच्चाई का रास्ता कठिन होता है, लेकिन वह हमेशा जीतता है।" यह डायरी उनके परिवार के पास सुरक्षित है और उनके निजी विचारों का एक अनमोल दस्तावेज है। शिबू सोरेन पर्यावरण संरक्षण के भी प्रबल समर्थक थे। उन्होंने अपने गाँव में सैकड़ों पेड़ लगवाए और आदिवासियों को जंगल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। वे कहते थे, "जंगल हमारी माँ है, इसे बचाना हमारा धर्म है।" उनकी यह सोच आज के पर्यावरण संकट के दौर में और भी प्रासंगिक है। झारखंड की मिट्टी और झारखंडी समाज आपको हमेशा याद रखेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग **बात**

विजय शंकर नायक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

चुप भी हो, अब बंद कर, शेखी वाली बात।
कट जायेगी कब बता, मजलूमों की रात।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

अब तो भारत की गलतफहमी दूर हो

डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की उम्मीदें चकनाचूर हो गईं हैं, ट्रंप ने अपने 'मित्र' भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान कर डाला है ।यही नहीं उन्होंने रूस से हथियार और तेल खरीदने, ईरान से पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने तथा ब्रिक्स प्लस का सदस्य होने के कारण भारत पर जुर्माना लगाने की बात भी कही। यह अलग बात है जुर्माना कितना होगा और कब से प्रभावशील होगा , यह अभी नहीं पता है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत प्राय बताते हुए कहा कि यह भी उसी तरह गर्त में चली जाएगी, जैसे उनके पुराने दोस्त रूस की अर्थव्यवस्था जा रही है। अब यह मामला व्यापार या शुल्क की जंग भर का नहीं रह गया है बल्कि भूराजनीतिक चुनौती बन गया है, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी दोस्तों और दुश्मनों को झुकाने की अपनी सनक में वाणिज्यिक उपायों को हथियार बनाकर इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ देशों ने उनकी अतिरंजित और भेदभाव भरी मांगों के सामने घुटने टेक दिए हैं और अमेरिका में भारी निवेश का वादा किया है, जो पता नहीं ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने तक पूरा हो पाएगा या नहीं। चीन जैसे अन्य देशों ने अपनी वाणिज्यिक बढ़त का इस्तेमाल कर अमेरिका का प्रतिरोध किया है। मगर भारत के पास तो इस तरह की बढ़त भी नहीं है तो क्या उसे चुपचाप अमेरिकी मनमानी सहन कर लेनी चाहिए? धौंस जमाने वालों से निपटने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि उनकी धौंस नहीं सही जाए। अगर पहली बार में ही झुक गए तो भविष्य में और भी दबाव पड़ सकता है तथा बार-बार घुटने टेकने पड़ सकते हैं। अभी जान छुड़ाने के लिए छोटी कीमत चुका दी गई तो भविष्य में बड़ी कीमत चुकाने के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। भारत अगर अभी ट्रंप की मांगों के खिलाफ खड़ा नहीं होता है तो आगे चलकर अमेरिका की फरमाइशें बढ़ती ही जाएंगी और वह बड़ी रियायतें मांगेंगे। अगर हमने अभी सीमा रेखा नहीं खींची तो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और दुनिया में इसकी विश्वसनीयता तथा प्रभाव के लिए दुष्परिणाम होंगे। क्या भारत को अपने प्रतिरोध की कीमत चुकानी होगी? बिल्कुल चुकानी होगी और हमें इसके लिए तैयार भी रहना चाहिए। अमेरिका के साथ हमारे आर्थिक और वाणिज्यिक रिश्तों की सीमा क्या है? 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच कुल 186 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जो भारत के कुल व्यापार का 10.73 फीसदी है। भारत का 8 फीसदी निर्यात अमेरिका जाता है और अमेरिका से हम 6 फीसदी आयात करते हैं। 10 फीसदी व्यापार की निर्भरता ज्यादा तो है मगर ऐसा भी नहीं है कि उसका खत्म होना बरदाश्त नहीं किया जा सकता। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की बात करें तो उसी साल अमेरिका चौथे नंबर पर रहा और भारत में 81.04 अरब डॉलर की कुल आवक में उसका योगदान केवल 11 फीसदी रहा। हिस्सेदारी का यह आंकड़ा ज्यादा तो है मगर इतना ज्यादा नहीं है कि उसे किसी अन्य देश से हासिल न किया जा सके। अनुमान है कि उच्च टैरिफ लागू होने के बाद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में दो फीसदी तक कमी आ सकती है। परंतु यह बहुत बड़ी कीमत नहीं है। अतीत में जब हम कमजोर देश थे तब भी अहम मसलों पर अपना रुख साफ करने की कीमत हमने चुकाई है। ट्रंप के कदमों के भूराजनीतिक परिणाम और भी चिंतित करने वाले हो सकते हैं। वह अन्य देशों के साथ भारत के रिश्तों पर वीटो चाहते हैं, यानी चाहते हैं कि अमेरिका तय करे कि भारत किसके साथ कैसे रिश्ते रखे। इसे पुरजोर तरीके से नकारा जाना चाहिए। भारत के पास ब्रिक्स प्लस और क्वाड में बने रहने की पर्याप्त वजह है। रूस के साथ हमारा रिश्ता कई तरह से हमारे हित में है। हालांकि इसमें अब कुछ विविधिता आ रही है लेकिन उसकी अपनी वजह हैं। अमेरिकी विदेश नीति में जिस तरह किसी एक की सनक के कारण पल भर में दुश्मन और दोस्त बदल जाते हैं, उसे देखते हुए जरूरी है कि भारत साझेदारियों का अपना नेटवर्क बनाए रखे तथा मजबूत करे। अन्य देशों के साथ भारत के रिश्तों में सबसे अहम रही है उसकी विश्वसनीयता। विभिन्न देश भारत पर भरोसा कर सकते हैं कि उसके साथ रिश्तों में निरंतरता बनी रहेगी। हमें एक अस्थिर चित्त वाले नेता के फेर में अपनी यह साख गंवानी नहीं चाहिए। भले ही वह दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क का मुखिया क्यों न हो? हमने दशकों में जो विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा अर्जित की है उसे इस हाथ दे उस हाथ ले वाले रिश्ते की भेंट नहीं चढ़ा देना चाहिए। भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को और भी बहिर्मुखी बनाना चाहिए मगर ऐसा अपने हित के लिए करना चाहिए, ट्रंप की मांगें पूरी करने के लिए नहीं। अच्छी बात यह है कि भारत ने कुछ व्यापार समझौते कर लिए हैं और उसे दोगुनी तेजी के साथ ऐसे अन्य समझौतों की दिशा में बढ़ना चाहिए जैसे यूरोपीय संघ के साथ समझौता। भारत ने बिना किसी ठोस वजह के स्वयं को दक्षिण-पूर्व एशिया के जीवंत आर्थिक क्षेत्र से अलग कर लिया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की **बात**

राकेश दुबे

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक की लहर

नवीन मेल संवाददाता।

बानो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन होने पर बानो प्रखंड सह अंचल कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया।2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा के शांति की कामना की गई।मालूम हो कि पूर्व मुख्यमंत्री काफी दिनों से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज दिल्ली में चल रहा था।उनके आकस्मिक निधन पर बानो प्रखंड सह अंचल कार्यालय में शोक सभा का आयोजन कर दो मिनट मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी, पंचायत सचिव जितवाहन मांझी,कृषि पदाधिकारी अजय सिंह,नितिश झा,फिया फाउंडेशन समन्वयक मंतोष कुमार चौधरी,राममोहन महतो,कुरकेति,मंदाकिनी,विमल,संदीप,सुंदरजीत,कोमल,ललिता,राम नाथ सिंह,बेबी, निर्दोष,मुनुरेन,बीआरसी बीपीओ विकाश शरण, बालगोविंद पटेल,क्यामूल, खुशबू रानी,बीपीओ चारू मांझी,सीएफटी बुलबुल,अरमान सोरेंग,तनवीर आलम,अरविंद दुबे सहित प्रखंड सह अंचल कार्यालय के कर्मी गण उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री को शिशु विद्या मंदिर में दी गई श्रद्धांजलि

सिमडेगा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु के नाम से प्रसिद्ध आदिवासी नेता शिबू सोरेन के निधन पर वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सलडेगा में शोकसभा का आयोजन किया गया।विद्यालय परिसर में आयोजित इस सभा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं आचार्य परिवार ने एक मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता रहे दिवंगत नेता के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार पाठक ने झारखंड सरकार द्वारा घोषित राजकीय शोक के मद्देनजर श्रद्धांजलि सभा के उपरांत विद्यालय अवकाश की घोषणा की।

दिसोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सिमडेगा पत्रकार संघ ने जताया शोक

नवीन मेल संवाददाता

● झारखंड आंदोलन के स्तंभ के अवसान से पत्रकार समाज स्तब्ध

सिमडेगा। झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिसोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की सूचना से पूरे राज्य में शोक की लहर फैल गई है। उनके निधन पर सिमडेगा पत्रकार संघ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संघ ने कहा है कि यह केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा को लगी गहरी चोट है, जिसकी भरपाई संभव नहीं।पत्रकार संघ के अध्यक्ष आशीष शास्त्री ने कहा कि दिसोम गुरु ने न केवल एक राज्य का सपना देखा, बल्कि उसे आकार भी दिया। उनके जाने से झारखंड की सामाजिक चेतना और राजनीतिक दिशा दोनों को अपूरणीय क्षति हुई है।शोक व्यक्त करने वालों में सुहैब शाहिद, अफजल इमाम, सुनील सहाय, वाचस्पति मिश्र, श्रीराम पुरी, दीपक अग्रवाल रिंकू, मुकेश कुमार, विकास साहू, कुश बड़ाईक, अमन मिश्रा, राकेश जयसवाल, अनुज कुमार साहू, सुमंत कुमार, अमित साहू, संजय कुमार केसरी, हलधर प्रसाद, कालो खलखो, संजीत यादव, बलभद्र बड़ाईक, भरत सिंह, चंद्रदेव सेनापति, रविकांत मिश्रा, पंचम प्रसाद, विवेक कुमार, अरुण कुमार, गौरव गौतम सिंह, राकेश कुमार यादव, धनुर्जय सिंह देव, दिनेश ठाकुर, पिंटू कुमार, अरुण राम, रोशन ठाकुर, आलोक कुमार साहू, वीरेंद्र तिवारी, अमित रंजन, संगम साहू, मनोरंजन कुमार गुप्ता, मोहम्मद तबरेज आलम, अंकित सिन्हा, सुहैल अख्तर, शिवनंदन बड़ाईक, राजेश बड़ाईक और राज आनंद सिन्हा ,विक्रम ठाकुर,प्रभु कश्यप,सहित सिमडेगा पत्रकार संघ के सभी सदस्य शामिल हैं।संघ ने कहा कि उनका जीवन और संघर्ष आदिवासी अस्मिता और अधिकार की लड़ाई का प्रतीक है। उनका जाना केवल एक युग का अंत नहीं, बल्कि एक चेतना के विराम जैसा है।दिसोम गुरु के विचार और संघर्ष हमेशा प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे, लेकिन उनके निधन से जो खालीपन आया है, वह लंबे समय तक खलता रहेगा।

चेंबर ऑफ़ कॉमर्स ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर जताया गहरा शोक

सिमडेगा :झारखंड के महान जननायक, झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरा राज्य शोकाकुल है। ऐसे समय में सिमडेगा चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स ने भी उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। चेंबर के अध्यक्ष मोतीलाल अग्रवाल, सचिव दीपक रिंकू सहित अन्य सदस्यों ने दिशोम गुरु के अद्वितीय योगदान को याद किया। साथ ही उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। संगठन ने कहा कि शिबू सोरेन न सिर्फ़ एक राजनेता थे, बल्कि झारखंडी स्वाभिमान की आवाज़ थे। उन्होंने जंगल, ज़मीन और जन के अधिकार के लिए जो संघर्ष किया वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। झारखंड राज्य का गठन उनकी सोच, संघर्ष और समर्पण का ही परिणाम है। चेंबर के पदाधिकारियों ने कहा कि दिशोम गुरु का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं है । बल्कि यह एक युग का अंत है। उनकी सादगी, विचारशीलता और जनता से गहरा जुड़ाव हमें हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर विधायकों व जिप सदस्य ने व्यक्त की शोक संवेदना

सिमडेगा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व "दिशोम गुरु" शिबू सोरेन जी के निधन की खबर से राजनीतिक व सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई।सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि सोरेन जी केवल राजनेता नहीं, आदिवासी अस्मिता व संघर्ष का प्रतीक थे। उन्होंने वर्षों से उपेक्षित समाज को आवाज़ दी, झारखंड को नई पहचान दिलाई। विधायिका ने दिवंगत आत्मा की शांति व शोक संतप्त परिजनों को साहस की कामना की।जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने भी दिवंगत नेता के योगदान को याद करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की।कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने शिबू सोरेन को आदिवासी समाज की मजबूत आवाज़ बताया, जिन्होंने "जल, जंगल, माटी" के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने हेमंत सोरेन व परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि गुरुजी का जाना केवल एक व्यक्तित्व का नहीं, एक युग का अंत है।तीनों ने शिबू सोरेन के आत्मबल, सेवा व स्वाभिमान की प्रेरणा को सदैव जीवंत रखने का संकल्प लिया और दिवंगत आत्मा को चिरशांति, शोकाकुल परिजनों को ढाढस बंधाने की ईश्वर से प्रार्थना की।

शिबू सोरेन के निधन पर भाजपा सिमडेगा ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सिमडेगा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भारतीय जनता पार्टी सिमडेगा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि गुरुजी ने आदिवासी-मूलवासी समाज के हक व अधिकार के लिए जीवनभर संघर्ष किया, उनका निधन अपूरणीय क्षति है।पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा कि गुरुजी का जाना बेहद मर्माहत करने वाला है। उन्होंने महाजनी प्रथा और सूदखोरों के खिलाफ आदिवासियों को संगठित किया और धनकटनी आंदोलन जैसे अभियानों से सामाजिक न्याय की अलख जगाई।मीडिया प्रभारी रवि गुप्ता ने कहा कि उनकी सादगी, संघर्ष और समर्पण ने उन्हें झारखंड के हर वर्ग में आदर दिलाया। उनका कद इतना ऊंचा था कि उन्हें सभी दलों के लोग "गुरुजी" कहकर संबोधित करते थे।श्रद्धांजलि देने वालों में भाजपा नेता ओमप्रकाश साहू, सुशील श्रीवास्तव, दीपक पुरी, दुर्गविजय सिंहदेव, अमरनाथ बामलिया, सुषमा देवी, तुलसी साहू, श्रीलाल साहू, संतोष बामलिया, रामबिलास बड़ाईक, विराज नायक, कृष्ण ठाकुर, नवीन सिंह, सत्यनारायण प्रसाद, प्रदीप जायसवाल, संटू गुप्ता समेत सभी मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने गुरुजी की आत्मा की शांति और परिवार को संबल की कामना की।

संत वियन्नी उच्च जॉन वियन्नी का विद्यालय दिवस मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड के लचरागढ़ स्थित संत वियन्नी उच्च विद्यालय में सोमवार को संत मेरी जॉन वियन्नी सह विद्यालय दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि पल्ली पुरोहित डीन फादर राजेश केरकेट्टा तथा विशिष्ट अतिथि मोंटफोर्ट स्कूल के ब्रदर जेवियर टेटे, लचरागढ़ पंचायत की मुखिया जिरेन मड़की, समाजसेवी क्लेमेंट टेटे व पूर्व मुखिया जेराल्ड एक्का उपस्थित थे।कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर फादर राजेश केरकेट्टा, ब्रदर जेवियर टेटे व ब्रदर सुबोध कच्छप ने संयुक्त रूप से किया। इससे पूर्व आरसी मिशन चर्च लचरागढ़ में विशेष मिस्सा पूजा का आयोजन हुआ, जिसका अनुष्ठान फादर राजेश केरकेट्टा ने संपन्न कराया।विद्यालय एवं आरसी बालक मध्य विद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें नागपुरी, हिंदी, संथाली नृत्य, कव्वाली और नाटक 'सोशल मीडिया का प्रभाव' शामिल रहा। इस अवसर पर मैट्रिक परीक्षा में सफल छात्रों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि फादर केरकेट्टा ने अपने संबोधन में संत जॉन मेरी वियन्नी के जीवन को प्रेरणादायक बताया। ब्रदर सुबोध कच्छप ने स्वागत भाषण में विद्यालय के उद्देश्यों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मंगल साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन सुबल टेटे ने किया।इस अवसर पर सिस्टर सुषमा तिग्गा, फादर क्लेमेंट लकड़ा, बलराम साहू, महेश सिंह समेत कई शिक्षक व अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों व स्टाफ की अहम भूमिका रही।

कर्राडमाईर हादसे के बाद हरकत में आया प्रशासन

पुल निर्माण को लेकर स्थल निरीक्षण शुरू

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के कर्राडमाईर गांव में बिजली करंट की चपेट में आकर दो ग्रामीणों की मौत और एक के गंभीर रूप से घायल होने की घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया है। वर्षों से लंबित पुलिया निर्माण की मांग पर आखिरकार पहल तब हुई, जब हादसे ने क्षेत्र को झकझोर दिया।सोमवार को जिला मुख्यालय से आई तकनीकी टीम ने प्रस्तावित पुल निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांसद प्रतिनिधि सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुंडलना, बीडीओ नईमुद्दीन अंसारी, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष शमशेर अंसारी, कांग्रेस महासचिव अभिषेक बागे, सामाजिक कार्यकर्ता हर्षित सांगा, सैमुएल बुढ़, साबन डांग, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सहदेव कोटवार, कोनसोदे पंचायत अध्यक्ष किरण कुंडलना, गेनमेर पंचायत अध्यक्ष संदीप कंडुलना सहित कई जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित थे।विशेष प्रमंडल के सहायक अभियंता रंजीत कुमार एवं कनीय अभियंता मो. कलीमुद्दीन ने स्थल की भौगोलिक स्थिति का अवलोकन किया और बताया कि जल्द ही पुल निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि अजीत कुंडलना ने कहा, यह घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि समय पर पुल का निर्माण हो गया होता, तो शायद इन अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता था। अब प्रशासन को इस मांग को गंभीरता से लेना होगा।ग्रामीणों ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए। उन्होंने मांग की कि यह निरीक्षण पूर्व की तरह केवल औपचारिकता न बन जाए, बल्कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू हो।

बानो वन विभाग में ग्रामीणों के बीच टॉर्च और हाथी भगाओ सामग्री का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बानो। वन विभाग परिसर में सोमवार को हाथी प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों के बीच टॉर्च और हाथी भगाओ सामग्री का वितरण किया गया। यह वितरण जिला परिषद सदस्य सह झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य बिरजो कंडुलना और वनपाल विवेक कुमार की उपस्थिति में किया गया।इस अवसर पर ग्रामीणों को हाथी से बचाव और आपात स्थिति में कैसे सतर्क रहें, इस बारे में आवश्यक जानकारी दी गई। वनपाल विवेक कुमार ने लोगों से कहा कि जंगली हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें और बिना उकसावे के उनसे दूरी बनाकर रखें। उन्होंने बताया कि आज अहले सुबह एक हाथी झुंड से बिछड़कर भटकता हुआ उकौली बूढ़ी झारेन और चिरूबेड़ा गांव पहुंच गया था।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इन गांवों के ग्रामीणों के बीच विशेष रूप से टॉर्च और सावधानी बरतने की सामग्री वितरित की गई। साथ ही, आसपास के क्षेत्रों—विशेष रूप से हेलगढ़ा की ओर के ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है, क्योंकि हाथी उसी दिशा में आगे बढ़ चुका है।

सिमडेगा में अंतिम सोमवारी पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

शंख नदी तट से शिवालयों तक गूंजे 'बोल बम' के जयकारे, शिवभक्ति में डूबा पूरा जिला

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सावन महीने की अंतिम सोमवारी को लेकर सोमवार को सिमडेगा जिले में शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तड़के सुबह से ही शंख नदी के पवित्र तट से जल भरकर कांवरिए भक्त 'बोल बम' के जयघोष के साथ शिवालयों की ओर बढ़ते नजर आए।सड़कों पर आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि जहां तक नजर जाती, वहां तक भगवा वस्त्रधारी श्रद्धालुओं की कतारें दिखाई देती थीं। हर उम्र, हर वर्ग के लोग—युवक, वृद्ध, महिलाएं और बच्चे—सभी कांवर यात्रा में सम्मिलित होकर भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर रहे थे।शहर के प्रमुख मार्गों और शिव मंदिरों के प्रांगण में भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा पर्याप्त सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था की गई थी। साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवकों की ओर से जलपान, शीतल जल व प्राथमिक उपचार केंद्र की भी व्यवस्था की गई, जिससे कांवरियों को कोई असुविधा न हो।

शिव भक्तों | ऐतिहासिक में अंतिम सोमवारी पर भक्तों की उमड़ी भीड़

केतुंगाधाम में अंतिम सोमवारी पर भक्तों की भारी भीड़

● श्रद्धालु महादेव से मांगते हैं मनोकामनाओं की पूर्ति

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के ऐतिहासिक केतुंगाधाम में अंतिम सोमवारी पर भक्तों की उमड़ी भीड़ मालूम हो कि केतुंगाधाम में जल चढ़ाने वालों की भीड़ रात्रि से जुटने लगी थी। प्रातः पट खुलते ही "बोल बम" की जयघोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। लोग नाचते-गाते मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इस अवसर पर पूजन कार्य प्रदीप गोस्वामी व बालमुकुंद सिंह द्वारा मंदिर के गर्भगृह में किया गया। पार्वती मंदिर में अलग से पूजन कार्य देखने की व्यवस्था की गई थी। देखते-देखते जल चढ़ाने वालों की लंबी लाइन लगती गई। भक्तों का आना दोपहर तक चलता रहा। सावन मेले में कार्यक्रम को देखते हुए समिति के अध्यक्ष सुकरा केरकेट्टा, उपाध्यक्ष मनोज दास गोस्वामी, संरक्षक दिलमोहन साहू, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर साहू, सचिव बंधनु केरकेट्टा, उप सचिव श्याम शिखर सोनी मंच से मेले का संचालन कर रहे थे। साथ ही मेला में जगह-जगह समिति के सदस्य उपस्थित थे। मंदिर के प्रांगण में आयोजित सावन मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसआई लालन सिंह पुलिस बल के साथ मेला में उपस्थित थे। नदी के पास भी समिति के सदस्य मौजूद थे ताकि नदी में कोई दुर्घटना न हो सके।नवयुवक संघ लचरागढ़ द्वारा मेले में भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया था। शिव भक्तों के लिए खीर, पूड़ी, बुंदिया की व्यवस्था की गई थी। मौके पर समिति के बिनीत अग्रवाल, टोनी अग्रवाल, सूरज साहू, धनुरजय सोनी का सहयोग रहा। उधर मेला परिसर में बामो व जलडेगा के भोलेनाथ भक्तों द्वारा फलाहार की व्यवस्था की गई थी।इधर कांवरियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए बानो स्टेशन में भी भंडारे का आयोजन किया गया था। भंडारे को चलाने में विकास साहू, प्रकाश खत्री, अजय कुमार, राजा साहू, लालू साहू, हिमांशु, नरेंद्र, सुजीत, अभिषेक झा आदि लोगों का सहयोग रहा।

अंतिम सोमवार पर भक्तों का उमड़ा भीड़

कोलेबिरा:प्रखंड मुख्यालय स्थित बुढ़ा महादेव शिव मंदिर प्रांगण में अहले सुबह से ही भक्तों का भीड़ उमड़ने लगा।भक्तजन शिव की आराधना में लीन दिखे।बूढ़ा महादेव मंदिर कोलेबिरा मुख्यालय से लगभग आधा किलोमीटर की दुरी पर डैम के किनारे स्थित है।दूरदराज से शिव भक्त यहां जलार्पण के लिए आते हैं।वहीं मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर में सेवारत पुजारी मदन दास ने बताया की आखिरी पूर्णिमा के दिन महादेव स्थल में और भी भीड़ उमड़ती है,लोगों की मनोकामना महादेव पूरा करते हैं।

न्यूज बॉक्स

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर धरना स्थगित, शिक्षकों ने जताया शोक

सिमडेगा। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के द्वारा पांच अगस्त दिन मंगलवार को प्रस्तावित धरना प्रदर्शन को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड सरकार द्वारा तीन दिनों का राजकीय शोक एवं सभी कार्यालय बंद करने के आलोक में एक दिवसीय धारणा प्रदर्शन तत्काल स्थगित किया जाता है। जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा ने कहा कि शिबू सोरेन जी के निधन पर जिले के सभी शिक्षक मर्माहत है उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में जिले के सभी शिक्षकों के द्वारा शोक व्यक्त किया गया है उन्होंने कहा कि इस दुख के घड़ी में जिले के सभी शिक्षक मुख्यमंत्री के परिवार के साथ है । शोक व्यक्त करने वालों में महासचिव संजय कुमार,नौशाद परवेज ,सुशील बेक,फुलेंदर साहु,विष्णु देव प्रसाद,अजीत तिर्की,अमर सिंह,अरविंद बा,श्रवण बड़ाईक, पावरूस टोप्पो,अजीत आईंद,रामचंद्र नायक,मधुसूदन महतो,संजय बर्मा,संजीव कुमार,कुलभूषण बिलुंग,रजनीकांत तिलक, बीरमल महतो,संदीप सिंह,उपेंद्र कुमार,मनीष कुमार,सुदर्शन होता ,बसंत सिंह ,आमोद रंजन ,राकेश रोहित,सुमित सिंह,सुबोध कुमार,अविनाश कुमार,सहित जिले के सैकड़ों शिक्षकों ने शोक व्यक्त किए है ।

गांव में जंगली हाथी का उत्पात, दो ग्रामीण घायल, एक टेम्पो पलटा, मवेशी भी घायल

बानो। प्रखंड क्षेत्र के उकौली पंचायत अंतर्गत ग्राम चिरूबेड़ा में बीती रात जंगली हाथी के अचानक पहुंचने से गांव में अफरा-तफरी मच गई। हाथी के प्रवेश की खबर फैलते ही पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया।ग्रामीणों ने बताया कि हाथी का प्रकोप इन दिनों पूरे बानो प्रखंड में लगातार देखा जा रहा है। प्रतिदिन कहीं न कहीं जंगली हाथियों के द्वारा घरों व फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय व असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।चिरूबेड़ा गांव में हाथी के पहुंचने पर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से उसे भगाने का प्रयास किया, इसी क्रम में हेंसन तोपनो और आशीष तोपनो नामक दो व्यक्ति घायल हो गए। ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य सह झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य विरजो कडुंलना अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोरंजन व डॉ. जावेद आलम ने बताया कि दोनों घायलों का उपचार कर दिया गया है और वे अब स्वस्थ हैं।इधर, हाथी ने रायका गांव में एक टेम्पो को पलट दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही, घटना में एक मवेशी के घायल होने की भी सूचना है।घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिपूर्ति संबंधी जानकारी जुटाई। ग्रामीणों ने मांग की है कि हाथी हमले की लगातार बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण के लिए प्रशासन ठोस कदम उठाए।

सांप काटने से एक व्यक्ति घायल,अस्पताल मे चल रहा इलाज

बानो। प्रखंड के रामजोल मे सांप काटने से एक व्यक्ति घायल हो गया।घायल का ईलाज बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे चल रहा है।मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात्रि लगभग तीन बजे की है, रोशन मडकी उम्र 42 वर्ष घर मे जमीन मे सोया था। इसी क्रम मे करैत सांप ने डंस लिया. जिसके ग्रामीणो ने झाडु फुंक के माध्यम से इलाज किया. सुबह 108 एबुंलेस के माध्यम से बानो सामुदायिक स्वास्थय केंद्र मे भर्ती कराया जहां डा मनोरंजन कुमार ने इलाज किया।उन्होने बताया कि संपदर्श से पीडित व्यक्ति की स्थिति इलाज के बाद ठीक है।

बानो के छोटका दुइल में ग्राम सभा बैठक संपन्न, गांव के लिए बनाए गए नियम

बानो। बानो प्रखंड अंतर्गत छोटका दुइल गांव में ग्राम प्रधान हरी किशोर साय की अध्यक्षता में ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना की सामूहिक शपथ से की गई।ग्राम सभा में सर्वसम्मति से गांव के लिए कई नियम बनाए गए। निर्णय लिया गया कि जंगल से कच्चा लकड़ी लाने पर 1,000 का दंड लगेगा। सांस्कृतिक, पारंपरिक कार्यक्रमों को छोड़कर अन्य किसी भी अवसर पर किसी घर में हड़िया बनाए जाने पर भी 1,000 का जुर्माना तय किया गया है। रात्रि 8:00 बजे के बाद बिना आवश्यक कारण के घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित रहेगा।प्रत्येक परिवार को माह में 10 ग्राम सभा कोष में जमा करना अनिवार्य होगा, जिससे जरूरतमंद ग्रामीणों को 1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण दिया जाएगा। बैठक में आठ प्रकार की समितियों का गठन किया गया, जिनमें प्रत्येक में दो पुरुष और दो महिलाएं रखे गए हैं।ग्राम सभा सदस्यों ने श्रमदान के माध्यम से रोड मरम्मत, सफाई एवं सड़क किनारे की झाड़ियों की नियमित सफाई करने का संकल्प लिया। निर्णय लिया गया कि अगली ग्राम सभा में जिला, प्रखंड एवं पंचायत के अधिकारियों को आमंत्रित कर ग्राम सभा की गतिविधियों और आवश्यक मांगों से अवगत कराया जाएगा।बैठक में ग्राम सभा अध्यक्ष हरी किशोर साय, अशोक साय, सावना, मनीनाथ, सुदामा, अकलू, सुलोचनी, फिया संस्था के प्रखंड समन्वयक मंतोष कुमार और राम मोहन महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सैकड़ों कांवरियों ने शंख नदी से उठाया जल, रूसु शिवमंदिर में किया जलाभिषेक जलापर्ण

केरसई। सावन महीने की चौथी व अंतिम सोमवारी के अवसर पर रूसु गांव शिव भक्ति में डूबा रहा। सुबह से ही पूरे क्षेत्र में "बोल बम" और "हर हर महादेव" के जयकारे गूंजने लगे। भगवा वस्त्रधारी सैकड़ों कांवरिए पंडित श्री नवीन मिश्रा के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बुदाधार शंख नदी से जल भरकर झूमते-नाचते हुए रूसु शिवमंदिर पहुंचे और बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।इस पावन अवसर पर कांवरियों ने भगवान शिव को जलार्पण के साथ बिल्व पत्र, सफेद पुष्प व प्रसाद अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की। भक्तिभाव से ओतप्रोत माहौल ने समस्त वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।जलाभिषेक उपरांत आयोजन समिति द्वारा सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारा महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी, जिसमें श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम की सफलता में रूसु के युवाओं, समाजसेवियों एवं स्थानीय ग्रामीणों की विशेष भूमिका रही। उन्होंने न केवल कांवरियों का स्वागत-सम्मान किया, बल्कि संपूर्ण यात्रा को सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में भी योगदान दिया।

शिबू सोरेन के निधन पर ममता, केजरीवाल सहित कई नेताओं ने जताया शोक

11 जनवरी 1944 से 04 अगस्त 2025

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत कई प्रमुख नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शिबू सोरेन को झारखंड की आत्मा बताते हुए लिखा, "दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड और आदिवासी समाज की आत्मा थे। उन्होंने आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन और संवैधानिक न्याय के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उनका निधन एक युग का अंत है। उनका जाना देश की राजनीति और आदिवासी आंदोलन की अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं हेमंत सोरेन और समस्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें।"

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए बताया कि आज झारखंड के इतिहास का एक अध्याय समाप्त हो गया। उन्होंने लिखा, "मैं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और मेरे आदिवासी भाइयों और बहनों के गुरु दिशोम (महान नेता) शिबू सोरेन के निधन से अत्यंत दुःखी हूं। मेरे भाई, हेमंत सोरेन और उनके पूरे परिवार, उनके सभी अनुयायियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।"

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। वे एक प्रमुख आदिवासी नेता थे और उन्हें आदिवासी व वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए उनके समर्पण के लिए याद किया जाएगा। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके शोक संतप्त परिवार, मित्रों और अनुयायियों के साथ हैं।"

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "शिबू सोरेन के निधन से अत्यंत दुखी हूं। एक ऐसे महान व्यक्तित्व जिनकी आवाज ने आदिवासियों की पीढ़ियों को शक्ति दी और जिनके संघर्ष ने झारखंड की आत्मा को आकार दिया। जमीनी स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक का उनका सफर साहस, त्याग और अपने लोगों के प्रति अटूट विश्वास की कहानी है। उनकी अनुपस्थिति एक ऐसा शून्य छोड़ गई है जिसे भरा नहीं जा सकता। हेमंत सोरेन और उनके प्रियजनों और झारखंड के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।"

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार पर किरेन रिजिजू बोले-

झूठा नैरेटिव फैला रही कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संसद में चीन और भारतीय सेना को लेकर दिए बयान पर सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और 'लेफ्ट इकोसिस्टम' के लोगों पर झूठे नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संसद में दिए अपने वक्तव्य की एक वीडियो क्लिप शेयर की। वीडियो में वे स्पष्ट बताते हुए दिख रहे हैं कि 1962 के बाद से चीन ने भारत की एक इंच भी जमीन नहीं कब्जाई है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, "सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को उनके गैर-जिम्मेदाराना दावे के लिएa फटकार लगाई कि चीन ने भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको कैसे पता कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा।" रिजिजू ने लिखा, "भारत की सीमाओं के संबंध में कांग्रेस और लेफ्ट इकोसिस्टम के झूठे नैरेटिव के कारण कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। 1962 के बाद, अरुणाचल प्रदेश में एक इंच जमीन चीन ने नहीं ली है।" केंद्रीय मंत्री ने संसद में दिए अपने भाषण की क्लिप शेयर की। इसमें वे बोल रहे हैं, "जिस प्रदेश (अरुणाचल प्रदेश) से मैं आता हूं, वहां पर चीन कितने अंदर घुसकर और कब्जा किए हुए बैठा है, इस पर मैं साफ करना चाहता हूं कि जब 10 अक्टूबर, 1962 में चीन का आक्रमण हुआ, उस समय उनकी आर्मी असम के मिसामारी तक पहुंची। फिर सीजफायर के बाद 21 नवंबर को वे सभी वापस चले गए।" उन्होंने बताया, "चीन ने जिस जगह पर कब्जा करके रखा हुआ है, वह लोंगजू है। 1959 में जब हमारी असम राइफल का वहां पर कैंप था, उस समय किया था। चीन ने इसके अतिरिक्त थोड़ा सा और 1962 में लिया। 1962 के बाद से देश में कई सरकारें आईं, लेकिन इस दौरान चीन ने हमारी एक इंच भी जमीन नहीं ली।

53 दिन में ही पटना के डबल डेकर फ्लाईओवर की खुली पोल

एजेंसी। पटना

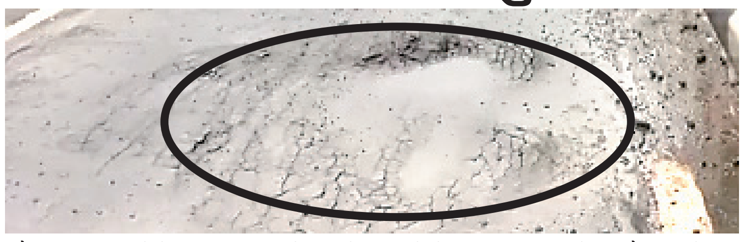

पटना में 422 करोड़ रुपये की लागत से बने डबल-डेकर फ्लाईओवर का एक हिस्सा उद्घाटन के दो महीने बाद ही रविवार को भारी बारिश के कारण धंस गया। इस डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण अशोक राजपथ पर हमेशा जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए किया गया था और इसका उद्घाटन इसी साल जून में हुआ था। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में राज्य की राजधानी के पहले एलिवेटेड कॉरिडोर पर एक गड्ढा दिखाई दे रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 11 जून को इस नवनिर्मित फ्लाईओवर का उद्घाटन किया था। गांधी मैदान में कारगिल चौक से पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) होते हुए साइंस कॉलेज तक 2.2 किलोमीटर का फ्लाईओवर अशोक राजपथ पर भीड़भाड़ कम करने के लिए बनाया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, यह फ्लाईओवर बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 422 करोड़ की लागत से बनाया गया है। अशोक राजपथ क्षेत्र में चार मंजिलें बनाई जाएँगी—दो फ्लाईओवर, एक भूतल सर्विस रोड और एक भूमिगत मेट्रो प्रणाली। पटना में पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई प्रमुख सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। कंकड़बाग, राजेंद्र नगर, एग्ज़िबिशन रोड और गांधी मैदान सहित कई इलाकों में जलभराव की सूचना मिली है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए पटना, गयाजी, जमुई, औरंगाबाद, खगड़िया, बांका, वैशाली, समस्तीपुर, शेखपुरा, लखीसराय, पूर्वी चंपारण, अरवल, पश्चिमी चंपारण और नवादा समेत बिहार के कई जिलों के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है।

मणिपुर में आठ उग्रवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने विभिन्न जिलों से चार प्रतिबंधित संगठनों के आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि सभी गिरफ्तारियां रविवार को की गयीं। सुरक्षाबलों ने इंफाल पश्चिम एवं पूर्व तथा बिष्णुपुर जिलों में विभिन्न स्थानों से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के पांच सक्रिय कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक बयान में बताया कि ये सभी वसूली, गोलीबारी, अपहरण और हथियार एवं गोला-बारूद रखने में शामिल थे। उनकी पहचान एम प्रेमकुमार सिंह (28), यमबेम शीतल सिंह (39), सोरोखाइबाम इनाओटन सिंह (38), खोंगबंताबम इनाओचा देवी (52) और ओइनम नाओबा सिंह (18) के रूप में हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

- 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला होगा और इसमें दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल प्लस 6 मंजिल) होंगी।

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को दोपहर लगभग 12.15 बजे दिल्ली के कर्तव्य पथ स्थित कर्तव्य भवन जाकर उसका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे शाम लगभग 6.30 बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

यह प्रधानमंत्री के आधुनिक, कुशल और नागरिक-केंद्रित शासन के दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। कर्तव्य भवन-3, जिसका उद्घाटन किया जा रहा है, सेंट्रल विस्टा के व्यापक परिवर्तन का एक हिस्सा है। यह कई आगामी कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरियट भवनों में से पहला है, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और चुस्त शासन को सक्षम बनाना है।

यह परियोजना सरकार के व्यापक प्रशासनिक सुधार के एजेंडे का प्रतीक है। मंत्रालयों को एक साथ स्थापित करके और अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाकर साझा केंद्रीय सचिवालय अंतर-मंत्रालयी समन्वय में सुधार लाएगा, नीति कार्यान्वयन में तेजी लाएगा और एक उत्तरदायी प्रशासनिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देगा।

वर्तमान में कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम करते हैं, जो अब संरचनात्मक रूप से पुरानी और अक्षम हो चुकी हैं। इन नए भवनों की मरम्मत और रखरखाव की लागत कम होगी, उत्पादकता बढ़ेगी, कर्मचारियों के हितों में सुधार होगा और समग्र सेवा वितरण में सुधार होगा।

कर्तव्य भवन-3 को दिल्ली भर में फैले विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। यह एक अत्याधुनिक कार्यालय परिसर होगा, जो लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला होगा और इसमें दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल प्लस 6 मंजिल) होंगी। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे। यह नया भवन आधुनिक प्रशासनिक ढांचे का प्रतीक होगा, जिसमें आईटी-समर्थित और सुरक्षित कार्यस्थल, आईडी कार्ड-आधारित प्रवेश नियंत्रण, एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और एक केंद्रीकृत कमांड सिस्टम शामिल होगा।

यह स्थायित्व में भी अग्रणी होगा और डबल-ग्लेज्ड अग्रभाग, रूफटॉप सोलर, सोलर वॉटर हीटिंग, उन्नत एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) सिस्टम और वर्षा जल संचयन के साथ जीआरआईएचए-4 रेटिंग प्राप्त करने का लक्ष्य रखेगा। यह सुविधा जीरो-डिस्चार्ज अपशिष्ट प्रबंधन, आंतरिक ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण, ई-वाहन चार्जिंग स्टेशनों और रिसाइकल की गई निर्माण सामग्री के व्यापक इस्तेमाल के माध्यम से पर्यावरण-जागरूकता को बढ़ावा देगी।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

उत्तरप्रदेश। प्रयागराज जिले में पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश के बीच गंगा और यमुना का जलस्तर शनिवार से ही खतरे के निशान 84.73 मीटर से ऊपर बना हुआ है जिससे जिले के 200 से अधिक गांव और शहर की करीब 60 बस्तियों में पानी भर गया है। जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को सुबह आठ बजे यमुना नदी का जलस्तर नैनी में खतरे के निशान से ऊपर 86.04 मीटर दर्ज किया गया, जबकि गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 86.03 मीटर दर्ज किया गया। जिला प्रशासन ने नगर क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों के लिए बाढ़ राहत शिविर केंद्र के तौर पर बनाए गए विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ ग्रस्त प्रभावित विद्यालयों में अध्यापन कार्य स्थगित कर दिया है। नगर में सदर तहसील के अंतर्गत आने वाले 107 वार्ड एवं मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं जिनमें राजापुर, बेली कछार, चांदपुर सलोरी, गोविंदपुर, छोटा बघाड़ा और बड़ा बघाड़ा प्रमुख रूप से प्रभावित हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में फूलपुर तहसील के 18, सोरांव के आठ, मेजा के 12, बारा तहसील के आठ और हंडिया तहसील के छह गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे।

कोलकाता के पास एक अपार्टमेंट से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, एक गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में सोमवार को एक आवासीय फ्लैट से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस जब्ती के सिलसिले में फ्लैट के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में राहारा स्थित फ्लैट से 15 आग्नेयास्त्र और बड़ी संख्या में कारतूस जब्त किए गए हैं।

सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान हैं। वह यहां 381 करोड़ रुपये की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।योगी ने मालेगांव विस्फोट मामले में हिंदू नेताओं को फंसाने और रामसेतु को तोड़ने की कोशिश का जिक्र करते हुए कहा, "पहले सरकारें आतंकियों को संरक्षण देती थीं और सनातन धर्म के गौरव को कम करने की कोशिश करती थीं।" उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी विरासत का सम्मान करते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। योगी ने कहा कि विपक्षी दलों को भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व नहीं है। पूर्ववर्ती सरकारों पर गरीबों के हित में कोई काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए योगी ने कहा, "डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र की उपेक्षा को समाप्त कर विकास और विरासत के संरक्षण का एक नया अध्याय शुरू किया है।"मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में विकास, विरासत और स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार भैंसा गाड़ी नहीं, बल्कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रही है।एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार विकास और विरासत के संरक्षण में संतुलन बनाए हुए है। उन्होंने पिछली सरकारों पर जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले की सरकारें जाति के नाम पर समाज को बांटती थीं और योजनाओं का लाभ केवल एक परिवार तक सीमित रहता था।

उप्र को झटका, बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को मिली मंजूरी पर रोक लगाने पर विचार कर रहा है न्यायालय

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए मथुरा के वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई।न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा "गुप्त तरीके से" अदालत का दरवाजा खटखटाने के दृष्टिकोण की निंदा की और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया।शीर्ष अदालत ने कहा कि वह लाखों श्रद्धालुओं के हित में मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त करेगी। साथ ही प्रबंध समिति में मुख्य हितधारकों को भी शामिल किया जाएगा। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल के.एम. नटराज को बताया, "जितना कम कहा जाए उतना अच्छा है। आप अदालत द्वारा दिए गए निर्देशों को कैसे सही ठहराते हैं? दुर्भाग्यपूर्ण रूप से, राज्य सरकार अदालत के रिसीवर या हितधारकों (मंदिर के सेवायत होने का दावा करने वाले परिवार के सदस्यों) को सूचित किए बिना, बेहद गुप्त तरीके से अदालत में आई। उच्च न्यायालय के आदेश को दरकिनार करते हुए उसने उनकी पीठ पीछे निर्देश हासिल किये।

बिहार में शिक्षक बहाली में लागू होगी डोमिसाइल पॉलिसी : सीएम नीतीश

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक बड़े नीतिगत बदलाव की घोषणा की जिसका उद्देश्य भविष्य में शिक्षक भर्ती में राज्य के निवासियों को प्राथमिकता देना है। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। नीतीश ने X पर एक पोस्ट में कहा नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से, हम शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा विभाग को शिक्षक नियुक्तियों में बिहार के निवासियों को वरीयता देने के लिए संबंधित नियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, "यह टीआरई-4 से लागू होगा। टीआरई-4 वर्ष 2025 में और टीआरई-5 वर्ष 2026 में आयोजित किया जाएगा।" नीतीश ने यह भी पुष्टि की कि एसटीईटी परीक्षा टीआरई-5 से पहले आयोजित की जाएगी। यह घोषणा राज्य द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत लगभग 1.86 करोड़ उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने की योजना को लागू करने के एक महीने से भी कम समय बाद आई है। इससे पहले नीतीश कुमार सरकार ने शुक्रवार को सरकारी स्कूलों में कार्यरत रसोइयों, रात्रि प्रहरियों और शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय दोगुना कर दिया। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ महीने शेष हैं। मुख्यमंत्री कुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में रसोइयों, रात्रि प्रहरियों तथा शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए हमने उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करते हुए इसे दोगुना करने का निर्णय लिया है। कि मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत काम करने वाले रसोइयों को अब 1,650 रुपये के बजाय 3,300 रुपये प्रति माह मिलेंगे। रात्रि प्रहरियों का मानदेय दोगुना करके 10,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय दोगुना कर 16,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है।

दुर्दशा : लाश को भी नहीं मिली सड़क, 2 कि.मी. तक कंधे पर ढोनी पड़ी

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। आजादी के 75 साल बाद भी गढ़वा जिले के चिनियां प्रखंड के डोल पंचायत स्थित ठाढापत्थल गांव के हालात ऐसे हैं मानो यह गांव अब भी विकास की नक्शे से गायब हो। सड़क नहीं होने की वजह से यहां एक 40 वर्षीय युवक की मौत के बाद ग्रामीणों को उसकी लाश को 2 किलोमीटर तक खटिया पर कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ा। यह दृश्य जितना पीड़ादायक था, उतना ही प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की नाकामी को उजागर करता है। गांव में सड़क की ऐसी दुर्दशा है कि बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाना भी किसी पहाड़ चढ़ने से कम नहीं। वहीं बीते दिन एक जंगली हाथी ने गांव के एक युवक को कुचलकर मार डाला। हादसे के बाद परिजन सदमे में थे, लेकिन सड़क नहीं होने के कारण शव को एम्बुलेंस तक लाना संभव नहीं था। मजबूरी में ग्रामीणों ने कंधे पर शव को खटिया पर रखकर 2 किलोमीटर तक पैदल यात्रा की, तब जाकर मुख्य सड़क पर पहुंचे। इस घटना का वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बावजूद इसके प्रशासन और नेताओं के कान पर अब तक जूं तक नहीं रेंगी है। वही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा व गुसाए ग्रामीणों ने कहा की "नेता लोग चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं, पर जीतते ही हमें भुला देते हैं। अब हम भी ठान चुके हैं कि वोट उसी को देंगे जो गांव में सड़क बनाएगा।"

अब हमारी सरकार से मांग है की-अब नहीं तो कब?

गांव की यह कहानी सिर्फ एक गांव की नहीं, झारखंड के सैकड़ों ऐसे गांवों की सच्चाई है, जहां आज भी मूलभूत सुविधाएं सिर्फ सपना हैं। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है कि अब देर नहीं हो - गांव में जल्द से जल्द पक्की सड़क का निर्माण हो, ताकि किसी मां की गोद उजड़ने के बाद शव को कंधे पर न ढोना पड़े। और गांव में किसी की तबीयत खराब हो तो उसे आसानी से वाहन द्वारा मुख्यालय के हॉस्पिटलों में ले जाकर इलाज कराया जा सके।

लोध फॉल बंद होने के बावजूद, जबरदस्ती जलप्रपात तक पहुंच रहे है पर्यटक

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड क्षेत्र में भारी बारिश के कारण झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात लोध फॉल पिछले एक सप्ताह से बंद है। प्रवेश द्वार पर चेन लगा दिया गया है। पर्यटक स्थल तक जाने वाले रास्ते की रेलिंग बारिश से टूट चुकी है। जिससे आवागमन में खतरा बढ़ गया है। साथ फॉल के ऊपर बना हुआ पुल रेलिंग क्षतिग्रस्त है। रेलिंग के नीचे लगे तीन खबें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये है। कभी तेज बहाव में बह सकते है।लोध फॉल पर्यटकों के लिए बंद होने के बावजूद पर्यटकों का लोध फॉल तक आना नही रूक रहा है। हर रोज पर्यटको के सैकड़ो वाहन आ रहें है। ऐसे में पर्यटकों की इंट्री नही हो पा रही है। फॉल तक पहुंचने से पहले का गेट बंद होने के बाद भी पर्यटक गेट के बगल से होकर फॉल तक पहुंच रहे है। क्षेत्र में हर रोज हो रही बारिश के चलते फॉल एवं नदी का बहाव तेज है, साथ रास्ते भी असुरक्षित हो गए हैं। ऐसे में अगर किसी पर्यटक के साथ कोई हादसा होता है तो इसका जिम्मेवार कौन होगा। फॉल की जिम्मेदारी वन विभाग के इको विकास समिती और पर्यटक मित्र के हाथ है। हांलकि इको विकास समिती द्वारा गेट पर नोटिस लगा दिया गया है, कि कोई हादसा होने के बाद इसके जिम्मेवार पर्यटक खुद होंगें। पर्यटक मित्र सदस्य कहते है, कि पर्यटकों को हमलोग पर्यटको को फॉल तक जाने से रोक रहे है, पर वह जबरजस्ती फॉल तक पहुंच जाते है। हांलाकि सोमवार से इको विकास समिति एवं वन विभाग के द्वारा टूटा हुआ रेलिंग की मरम्मत कराई जा रही है। ऐसे उम्मीद है, जल्द पर्यटको के लिए लोध फॉल खोल पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

सड़क हादसा, दो वर्षीय बच्ची की मौत एनएच-75 जाम

श्री बंशीधर नगर। सोमवार दोपहर श्री बंशीधर नगर स्थित अंबा लाल पटेल बालिका उच्च विद्यालय के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो वर्षीय इनाया खातून की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना करीब दोपहर 12 बजे की है जब बरडीहा गांव निवासी शाहिद रजा अपनी बेटी को आधार कार्ड बनवाने के बाद लौट रहे थे। इसी दौरान हाईस्कूल के समीप एनएच-75 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्ची को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बच्ची की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को एनएच-75 पर रखकर सड़क जाम कर दिया और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग करने लगे। सावन की अंतिम सोमवारी होने के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों से निकालने का प्रयास किया गया। वहीं, जामस्थल पर पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी, झामुमो जिला उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडेय आप नेता मंटू पांडेय सहित कई स्थानीय नेता पहुंचे और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। एसडीओ प्रभाकर मिर्धा, एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह व पुलिस निरीक्षक रतन कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। अंततः प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार को 1 लाख की सहायता राशि और अन्य सरकारी लाभ देने के आश्वासन के बाद जाम समाप्त हुआ।

अंतिम सोमवारी पर सभी शिवालयों व मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर प्रखंड के सभी शिवालयों एवं मंदिरों में पूजा की विशेष तैयारी की गई थी। सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। देवनद तट में सोमवार की तड़के बड़ी संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे पहुंचे स्नान कर कलश में पवित्र जल भरा बोल बम जय भोले शंकर का जयघोष करते लोग विभिन्न मंदिरों व शिवालयों में भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। शहर में गायत्री मंदिर स्थित महाकाल मंदिर,थाना टोली स्थित शिव मंदिर,थाना परिसर स्थित शिव मंदिर बुध बाजार स्थित शिव मंदिर,सुभाष चौक स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर,प्रखंड कॉलोनी स्थित शिव मंदिर श्रीराम चौक स्थित शिव मंदिर अलौदिया गांव में श्री गुलाइची धाम बोरसीदाग स्थित शिव मंदिर के अलावे रामपुर बारी महुआमिलन रूद श्री वन शक्ति मंदिर बरवाटोली नगर मंदिर शिवालय समेत अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में भगवान शंकर को जल के अलावे दूध दही मधु से अभिषेक किया। भांग धतूरा फूल रोली चंदन अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। उधर माँ उग्रतारा मंदिर नगर में भी अंतिम सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय प्रशासन के द्वारा भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

सत्यनारायण भगवान की कथा श्रवण किया

मोहम्मदगंज। श्रावण शुक्ल पक्ष दशमीं को भगवान शिव के अभिषेक के साथ ही भीमचुल्हा मंदिर परिसर में दंपत्ति ने भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण किया। मंदिर के पुजारी पंडित गंगा तिवारी ने कथा वाचन किया। इससे चहूंओर भक्तिमय माहौल बन गया। पुजारी ने बताया कि भीमचुल्हा मंदिर परिसर पर्यटकीय के साथ ही धार्मिक कार्यक्रम को लेकर भी लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र बन गया है। हर पावन-पवित्र दिवस पर सनातन धर्म के उपासक इस मंदिर परिसर में भगवान शिव और भीमबलि की पूजा-पाठ और सत्यनारायण भगवान की कथा श्रवण के लिए पधारते हैं।

सावन की अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक, बाजे गाजे के साथ निकला जुलूस

हुसैनाबाद। सावन की चौथी व अंतिम सोमवारी को हुसैनाबाद के सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों की काफी भीड़ रही। श्रद्धालुओं व शिवभक्तों ने शिवालयों में जाकर भगवान भोलेशंकर का जलाभिषेक व जयकारे के साथ पूजा अर्चना की।शिवालयों में अहले सुबह से ही शिव भक्तों का भीड़ उमड़ पड़ा। वहीं श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर भगवान भोले की लिंग पर भांग, धतूरा, बिल्वपत्र अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। इस पावन अवसर पर शहर के रेलवे स्टेशन परिसर स्थित आशुतोष धाम, महावीर जी मंदिर, सिंचाई कॉलोनी स्थित शिव मंदिर, पुरानी ठाकुरबाड़ी, प्रखंड के उपरिकला पंचायत के उपरिकला स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर, लंगरकोट के मुरली पहाड़ी स्थित महाकालेश्वर धाम व कुम्हार टोली शिव मंदिर,पछियारी जपला शिव मंदिर समेत सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। साथ ही पछियारी जपला से श्रद्धालुओं ने बाजे गाजे के साथ जुलूस निकाला। जो देवरी सोननदी से जलभर कर विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक किया। महावीर मंदिर में श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान पुजारी गोपाल पाठक ने बताया कि सावन मास पवित्र माह होता है। आध्यात्मिक मायने में यह पवित्र माह बहुत ही महत्वपूर्ण है।जिसमे भगवान की साधना का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस मानव में भगवान शंकर की पूजा पाठ करना काफी फलदायी होता है। इस मौके पर काफी संख्या में महिला व पुरूष श्रद्धालु मौजूद थे।

दिशोम गुरु के निधन पर हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह ने जताया शोक

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड आंदोलन के प्रणेता और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर हुसैनाबाद के विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे झारखंड की राजनीति और सामाजिक चेतना के लिए अपूरणीय क्षति बताया। विधायक संजय सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा की दिशोम गुरु शिबू सोरेन न केवल एक राजनेता थे बल्कि वे झारखंड की आत्मा थे। उन्होंने आदिवासियों, किसानों और वंचित तबके की आवाज को जिस तरह संसद से लेकर सड़कों तक पहुंचाया। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उनका जीवन संघर्षों और बलिदानों की मिसाल है। झारखंड राज्य के गठन में उनका योगदान अमिट और ऐतिहासिक है। आज हम सबने एक मार्गदर्शक और जननेता को खो दिया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और शोकाकुल परिजनों को यह दुखः सहने की शक्ति दें। श्री यादव ने क्षेत्र के लोगों से आह्वान किया कि वे दिशोम गुरु के सपनों के झारखंड को साकार करने हेतु एकजुट होकर काम करें।

पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने भी जताया शोक

हुसैनाबाद। झारखंड के पूर्व मंत्री श्री कमलेश कुमार सिंह ने दिशोम गुरु, झारखंड आंदोलन के प्रणेता और आदिवासी समाज की मजबूत आवाज़, शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु का जाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है। मुझे उनके साथ सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उनके नेतृत्व में मुझे जनसेवा का वास्तविक अर्थ समझने और झारखंड की जनता के लिए समर्पित भाव से काम करने की प्रेरणा मिली।

माल्हन में झुंड से बिछड़े हाथी के विचरण से ग्रामीण भयभीत

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथी लगातार आतंक मचाये हुए हैं। हाथियों के झुंड ने क्षेत्र में आतंक फैला रखा है। क्षेत्र में जंगली हाथी जान माल की क्षति भी पहुंचा रहे हैं। जिससे ग्रामीण काफी भयभीत नजर आ रहे हैं। सोमवार को एक जंगली हाथी अचानक से माल्हन गांव के समीप चंदवा-माल्हन-मैकलुस्कीगंज मुख्य मार्ग पर आ धमका और सड़क किनारे लगे धान की फसल को खाने लगा। सड़क किनारे हाथी के विचरण की खबर आस पास के क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। जिसके बाद बड़ी संख्या ग्रामीण हाथी को देखने के लिए मौके पर पहुंच गए। और उसकी फोटो वीडियो बनाने लगे। ग्रामीण जब हाथी को भगाने लगे तो हाथी सड़क मार्ग से सीधे लोहरसी गांव पहुंचा और कटहल के पेड़ से कटहल खाने लगा। मदमस्त हाथी की हरकत ग्रामीणों के बीच कैतुहल का विषय बना रहा। ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग के कर्मियों के द्वारा उक्त हाथी को आबादी क्षेत्र से दुर भगाने का प्रयास किया गया। इस संबंध में वन विभाग कर्मी आलोक तिग्गा ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा माल्हन क्षेत्र में एक हाथी के सड़क किनारे विचरण करने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी से संबंधित जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। हाथी को देखने के लिए ग्रामीणों की अत्यधिक भीड़ जमा हो गई थी। इसके बाद पुलिस बल की मदद से जंगली हाथी को आबादी क्षेत्र से दूर भगाया गया।

टावर में काम करने वाले मजदूरों के साथ उग्रवादियों ने की मारपीट और फायरिंग कर फैलाई दहशत

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। थाना क्षेत्र के सिबला पंचायत अंतर्गत भाटचतरा बाजारटांड नरेश तुरी के घर में रह रहे टावर में काम करने वाले मजदूरों के साथ बीते रात अपराधियों ने मारपीट करते हुए फायरिंग कर दहशत फैलाई। भाटचतरा बाजार टांड मे हाई टेंशन वाले तार की टावर में काम करने के लिए वेस्टबंगाल मालदा के 25 से 30 की संख्या में मजदूर नरेश तुरी के घर पर रहकर पिछले कई माह से काम कर हैं। शनिवार रात्रि लगभग 9:30 बजे के आसपास रह रहे मजदूर की रूम मे हथियार से लैस वर्दीधारी चार अपराधी पहुंचे। पहुँचते ही कई मजदूरों के साथ मारपीट करते हुए कमरा में घुस गए। पिस्टल से दो फायरिंग कर पहले दहशत फैलाकर भय का माहौल बनाया। फायरिंग होते ही मजदूरों मे अफरा-तफरी मच गई। कई मजदूर डर से रात्रि में ही दौड़ कर इधर उधर भागने लगे। चारो अपराधी अपना मुँह बांधे हुए थे और कबरा पैंट काला सर्ट पहने हुए थे। मजूदरों से एक लाख रुपए की मांग की और एक पर्चा भी छोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शीयों ने बताया की एक लम्बा व्यक्ति था और तीन लगभग 18 से 20 वर्ष के थे। कमरा में आने से पहले मजूदरों को मारपीट कर रहे थे उसी बीच पंचम नामक मजदूर को रड से दाहिने हाथ में मार दिया जिससे वह घायल हो गया। दहशत फैलाने के बाद अमूल, लोकेश, पंचम व विश्वजीत चार मजदूर की मोबाइल फोन लेकर चले गए।

घटना के पूर्व भी दो दिन आए थे अपराधी

लोगों ने बताया की दो तीन दिन पूर्व कबरा पैंट पहने युवक मजदूरों के पास आकर मजदूरी करने के बहाने बात कर रहे थे और पूछताछ कर जानकारी लेकर गए थे। शनिवार को भाटचतरा में साप्ताहिक बाजार लगता है। बाजार सन्नाटा होते ही चारो पैदल आकर घटना का अंजाम दिया है। आपको बताते चलें की केईसी कम्पनी टावर तार के लिए काम करवा रही है। फायरिंग के दौरान घर मालिक नरेश तुरी व पत्नी व पुत्री ने घर मे छूप गए। वहीं घायल मजदूर को इलाज कराया गया।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस, खोखा व पोस्टर किया जब्त

घटना की सूचना मिलते ही बारियातू थाना प्रभारी रंजन पासवान सदलबल के साथ पहुँचकर घटना का जायजा लिया और दो खोखा व पोस्टर को पुलिस ने जब्त किया। थाना प्रभारी ने बताया की पोस्टर मे जेजेएमपी ने घटना की जिम्मेवारी ली है। अपराधियों को धर पकड़ के लिए पुलिस जगह जगह पर छपामारी अभियान चला रही है। अपराधी जो होंगे बख्शे नहीं जाएंगे जल्द ही अपराधी पकड़े जाएंगे।

भारी बारिश का असर | कीचड़ से बदहाल हुई मुख्य नहर किनारे की कच्ची सड़क

पैदल तक चलना भी हुआ मुश्किल

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्टेशन रोड से दायीं मुख्य नहर के किनारे से पदारथडीह होकर काशीस्रोत पुल के नीचे से राजनडीह गांव तक की सड़क का हाल भारी बारिश से बदहाल हो गया है। सड़क में कीचड़ फैल गई है। गड्ढों का भरमार हो गया है। इस सड़क में ही रसोई गैस की दुकान भी है। जहां तक भी पहुंचना आसान नहीं होता है। ऐसे में ग्राहकों को गैस सिलेंडर के उठाव के लिए होने वाली दिक्कत का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इस सड़क की वर्तमान स्थिति की तस्वीर इसकी बदहाली को बयां कर रही है। जिस पर वाहनों की कौन कहे, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश होते ही इस सड़क में स्टेशन रोड से राजनडीह के बीच केवल पदारथडीह गांव को छोड़कर अन्य पूरे भाग पर फिसलन पैदा हो जाता है। जिस पर संभलकर नहीं चला जाए, तो कोई भी चारो खाने चित्त हो सकता है। यही वह मार्ग है, जिससे आसपास के घरों से लेकर राजनडीह-महुडंड मुख्य पथ पर स्थित पठारी गांव तक पीएमजीएसवाई सड़क के माध्यम से आवागमन किया जाता है। बावजूद इसके इसे बेहतर बनाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम अबतक सामने नहीं आया है। जिसका उन्हें मलाल है।

आसपास के रहवासियों की बरसात में दोहरी परेशानी बढी

इस सड़क की बारिश से बदहाल स्थिति में आसपास के रहवासियों को बाहर निकलने के बाद घरों तक पहुंचने में दोहरी परेशानी और जोखिम उठानी पड़ती है। एक तो दायीं मुख्य नहर के किनारे इस सड़क की बदहाल स्थिति, दूजा बैंक और स्कूल के पास जलजमाव, इस प्रकार दोनों ओर से आवागमन करना आसान नहीं होता है। इस साल उन्हें लगातार बारिश से कुछ ज्यादा ही परेशानी और जोखिम उठानी पड़ रही है। इस समस्या से दर्जनाधिक घरों के लोगों के समक्ष विकट स्थिति बन गई है।

10 घंटे बाद मिली बिजली लोगों को मिली राहत

हुसैनाबाद। रविवार की रात से शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति 10 घंटे के बाद बहाल की गई। इससे लोगों को राहत मिली हैं। मालूम हो की हुसैनाबाद शहर के दातानगर के समीप 33 हजार केवीए के रेलवे अंडर पास से गुजरी केबूल तार में रविवार की देर रात अचानक टेक्निकल फॉल्ट होने के कारण शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लैक आउट हो गया। इसकी सूचना मिलते ही विभाग के सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो ने इस मामले को गम्भीरता पूर्वक लेते दातानगर के पास दूसरे केबल से सोमवार को करीब11 बजे बिजली बहाल की गई। जपला विद्युत विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद सोमवार को फॉल्ट को दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी।

पेज एक के शेष

शिबू ने छोड़ ...

इस बार उन्हें पांच महीने तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का मौका मिला। उन्होंने 18 जनवरी 2009 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। तीसरी बार 30 दिसंबर 2009 को शिबू सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बने। इस बार उनका कार्यकाल सिर्फ पांच महीने का रहा। उन्होंने 31 मई 2009 को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

गुरुजी का पार्थिव...

आवास पर ले जाया गया। मंगलवार की सुबह झामुमो के पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा ले जाया जाएगा, जहां पूर्वाहन 09:00 बजे राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी जाएगी। फिर, पार्थिव शरीर को रामगढ़ के नेमरा गांव ले जाया जाएगा, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

रामगढ़ के नेमरा...

इस आंदोलन में उन्होंने आदिवासियों के जमीन छीनने, शोषण और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। वर्ष 1980 में शिबू सोरेन पहली बार लोकसभा सदस्य बने। इसके बाद उन्होंने कई बार संसद में आदिवासी मुद्दों को उठाया और झारखंड राज्य गठन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके प्रयासों और लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ। राज्य गठन के बाद शिबू सोरेन तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने - 2005, 2008 और 2009 में। हालांकि, राजनीतिक अस्थिरता और गठबंधन की खींचतान के कारण उनका कार्यकाल लंबा नहीं चल सका। इसके बावजूद उन्होंने आदिवासी कल्याण, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई पहल की। उन्होंने केंद्र में कोयला मंत्री के रूप में भी सेवा दी। उनकी राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव भी आए। भ्रष्टाचार और हत्या जैसे गंभीर मामलों में वे आरोपित हुए, हालांकि बाद में कई मामलों में वे बरी भी हुए।

झारखंड में तीन...

शिबू सोरेन के निधन पर राज्य सरकार ने 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 तक तीन दिन का राजकीय शोक मनाने का फैसला लिया है। राज्य सरकार ने दिवंगत नेता शिबू सोरेन के सम्मान में 4 और 5 अगस्त को राज्य सरकार के सभी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक कार्यालयों को बंद रखने का भी निर्णय लिया है।

पीएम मोदी पहुंचे...

हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रधानमंत्री मोदी के सर गंगाराम अस्पताल आने पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भावुक हो गए। पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचकर हेमंत सोरेन और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और शिबू सोरेन के निधन पर दुख जताते हुए संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने सर गंगाराम अस्पताल गया। इस दौरान उनके परिवार से भी मुलाकात हुई। मेरी संवेदनाएं हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन और शिबू सोरेन के सभी प्रशंसकों के साथ हैं। इससे पहले, पीएम मोदी ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख जताया। इस दौरान उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से फोन पर बात कर संवेदना प्रकट की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा, शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। उनके निधन से दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात की और संवेदना व्यक्त की।

विधानसभा अनिश्चितकाल के...

इस शून्य के बीच हैं उनकी यादें, उनकी बातें, उनकी प्रेरणा, उनका आंदोलन और उनका झारखंड। बाबा हमेशा हमलोगों के बीच रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा, इस दुख की घड़ी में सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जाती है।

बिना बीमा वाली कार लेकर निकले तो लगेगा बेस प्रीमियम के 3 से 5 गुना जुर्माना

- 55 साल से ज्यादा उम्र वालों को लाइसेंस रिन्यू कराते समय ड्राइविंग टेस्ट देना होगा
- तेज गाड़ी चलाने या शराब पीकर चलाने पर पकड़े गए तो लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए फिर होगा ड्राइविंग टेस्ट

-ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में लोग मोटर गाड़ी की बीमा पॉलिसी खत्म हो जाने के बाद भी उसे लेकर कहीं जाने के लिए निकल पड़ते हैं। यदि इन गाड़ियों के दुर्घटना हो जाए तो नुकसान की भरपाई नहीं हो पाती। केंद्र सरकार ऐसी प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम में कुछ बदलाव कर इस तरह की गाड़ी चलाने पर भारी-भरकम जुर्माना लगाने का प्रावधान बनाने जा रही है। अभी इस तरह की गाड़ी चलाने वालों पर पहली बार पकड़े जाने पर 2,000 रुपये ,दोबारा पकड़े जाने पर 4,000 रुपये का जुर्माना लगता है। नए नियम के अनुसार, पहली बार बिना इंश्योरेंस वाली गाड़ी चलाने पर इंश्योरेंस के बेस प्रीमियम का 3 गुना जुर्माना लगेगा। वहीं, दोबारा पकड़े जाने पर यह जुर्माना 5 गुना हो जाएगा। जहां तक गाड़ी चलाने के स्पीड का सवाल है तो अभी सड़कों पर चलने वाली मोटर गाड़ियों की स्पीड लिमिट केंद्र सरकार व राज्य सरकारें (अलग-अलग तय करती हैं। इससे मोटर चलाने वालों को बहुत परेशानी होती है। वे समझ नहीं पाते कि किस सड़क पर कितनी स्पीड से चलना है। कई बार तो वे अनजाने में ही नियम तोड़ भी देते हैं और उनकी गाड़ी पर चालान जारी हो जाता है। नए नियमों के अनुसार केंद्र सरकार की सड़क मतलब कि नेशनल हाइवे व एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट तय करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास होगा। वहीं, स्टेट हाइवे व अन्य स्थानीय सड़कों के लिए स्पीड लिमिट राज्य सरकारें तय करेंगी। इससे लोगों को आसानी होगी और वे बिना वजह चालान से बच सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इससे भ्रष्टाचार पर भी लगाम लग सकता है।

केंद्र सरकार जो मोटर वाहन अधिनियम में भी बदलाव कर रही है, उसमें ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर भी कुछ नया प्रावधान आने वाला है। अब यदि कोई व्यक्ति तेज गाड़ी चलाने या शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसे गंभीर अपराध में दोषी पाया जाता है, तो उसे लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए एक बार फिर से ड्राइविंग टेस्ट देना होगा। इतना ही नहीं, 55 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को भी लाइसेंस रिन्यू कराते समय ड्राइविंग टेस्ट देना होगा। इससे यह पता चलेगा कि वे इस उमर में भी सुरक्षित तरीके से गाड़ी चला सकने में सक्षम हैं या नहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने इन बदलावों का प्रस्ताव अन्य सरकारी विभागों या संबंधित मंत्रालयों को भेजा है। उनसे राय लेने के बाद इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। एक बार कैबिनेट से मंजूरी मिल जाए तो फिर इसे देश भर मे लागू कर दिया जाएगा।

‘हर घर तिरंगा’ अभियान से जागा राष्ट्र प्रेम, तिरंगे संग सेल्फी जरूर लें : अमित शाह

नई दिल्ली (आईएएनएस)। देश भर में स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ‘हर घर तिरंगा’ अभियान को लेकर एक अहम संदेश दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू की गई इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस अभियान ने देशवासियों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, “प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर घर तिरंगा अभियान की जो पहल की गई थी, उसने देशवासियों को एकजुट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज यह अभियान जन-जन से जुड़ चुका है। प्रत्येक देशवासी में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना इस अभियान के माध्यम से साफ दिखाई दे रही है।” गृह मंत्री ने विशेष रुप से युवाओं से आग्रह किया कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

बांग्लादेश के पूर्व सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एम. हारुन-उर-रशीद का मिला शव

ढाका (आईएएनएस)। बांग्लादेश के पूर्व सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एम. हारुन-उर-रशीद का सोमवार को निधन हो गया। वे चटगांव क्लब परिसर में मृत पाए गए। 77 वर्षीय राशिद 1971 के युद्ध के नायक, एक सम्मानित सैनिक और पाकिस्तान के कड़े आलोचक माने जाते थे। बांग्लादेश की स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कोतवाली पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुल करीम के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए चटग्राम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। सितंबर 1970 में एक युवा लेफ्टिनेंट के रूप में पाकिस्तानी सेना में कमीशन मिलने के बाद, हारुन-उर-रशीद ने 2002 तक बांग्लादेश की सेना में सेवा दी। सेवानिवृत्ति के बाद, वह युद्ध अपराधियों के अत्याचारों के खिलाफ मुखर रहे और उन्होंने पाकिस्तान पर बांग्लादेश की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया। पुलिस के अनुसार, हारुन-उर-रशीद रविवार को एक मामले में स्थानीय अदालत में पेश होने के लिए ढाका से चटगांव आए थे।

इस्लामाबाद-ढाका संबंधों में बढ़ रही मिठास, पाक के विदेश मंत्री जाएंगे बांग्लादेश

ढाका। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार इस महीने बांग्लादेश के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डार 23 अगस्त से ढाका की यात्रा पर रहेंगे। बता दें कि यह कई वर्षों बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी, जो पिछले साल प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के हटने के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच बढ़ती निकटता को दर्शाती है। बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली दैनिक अखबार प्रोथोम अलो ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि इस यात्रा के दौरान इशाक डार विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन के साथ बातचीत करेंगे और अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करेंगे। डार के बांग्लादेशी राजनीतिक नेताओं से भी संवाद करने की संभावना है।

रूस का क्राशेनिनिकोव ज्वालामुखी 600 साल बाद फटा 6 किमी ऊंचा राख का गुबार उठा

मॉस्को (आईएएनएस)। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में क्राशेनिनिकोव ज्वालामुखी 600 वर्षों में पहली बार फटा है, जिससे आसमान में छह किलोमीटर तक विशाल राख का गुबार उठा है।

रूसी विज्ञान अकादमी की ‘यूनिफाइड जियोफिजिकल सर्विस’ की कामचटका ब्रांच ने यह जानकारी दी। कामचटका ज्वालामुखी विस्फोट प्रतिक्रिया दल (केवीईआरटी) के अनुसार, रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 2:50 बजे विस्फोट शुरू हुआ, जिससे शुरुआत में राख के गुबार उठे जो समुद्र तल से 3 से 4 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंच गए। बाद में, राख का गुबार काफी बढ़ गया और 6,000 मीटर (19,700 फीट) तक पहुंच गया, जिसके कारण क्षेत्र के लिए ऑरेंज एविएशन वार्निंग जारी की गई। केवीईआरटी की प्रमुख ओल्गा गिरिना ने आरआईए नोवोस्ती को बताया कि क्राशेनिनिकोव ज्वालामुखी में छह सदियों से ज्यादा समय बाद पहली बार ऐसी गतिविधि देखी गई है।

बीएसएफ, सेना और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में मिली बड़ी कामयाबी

कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों को मिली आतंकी गुफा, चीनी ग्रेनेड व गोला-बारूद बरामद

कुपवाड़ा (आईएएनएस)

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान लगातार जारी है। इस दौरान, बीएसएफ, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कुपवाड़ा जिले के कालारूस में संयुक्त ऑपरेशन में बड़ी कामयाबी हासिल की, जहां एक पथरीली गुफा में छिपे आतंकी ठिकाने का पता लगाया गया, जहां से ग्रेनेड, पिस्तौल के साथ गोला-बारूद बरामद किया गया है। बीएसएफ ने इस ऑपरेशन की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी है।

कश्मीर फ्रंटियर बीएसएफ के आधिकारिक ‘एक्स’ हैंडल से सोमवार को एक पोस्ट शेयर कर कालारूस में चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। बीएसएफ ने ‘एक्स’ पर फोटो शेयर कर बताया कि जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कालारूस में तीन दिन के संयुक्त अभियान में बीएसएफ, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 4 अगस्त को एक पथरीली गुफा में छिपा आतंकी ठिकाना खोज निकाला। सुरक्षाबलों ने वहां से 12 चीनी ग्रेनेड, एक चीनी पिस्तौल के साथ गोला-बारूद, केनवुड रेडियो सेट, उर्दू में लिखी आईईडी बनाने की किताब और आग जलाने वाली छड़ें बरामद की हैं।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल लगातार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। कुलगाम जिले में आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि अखल जंगल इलाके में रातभर रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही।

सेना, सीआरपीएफ, और जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित संयुक्त बलों ने सीएएसओ (घेराबंदी और तलाशी अभियान) के तहत का दायरा बढ़ा दिया है। इस अभियान में अब तक एक आतंकवादी मारा गया है और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ है। इसके अलावा, चार जवानों को भी चोटें आई हैं।

इससे पहले, सुरक्षाबलों ने तीन खूंखार पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया था। ये आतंकी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी।

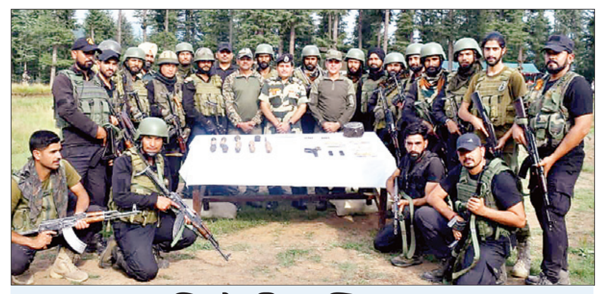

आतंकियों की साजिश नाकाम

बीएसएफ ने अपने बयान में कहा, इस संयुक्त कार्रवाई से आतंकियों की खतरनाक साजिश को नाकाम कर दिया गया है, जहां से भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामान बरामद किया गया है।

सेना के पर्वतारोहियों ने की पैंगोंग त्सो की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देश के तीन प्रमुख पर्वतारोहण संस्थानों, जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान पहलगाम, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी और हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान दार्जिलिंग, के प्रशिक्षकों की एक संयुक्त टीम ने पैंगोंग त्सो क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। लद्दाख क्षेत्र में इस साहसिक अभियान का आयोजन और नेतृत्व कर्नल हेम चंद्र सिंह द्वारा किया गया। वह जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान पहलगाम में प्रिंसिपल हैं। यह भारत के पर्वतारोहण समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान के मुताबिक, सफल आरोहण का आरंभ माउंट मेरग-3 की 6,480 मीटर या 21,254 फीट ऊंची चोटी से 29 जुलाई को सुबह 9.39 बजे हुआ। इसके उपरांत भारतीय पर्वतारोहण दल ने माउंट कांगजू कांगरी की 6,710 मीटर या 22,008 फीट ऊंची चोटी पर 2 अगस्त को चढ़ाई की। यह अभियान 24 जुलाई को जम्मू कश्मीर के सोनमर्ग से कर्नल हेम चंद्र सिंह द्वारा ध्वज दिखाकर रवाना किया गया था। अत्यधिक ऊंचाई और कठिन मौसम की चुनौतियों के बावजूद, टीम ने असाधारण साहस, दृढ़ता और सामूहिक समर्पण का प्रदर्शन करते हुए भारतीय पर्वतारोहण के इतिहास में एक नई मिसाल कायम की।

एक सितंबर से नहीं भेज पाएंगे रजिस्ट्री से चिट्ठी, सेवा होगी बंद

- रह जाएगा 25% और महंगा वाला स्पीड पोस्ट
- रजिस्टर्ड पोस्ट की शुरुआत 25.96 रुपए से होती थी, फिर हर 20 ग्राम के लिए 5 रुपए ज्यादा लगते थे
- स्पीड पोस्ट 50 ग्राम तक के पार्सल के लिए 41 रुपए से शुरू होता है, 25% महंगा है

-ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत सरकार का डाक विभाग अब रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद कर रही है। डाक विभाग के एक परिपत्र के मुताबकि 1 सितंबर, 2025 से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद हो जाएगी। उससे बीस से पत्तीस प्रतिशत महंगी स्पीड पोस्ट रह जाएगी। सरकार का दावा है कि ऐसा करने से काम करने का तरीका और भी आधुनिक हो जाएगा। अभी तक कोई महत्वपूर्ण कागजात भेजना हो, बाहर पढ़ने वाले बच्चों को बैंक ड्राफ्ट बना कर भेजना हो या रक्षा बंधन पर राखी, सबके लिए रजिस्टर्ड पोस्ट का इस्तेमाल होता रहा है। आजादी के बाद से ही रजिस्टर्ड पोस्ट बहुत ही भरोसेमंद माना जाता था। सरकार भी अपाइन्टमेंट लेटर भेजने में इसका इस्तेमाल करती रही है। अदालत भी कानूनी नोटिस इसके मार्फ़त भेजा करती थी। लेकिन अब अच्छे दिन आ जाने के कारण सब कुछ बदला जा रहा है, तो डाक विभाग क्यों पीछे रहे। डाक विभाग के सचिव व डायरेक्टर जनरल ने सभी विभागों, अदालतों, संस्थानों व लोगों को 1 सितंबर तक नई व्यवस्था में बदलने के लिए कहा है। 31 अगस्त तक दोनों सेवाएं पहले की तरह चलती रहेंगी। लेकिन 1 सितंबर से लोगों को अपनी चीजें स्पीड पोस्ट से भेजनी होंगी। इस तरह रजिस्टर्ड पोस्ट का एक युग खत्म हो जाएगा। बताया जा रहा है कि यह बदलाव इसलिए किया जा रहा है क्योंकि रजिस्टर्ड पोस्ट का इस्तेमाल बहुत कम हो गया है। लोग अब ऑनलाइन चीजें इस्तेमाल करने लगे हैं। व्हाट्सऐप व ईमेल के चलते अब पत्र लिखना या भेजना भी कम हो गया है। इसके अलावा प्राइवेट कूरियर और ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स से भी रजिस्टर्ड पोस्ट का मुकाबला बढ़ गया है। डाक विभाग की ही एक और सेवा स्पीड पोस्ट है। इसे 1986 में शुरू किया गया था। रजिस्ट्री चिट्ठी की तरह ही इसमें भी बुकिंग के समय रसीद दी जाती है। इसे आप ऑनलाइन ट्रैक कर सकते हैं। हालांकि, स्पीड पोस्ट की सेवा रजिस्टर्ड पोस्ट से महंगी है। रजिस्टर्ड पोस्ट की शुरुआत 25.96 रुपये से होती थी। इसके बाद हर 20 ग्राम के लिए 5 रुपये ज्यादा लगते थे। वहीं स्पीड पोस्ट 50 ग्राम तक के पार्सल के लिए 41 रुपये से शुरू होता है। यह लगभग 20-25% महंगा है। रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा का बंद होना एक युग का अंत होना है। रजिस्टर्ड पोस्ट काफी लोगों के लिए भरोसे का प्रतीक रहा है, विशेषकर गांवों में रहने वाले लोगों के लिए। बैंक, विश्वविद्यालय व सरकारी विभाग कानूनी रूप से मान्य कागजात भेजने के लिए रजिस्टर्ड पोस्ट का ही इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब इसे 1 सितम्बर से इतिहास बना दिया जा रहा है।

मोहन भागवत की उद्बोधन श्रृंखला दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु व कोलकाता में

-ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में जन संवाद सघन करने की योजना के तहत संघ प्रमुख मोहन भागवत का व्याख्यान देश के चार मेट्रो शहर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु व कोलकाता में होगा। शुरुआत दिल्ली से होगी। संघ ने कहा कि 26 से 28 अगस्त तक दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिन की व्याख्यानमाला का आयोजन होगा जिसे संघ प्रमुख मोहन भागवत संबोधित करेंगे। संघ प्रमुख इस व्याख्यानमाला में अलग अलग क्षेत्र के जुड़े लोगों के साथ संवाद कार्यक्रम करेंगे। ऐसा पहली बार होगा जब इस स्तर पर व ज्यादा जगहों पर यह संवाद कार्यक्रम होगा। इससे पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में ही तीन दिन की व्याख्यान श्रृंखला हुई थी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लेक्चर सीरीज के आखिरी दिन अलग अलग विषयों पर संघ की सोच से जुड़े सवालों के जवाब दिए थे। तब सिर्फ दिल्ली में ऐसा हुआ था लेकिन इस बार चार शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु व कोलकाता में संवाद कार्यक्रम होंगे। 2018 में मोहन भागवत की लेक्चर सीरीज से पहले इस तरह का कार्यक्रम 1974 में हुआ था। तब उस वक्त के सरसंघचालक बालासाहब देवरस ने पुणे की वसंत व्याख्यानमाला में संघ के संदेश व संघ के विचारों को रखा था जिसमें उन्होंने अस्पृश्यता को पाप बताया था।पहले यह माना जाता था कि आम जन का संघ के प्रमुख (सरसंघचालक) तक पहुंच नहीं है और उनसे सीधा संवाद नहीं हो सकता। इसके बाद संघ के संपर्क विभाग ने 2018 में एक प्रयोग के तौर पर सरसंघचालक का दिल्ली में संवाद कराया। संघ के अनुसार वह बहुत सफल व प्रचारित रहा , और संघ को लेकर कई तरह की भ्रांतियों को दूर करने में सहायता मिली। अब और भ्रांतियां दूर करने व संघ की पहुँच व पकड़ आम जनता में बनाने के लिए उस योजना को बड़े स्तर पर देश के 4 बड़े शहरों में किया जा रहा है। इससे संघ का वैचारिक आधार उसकी राजनीतिक शाखा भाजपा से अलग हो एक अलग व और प्रतिबद्ध जन समूह की बनेगी।

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा की ‘जटाधारा’ का नया पोस्टर जारी

कहानी फिल्म जगत की

सोमवार को मेकर्स ने ‘जटाधारा’ का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। इसमें सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा का अलौकिक अवतार दिखाई दे रहा है। इंस्टाग्राम पर इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, “इंतजार खत्म, गवाह बनिए पौराणिकता के शानदार विजुअल से भरी जटाधारा का! सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा और भगवान शंकर की एक झलक स्क्रीन पर आग लगा रही है। प्रेरणा अरोड़ा इंडियन सिनेमा को फिर से परिभाषित करने जा रहे हैं। टीजर 8 अगस्त को आएगा, इतिहास बनने जा रहा है।”इस पोस्टर से ‘जटाधारा’ की दुनिया से दर्शक रुबरू होते हैं, जहां मिथक और सच्चाई के बीच की उहापोह है। इसी बीच तूफानी माहौल में सुधीर बाबू का किरदार उभरता है। जो युद्ध के लिए तैयार है। अगले सीन में दसपिशाचिनी दिखती है। एक राक्षसी जो दबे हुए खजाने की रक्षा करती दिख रही है।